।। श्री हरि: ।।

नमामि देवी नर्मदे

अमृत दर्शन

Website : www.amritdarshan.com

RNI No. MPHIN /2004 /13927

नवरात्रि

प्रथम दिवस : मां शैलपुत्री देवी

वन्दे वाञ्छितलाभाय चन्द्रार्धकृतशेखराम्।
वृषारुढा शूलधरां शैलपुत्रीं यशस्विनीम्॥

नर्मदापुरम, रविवार, 30 मार्च 2025 ● वर्ष - 21 ● अंक - 165 ● पृष्ठ : 8 ● मूल्य : 1 रुपये

नर्मदापुरम का प्रथम हिन्दी दैनिक

संक्षिप्त समाचार

घट स्थापना का शुभ मुहूर्त

भोपाल। आज से चैत्र नवरात्र का महोत्सव शुरू हो रहा है। उदयातिथि के अनुसार, चैत्र नवरात्र रविवार, 30 मार्च 2025 से ही शुरू हो रहे हैं। नवरात्रि के लिए कलश स्थापना के दो विशेष मुहूर्त निर्धारित किए गए हैं। पहला मुहूर्त प्रतिपदा के एक तिहाई समय में कलश स्थापना करना अत्यंत शुभ माना जाता है, जो 30 मार्च 2025 को सुबह 06.14 से 10.21 बजे तक है। और दूसरा मुहूर्त, अभिजीत मुहूर्त, 30 मार्च 2025 को दोपहर 12.02 से 12.50 बजे तक है, जब कलश स्थापित किया जा सकता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, घटस्थापना का सर्वोत्तम समय प्रात :काल होता है, जिसे चैत्र शुक्ल प्रतिपदा के दौरान किया जाता है। यदि इस समय चित्रा नक्षत्र और वैधृति योग उपस्थित हो, तो घटस्थापना को टालने की सलाह दी जाती है।

म्यांमार में भूकंप से अब तक 1644 लोगों की मौत

नेपीदा। म्यांमार में शनिवार दोपहर 3.30 बजे फिर भूकंप आया। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 5.1 मापी गई। इस तरह 2 दिन में 5 से ज्यादा तीव्रता वाले तीन भूकंप आ चुके हैं। शुक्रवार को 7.7 तीव्रता के भूकंप के बाद म्यांमार में भारी तबाही हुई है। मौत का आंकड़ा 10 हजार से ज्यादा हो सकता है। यह आशंका यूनाइटेड स्टेट जियोलॉजिकल सर्वे (स्त्रस्) ने जताई है। भूकंप के झटके थाईलैंड, बांग्लादेश, चीन और भारत तक महसूस किए गए थे। सूत्रों के मुताबिक मरने वालों का आंकड़ा 1644 हो चुका है, जबकि 3,408 से ज्यादा लोग घायल हैं और 139 लोग लापता हैं। उधर, थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक में एक 30 मंजिला इमारत गिर गई है। इसमें 10 लोगों की मौत हुई है।

प. बंगाल के मालदा में हिंसा, इंटरनेट बंद, 34 बदमाश अरेस्ट

मालदा। पश्चिम बंगाल के मालदा जिले के मोथाबाड़ी में 27 मार्च को दो गुटों के बीच हुई हिंसा मामले में 34 उपद्रवियों को गिरफ्तार किया गया है। घटना के बाद से इलाके में इंटरनेट बंद है। आर्म्ड और रैपिड एक्शन फोर्स की तीन कंपनियां तैनात की गई हैं। हिंसा को लेकर कलकत्ता हाईकोर्ट ने शुक्रवार को डीएम और एसपी से 3 अप्रैल तक एक्शन रिपोर्ट मांगी है। कोर्ट ने कहा कि राज्य को सावधानी से काम करना चाहिए। साथ ही हिंसा से प्रभावित लोगों की सुरक्षा के लिए उचित कदम उठाने चाहिए। रिपोर्ट्स के मुताबिक 26 मार्च को मोथाबाड़ी मस्जिद में नमाज हो रही थी। इस दौरान वहां से एक जुलूस गुजर रहा था, तभी कुछ लोगों ने धार्मिक नारे लगाए। 27 मार्च को दूसरे समुदाय ने इसका विरोध किया।

अंतर्मना उवाच

उम्र का तजुर्बा सफल नहीं बनाता बल्कि.. उम्र का सही इस्तेमाल इंसान को सफल बनाता है..!

*दुनिया की सबसे छोटी कहानी - **एक बुढ़िया थी, बचपन में मर गई।** आपके मन में अनेक प्रश्न खड़े हो रहे होंगे...!! कई लोगों की उम्र में भी, उनकी मानसिक उम्र आठ-दस साल से ज्यादा नहीं होती और कभी-कभी ऐसा भी होता है कि आठ-दस साल की उम्र के बच्चों में अस्सी साल की मानसिक उम्र होती है।*

सन्यास से शारीरिक उम्र का कोई संबंध नहीं है।** जब भी धर्म, पुण्य, सत्कर्म, उपकार, परोपकार, व्रत, नियम, संयम की बात आती है तो तुम टाल-मटोल करने में मास्टर हो गये हो तुरंत जवाब मिलता है - **अरे गुरूदेव! यह सब तो बुढ़ापे में करने की चीज है और शुभ कार्य और श्रेष्ठ कार्य को कल पर टाल देते हो।** सिनेमा देखने के लिये, पाप कार्य के लिए, आज अभी तैयार बैठे हो। **अरे भाई...! सिनेमा और पाप को बुढ़ापे के लिए छोड़ दो।** लेकिन तुम शुभ कार्य, धर्म और परमात्मा, नियम, संयम को स्थगित कर देते हो। **जवानी - संसार के लिये और बुढ़ापा - शुभ, श्रेष्ठ और धर्म कार्य के लिये।

*हमारी ज्यादा होशियारी ही दु:ख में कारण है। **हमारी मानसिक सोच बन गई है कि धर्म, व्रत, नियम, संयम तो बुढ़ापे में करने जैसे कार्य है, फिर आज अभी क्यों..?** जब शक्ति होती है तब तुम गलत कार्य करते हो और जब शक्ति ख़त्म हो जाती है तब तुम कहते हो कि अच्छा करेंगे। जब शरीर ही साथ नहीं देगा तब हम क्या अच्छा कर पायेंगे। इसलिए मैं हँसते मुस्कुराते कहता हूं - **आँख मूंदकर अंध बने हैं आखन बांधी पट्टी।***

सोचो...! हम किसे धोखा दे रहे हैं...???

■ अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी महाराज

उल्टे फेरे लगाने से पूरी होती है हर मन्नत, ऐसी है मां हरसिद्धि में भक्तों की आस्था

भोपाल (बैरसिया) ■ ब्यूरो

श्रद्धालुओं की श्रद्धा निराली है. हर मंदिर की अपनी कहानी है और मंदिरों में दर्शन करने से लेकर मन्नत पूरी होने तक अलग-अलग मान्यताएं हैं. ऐसी ही एक मान्यता है भोपाल से 35 किलोमीटर दूर बैरसिया के करीब तरावली गांव में जहां मां हरसिद्धि के दरबार में मन्नत पूरी करने के लिए भक्त उल्टे फेरे लगाते हैं. उनकी आस्था है कि यहां उल्टे फेरे लगाने से उनके बिगड़े काम बन जाते हैं. यहां हर साल नवरात्र में विशेष पूजा-अर्चना करने के लिए लोग दूर-दूर से आते हैं. हालांकि इस बार कोविड-19 के संक्रमण को देखते हुए मंदिर न्यास समिति ने मंदिर को नवरात्रि के दौरान श्रद्धालुओं के लिए बंद करने का फैसला लिया था, लेकिन सीएम के एलान के बाद मंदिर को श्रद्धालुओं के लिए खोल दिया गया।

महंत मोहन गिरी ने बताया कि तरावली स्थित मां हरसिद्धि की आराधना का अलग ही महत्व है. यहां पर मां के धड़ की पूजन की जाती है, क्योंकि मां के चरण काशी में विराजमान है और शीश उज्जैन में. इसलिए जितना महत्व काशी और उज्जैन का है उतना ही महत्व इस तरावली मंदिर का भी है. तीनों ही स्थानों पर मां हरसिद्धि की प्रतिमा स्थापित है और तीनों ही स्थानों का इतिहास एक समय का ही है. यहां पर आज भी मां के दरबार में मां के आरती खप्पर से की जाती है और यह परंपरा वर्षों से चली आ रही है. इस मंदिर में दूर-दूर से श्रद्धालु आते हैं और अपनी मन्नते मानते हैं. उनका मानना है कि यहां पर मां उनकी हर मन्नत पूरी करती हैं।

तीन जगहों पर है मां के तीन हिस्से-तरावली के मंहत मोहन गिरी के अनुसार सालों पूर्व जब राजा विक्रमादित्य उज्जैन के शासक हुआ करते थे. उस समय विक्रमादित्य काशी गए थे. यहां पर उन्होंनें मां की आराधना कर उन्हें उज्जैन चलने के लिए तैयार किया था. इस पर मां ने कहा था कि एक तो वह उनके चरणों को यहां पर छोड़कर चलेंगी. जैसे ही सुबह होगी मां जहां होंगी वहीं विराजमान हो जाएंगी. इसी दौरान जब वह काशी से चले तो तरावली स्थित जंगल में सुबह हो गई.

इससे मां शर्त के अनुसार तरावली में ही विराजमान हो गई. इसके बाद विक्रमादित्य ने लंबे समय तक तरावली में मां की आराधना की. फिर से जब मां प्रसन्न हुई तो वह केवल शीश को साथ चलने पर तैयार हुई. इससे मां के चरण काशी में है, धड़ तरावली में है और शीश उज्जैन में है।

क्या है उल्टे फेरे लगाने की मान्यता

मंदिर के महंत मोहन गिरी ने बताया कि तरावली स्थित मां हरसिद्धि के मंदिर में सामान्य रूप से श्रद्धालु माता के दर्शन करने के लिए आते हैं और सीधी परिक्रम लगाते है और जो श्रद्धालु मां से कुछ खास मन्नत मांगते हैं, वे उल्टी परिक्रमा करते हैं. जब इनकी मन्नत पूरी हो जाती है, तो श्रद्धालु माता का शुक्रिया अदा करने पहुंचते हैं और सीधी परिक्रमा करते हैं।

नक्सल अभियान में सुरक्षाबलों को सुकमा में फिर मिली बड़ी सफलता

मुठभेड़ में 25 लाख के इनामी बुधरा सहित 17 नक्सली ढेर

सुकमा ■ एजेंसी

छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले के गोगुंडा की पहाड़ी पर सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने 25 लाख के इनामी जगदीश उर्फ बुधरा सहित 17 नक्सलियों को ढेर कर दिया है। इनमें 11 महिला नक्सली भी शामिल हैं। मारे गए नक्सलियों में से सात की पहचान हो गई है। मुठभेड़ में डीआरजी सुकमा के तीन और सीआरपीएफ के एक जवान सहित कुल 04 घायल हुए हैं द्य इन घायल जवानों की हालत सामान्य है और खतरे से बाहर बताई गई है द्य

पुलिस महानिरीक्षक बस्तर रेंज सुन्दरराज पी., डीआईजी दंतेवाड़ा रेंज कमलोचन, पुलिस अधीक्षक सुकमा किरण चव्हाण, डीआईजी सीआरपीएफ आनंद सिंह और अन्य अधिकारियों ने संयुक्त रूप से जानकारी दी कि मुठभेड़ स्थल से भारी मात्रा में हथियार और गोला बारूद के साथ 11 महिला नक्सलियों सहित कुल 17 नक्सलियों के शव बरामद हुए हैं द्य अधिकारियों ने बताया कि प्रारम्भिक तौर पर अब तक 07 नक्सलियों की पहचान हुई है द्य जिनमें 25 लाख का इनामी दरभा डिवीजन सचिव कुहड़ामी जगदीश उर्फ़ बुधरा निवासी पाउरगुडेम थाना पामेड़, एसीएम रोशन उर्फ भीमा पोडियम निवासी धुरगुड़ा थाना केरलापाल, केरलापाल एरिया कमेटी डीएकेएएमएस अध्यक्ष (एसीएम) सलवम जोगी निवासी गगनपल्ली थाना एर्राबोर, डिवीजन सीएनएमअध्यक्ष (एसीएम) माड़वी देवे गड़गडीपारा थाना गादीरास, सुरक्षा दलम कमांडर (एसीएम) दसरी कोवासी निवासी कुतरोम थाना दरभा, पार्टी सदस्या हूँगी निलावाया थाना अरनपुर ,प्लाटून मेडिकल टीम प्रभारी(पीएम)हिड़मे कोरमागोंदी थाना कुकानार शामिल हैं। मुठभेड़ में मारे गए अन्य माओवादियों के शव की शिनाख्तगी की कोशिश जारी है।

पुलिस अधीक्षक सुकमा किरण चव्हाण ने बताया कि 28 मार्च को जिला सुकमा के थाना केरलापाल क्षेत्रान्तर्गत गोगुंडा, नेन्डुम ,उपमपल्ली आसपास के क्षेत्र में माओवादियों की उपस्थिति की सूचना पर डीआरजी सुकमा और सीआरपीएफ की संयुक्त पार्टी नक्सल विरोधी अभियान पर रवाना हुई थी। अभियान के दौरान आज सुबह 08 बजे से माओवादियों और सुरक्षाबलों के बीच लगातार फायरिंग हुई, जिसमें उक्त 17 नक्सली मारे गए। अधिकारियों ने बताया कि मुठभेड़ में मारा गया स्पेशल जोनल कमेटी का सदस्य 25 लाख का इनामी जगदीश उर्फ़ बुधरा दरभा डिवीजन का इंचार्ज था और झीरम हत्याकांड में सम्मिलित था। वह वर्ष 2023 में जिला सुकमा के अरणपुर में डीआरजी के जवानों की हत्या की वारदात में भी शामिल था। मारे गये 17 नक्सलियों के शव के साथ एके 47,एसएलआर, इंसास रायफल, .303 रायफल, रॉकेट लांचर, बीजीएल लांचर सहित विस्फोटक व अन्य नक्सल सामग्री बरामद हुआ है।

मुठभेड़ में एक माओवादी ढेर

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले बासागुड़ा थाना क्षेत्रान्तर्गत टेकमेटा, नरसापुर के जंगल में आज शनिवार को पुलिस और माओवादियों की बीच मुठभेड़ हुई। इस मुठभेड़ में एक माओवादी ढेर हो गया। सुरक्षाबलों ने मौके से हथियार समेत विस्फोटक पदार्थ बरामद किया है। एसपी डॉ जितेंद्र यादव ने बताया कि डीआरजी बीजापुर और कोबरा बटालियन की संयुक्त टीम माओवादी विरोधी अभियान पर नरसापुर टेकामेटला की ओर निकली थी। जंगल में माओवादियों के बीच सुरक्षाबलों की मुठभेड़ हो गई।

सीएम ने नववर्ष की शुभकामनाएं देते हुए कहा

प्रदेश में धूमधाम से मनाया जाएगा गुड़ी पड़वा पर्व

भोपाल ■ प्रतिनिधि

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेशवासियों को नवसंवत्सर , चैत्र नवरात्र, गुड़ी पड़वा और चेटीचंड की बधाई और मंगलकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारतीय नव वर्ष विक्रम संवत से प्रारंभ होता है। अंग्रेजी कैलेंडर के प्रचलन के बाद भी हमारी संस्कृति से जुड़े नव संवत्सर, गुड़ी पड़वा पर्व, चेटीचंड के त्योहार और चैत्र नवरात्र का अपना महत्व है। भारतीय समाज का बहुत बड़ा हिस्सा इन मंगल पर्वों को उल्लासपूर्वक मनाता है।

इस वर्ष 30 मार्च 2025 से हिन्दू नववर्ष विक्रम संवत् 2082 की शुरुआत हो रही है। गुड़ी पड़वा के दिन ही हिन्दू नववर्ष का प्रारंभ होता है, जिसे चैत्र मास की शुक्ल प्रतिपदा के रूप में मनाया जाता है। विक्रम संवत् की शुरुआत 57 ई.पू. में उज्जयनी नरेश महाराज विक्रमादित्य द्वारा विदेशी शकों के खिलाफ विजय प्राप्त करने के साथ हुई थी। उन्होंने भारतीय भूमि की रक्षा की और काल गणना का सूत्रपात किया, जिसे विक्रमी संवत् के रूप में जाना गया। प्रदेश में गुड़ी पड़वा का पर्व धूमधाम से मनाया जाएगा। प्रदेश में मंत्री अलग-अलग स्थानों पर सांसद और विधायकों के साथ वर्ष का पहला दिन धूमधाम से मनाएंगे।

गुड़ी पड़वा को 'विजय पताका' के रूप में मनाया जाता है। यह दिन मराठी राजा शालिवाहन द्वारा शकों को पराजित करने की विजय का प्रतीक है। इस दिन को गुढी पाडवा या मराठी नववर्ष के रूप में मनाने की परंपरा है। आंध्र प्रदेश और कर्नाटका में इसे उगादि के रूप में मनाया जाता है। इस दिन भगवान श्रीराम के बाली के अत्याचारों से मुक्ति दिलाने के कारण भी यह विशेष महत्व रखता है। मुख्यमंत्री ने विक्रम संवत् के वैज्ञानिक और धार्मिक महत्व को रेखांकित करते हुए बताया कि यह संवत् भारत की सांस्कृतिक धरोहर और राष्ट्रीय स्वाभिमान का प्रतीक है। विक्रम संवत् के अनुसार सभी धार्मिक त्यौहार और अनुष्ठान मनाए जाते हैं। इस दिन विशेष रूप से पच्चड़ी/प्रसादम, पूरन पोली जैसी विशेष पकवानों की तैयारी की जाती है। विक्रम संवत् हमारे समाज और संस्कृति की पहचान है, जो एक अत्यंत प्राचीन और वैज्ञानिक प्रणाली पर आधारित है।

सीएम आज उज्जैन से करेंगे जल गंगा संवर्धन अभियान का शुभारंभ

प्रदेश में वर्षा जल की बूंद-बूंद बचाने का 'जल गंगा संवर्धन' महा अभियान आज से शुरू होने जा रहा है। सीएम बाबा महाकाल की नगरी उज्जैन स्थित क्षिप्रा तट पर वरुण (जल देवता) पूजन और जलाभिषेक के साथ 'जल गंगा संवर्धन अभियान' का विधिवत शुभारंभ करेंगे। यह प्रदेशव्यापी अभियान ग्रीष्म ऋतु में 30 जून तक 90 दिन से अधिक समय तक लगातार चलेगा।

महिला कर्मचारियों की शिकायत पर आयुक्त ने एसडीएम को किया सस्पेंड

नर्मदापुरम ■ प्रतिनिधि

नर्मदापुरम जिले के सोहागपुर के एसडीएम असवन राम चिरामन को कमिश्नर केजी तिवारी ने सस्पेंड कर दिया है। हालांकि ये कार्रवाई किस आधार पर की गई है, ये स्पष्ट नहीं किया गया है। न ही इसका आदेश सामने आया है। बताया जा रहा है कि शुक्रवार रात में ये कार्रवाई की गई है।

कमिश्नर केजी तिवारी के अनुसार कुछ ऐसी चीजें सामने आई हैं जिन्हें आप भी पसंद नहीं करोगे। ऐसी बातें हैं जो सभ्य समाज पसंद नहीं करेगा। उन्होंने बताया कि कलेक्टर की जांच रिपोर्ट आई थी। जिसके बाद उन्हें हटा दिया। अभी जांच चलेगी।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार एसडीएम चिरामन के खिलाफ कुछ महिला कर्मचारियों ने कलेक्टर को शिकायत की थी। इस पर कलेक्टर ने 22 मार्च को उन्हें कलेक्ट्रेट में अटैच कर दिया था, लेकिन कलेक्टर के इस आदेश पर 25 मार्च को कोर्ट से स्टे लेकर आ गए थे। हालांकि, इस दौरान प्रशासन ने जांच जारी रखी थी।

एसडीएम चिरामन ने सभी आरोपों को झूठा बताया है। उनका कहना है कि कुछ अधिकारी और कर्मचारी उनके खिलाफ साजिश कर रहे हैं। फिलहाल असवान राम चिरामन को जिला मुख्यालय अटैच कर दिया गया है। उनकी जगह डिप्टी कलेक्टर अनिल जैन को सोहागपुर एसडीएम नियुक्त किया गया है। चिरावन पहले सिंगरौली में एसडीएम रहते महिला से जूते की लेस बंधवाकर चर्चा में आए थे। तब सीएम ने उन्हें हटा दिया था।

पीएम मोदी आज देश के पहले वर्टिकल लिफ्ट पंबन रेलवे ब्रिज का उद्घाटन करेंगे

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 6 अप्रैल को रामनवमी के अवसर पर देश के पहले वर्टिकल लिफ्ट पंबन रेलवे ब्रिज का उद्घाटन करेंगे। यह वर्टिकल लिफ्ट रेलवे सी ब्रिज समुद्र के ऊपर से गुजरते हुए रामेश्वरम द्वीप को तमिलनाडु के मंडपम से जोड़ता है। यह पुल केवल दो स्थानों को जोड़ने का माध्यम ही नहीं, बल्कि नई तकनीक, आत्मनिर्भर भारत और तेज गति परिवहन का प्रतीक है। रेल मंत्रालय ने शनिवार को एक बयान में कहा कि तमिलनाडु के विशाल नीले समंदर पर निर्मित 2.08 किलोमीटर लम्बा ये ब्रिज पुराने पंबन ब्रिज से 3 मीटर अधिक ऊंचा है, ताकि छोटे जहाज आसानी से इसके नीचे से होकर गुजर सकें।

योगी सरकार का बड़ा और सख्त फैसला

धार्मिक स्थलों के पास अवैध बूचड़खानों और मांस विक्रय करने पर लगा प्रतिबंध

लखनऊ ■ एजेंसी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार ने अवैध बूचड़खानों को बंद करने और धार्मिक स्थलों के 500 मीटर के दायरे में मांस की बिक्री पर प्रतिबंध लगाने का सख्त आदेश जारी किया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के समीक्षा बैठक करने के बाद नगर विकास विभाग के प्रमुख सचिव अमृत अभिजात ने सभी जिलाधिकारियों, पुलिस आयुक्तों और नगर आयुक्तों को बूचड़खानों को तत्काल बंद करने और धार्मिक स्थलों के पास मांस बिक्री पर प्रतिबंध लागू करने के निर्देश दिए हैं।

पुराने आदेशों की पुनर्बहाली-2014 और 2017 में जारी आदेशों का हवाला देते हुए योगी सरकार ने स्पष्ट किया है कि अवैध पशु वध और धार्मिक स्थलों के पास मांस बिक्री पूरी तरह प्रतिबंधित होगी। इस फैसले को प्रभावी बनाने के लिए जिलाधिकारियों की अध्यक्षता में जिला स्तरीय समितियों का गठन किया गया है। इनमें पुलिस, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, पशुपालन विभाग, परिवहन विभाग, श्रम विभाग, स्वास्थ्य विभाग और खाद्य सुरक्षा प्रशासन के अधिकारी शामिल होंगे। राम नवमी पर विशेष निगरानी-6 अप्रैल 2025 को राम नवमी के दिन विशेष प्रतिबंध लागू होगा।

आजीविका मिशन से दूर होगी लोगों की गरीबी, आय बढ़ेगी और हर आदमी बन जाएगा आत्मनिर्भर: शिवराज

आजीविका मिशन से प्रत्येक नागरिक का गरीबी मुक्त गांव का सपना होगा साकार

भैरूंदा ■ प्रतिनिधि

केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का एक सपना और संकल्प है- गरीबी मुक्त गाँव बनाना और गरीबी मुक्त गाँव का मतलब है कोई भी बिना रोजगार के न रहे, कोई न कोई काम करें। गांव का हर आदमी और हर बहन अगर आजीविका मिशन से जुड़ते हैं तो उनकी गरीबी दूर होगी, उनकी आय बढ़ेगी और वह आत्मनिर्भर बनेंगे। ऐसे ही गरीबी मुक्त गांव का सपना भी साकार होगा। वे शनिवार को सीहोर जिले के भैरूंदा में हितग्राही सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे।

केन्द्रीय कृषि मंत्री चौहान ने कहा कि गांव के हर आदमी को आजीविका मिशन से जोड़ा जाएगा। अब तक तीन करोड़ लखपति दीदी बनाई गई हैं। इसी तरह गांव की कोई भी बहन आजीविका मिशन से जुड़े बिना नहीं रहें। उन्होंने कहा कि स्ट्रीट वेंडर योजना हो, कौशल विकास योजना हो उन सभी योजनाओं के माध्यम से हर गाँव में सर्वे करके किस योजना से किसे लाभ मिल सकता है, उसे लाभ देने की कोशिश होगी, ताकि कोई बिना काम के न रहे। आजीविका मिशन से जुड़ जाए तो जिंदगी और सुंदर बन जाए। लोगों की जिंदगी बदलने के लिए दिन-रात परिश्रम की पराकाष्ठा कर रहे हैं। केन्द्रीय कृषि मंत्री ने प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के अंतर्गत हितग्राहियों को स्वीकृति पत्र वितरित किए। साथ ही उन्होंने 74 करोड़ 58 लाख से ज्यादा की लागत के विकास कार्यों का लोकार्पण किया। कार्यक्रम से पहले उन्होंने दुर्गा चौक से कार्यक्रम स्थल तक रोड शो कर आम जनता का अभिवादन भी किया।

देश में एक साथ होने चाहिए लोकसभा और विधानसभा चुनाव-

केन्द्रीय मंत्री चौहान ने कहा कि पांचों साल, 12 महीने होने वाले चुनाव हमारे देश की प्रगति और विकास में बाधा है। पिछले साल नवंबर-दिसंबर में मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में विधानसभा चुनाव खत्म नहीं हुए कि उसके चार माह बाद देश में लोकसभा चुनाव शुरू हो गए। लोकसभा चुनाव खत्म हुए नहीं कि हरियाणा, जम्मू-कश्मीर, महाराष्ट्र, झारखंड में चुनाव शुरू हो गए, ये चुनाव हुए नहीं कि दिल्ली का दंगल शुरू हो गया और अब सभी राजनैतिक दल और नेता बिहार चुनाव की तैयारियों में जुट गए हैं।

संक्षिप्त समाचार

दादाजी धाम मंदिर में आज चैत्र नवरात्रि पर्व शुरु

भोपाल। दादाजी धाम मंदिर में आज से चैत्र नवरात्रि पर्व पर माता रानी का विशेष श्रृंगार 9 दिन तक किया जाएगा। भक्तों द्वारा सैकड़ो की संख्या में अखंड दीप प्रज्वलित किए जाएंगे। माता रानी का विधि विधान से 9 दिन पूजन किया जाएगा। गुड़ी पड़वा भगवान झूलेलाल जी की जयंती एवं नववर्ष के उपलक्ष में महाप्रसादी का भोग लगाया जाएगा। माता रानी के भजन भक्तों द्वारा किये जाएंगे। आरती के पश्चात प्रसाद वितरण किया जाएगा। इस अवसर पर आप सभी भक्त लोग उपस्थित होकर पुण्य लाभ प्राप्त करें।

जीआरपी आरक्षक को बहादुरी का तोहफा

भोपाल। अशोक नगर रेलवे स्टेशन पर एक बालिका की जान बचाने वाले जीआरपी जवान को मध्य प्रदेश पुलिस के मुखिया कैलाश मकवाना ने 10 हजार रुपए का इनाम दिया है। साथ ही उसके बहादुरी की भी जमकर तारीफ की है। बता दें कि हाल ही में अशोक नगर रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर1 में एक लडक़ी चलती ट्रेन में चढऩे का प्रयास कर रही थी, तभी अचानक उसका पैर फिसल गया। वह प्लेटफॉर्म के बीच में बने गैप में जा रही थी। इसी दौरान रेलवे जवान गोविंद सिंह चौहान ने देवदूत बनकर समय रहते उसे खींचकर बाहर किया। जिससे लडक़ी की जान बच पाई। यह घटना स्टेशन पर लगे सीसीटीवी कैमरे में भी कैद हो गई। जानकारी के मुताबिक बीना कोटा मेमू ट्रेन पर चढ़ते समय यह हादसा हुआ। आरक्षक गोविंद सिंह ने दौड़ कर बच्ची को बहार खींचा। बताया जा रहा है कि बीना से कोटा जा रही बालिका अशोकनगर स्टेशन पर पानी लेने उतरी थी। तभी अचानक ट्रेन चल पड़ी। इस दौरान बच्ची ने चलती ट्रेन पर चढऩे की कोशिश की। लेकिन उसका पैर फिसल गया।

बीयू में पीएचडी प्रवेश 2024-25 की प्रक्रिया शुरू

भोपाल। मध्य प्रदेश की प्रतिष्ठित शिक्षण संस्था बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय (बीयू), भोपाल ने अकादमिक सत्र 2024-2025 के लिए पीएचडी प्रवेश प्रक्रिया की औपचारिक घोषणा कर दी है। विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, इस वर्ष 37 विभिन्न विषयों में कुल 2379 सीटों पर शोधार्थियों का चयन किया जाएगा। यूजीसी नेट/सीएसआईआर नेट या वैध जेआरएफ स्कोर कार्ड धारक उम्मीदवार 5 अप्रैल से शुरू हो रहे ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया में भाग ले सकेंगे। विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार द्वारा जारी इस सूचना में स्पष्ट किया गया है कि आवेदन की अंतिम तिथि 25 अप्रैल 2025 निर्धारित की गई है, हालांकि विलंब शुल्क के साथ आवेदन 30 अप्रैल तक किए जा सकेंगे। शैक्षणिक सत्र 2024-25 के लिए यह प्रवेश प्रक्रिया विश्वविद्यालय के अध्यादेश-11 और यूजीसी विनियमन 2022 के तहत संचालित की जाएगी।

फिर पकड़ी गई नर्सिंग कॉलेजों की जालसाजी

भोपाल। मध्यप्रदेश के बहुचर्चित नर्सिंग कॉलेज फर्जीवाड़ा मामले में हाईकोर्ट में सुनवाई में कॉलेजों की जालसाजी फिर पकड़ी गई। छात्र हित में हाईकोर्ट के फैसले की आड़ में फिर जालसाजी कर दी। जांच के दौरान पहले अपात्र नर्सिंग कॉलेजों ने छात्रों के प्रवेश से इंकार कर दिया था, अब उन्हीं अपात्र कॉलेजों ने बैक डेट में छात्रों का एडमिशन दिखा दिया। हाईकोर्ट ने ऐसे अपात्र कॉलेज के छात्रों को परीक्षा प्रवेश नहीं देने के निर्देश दिए हैं। इसके पहले हाईकोर्ट ने छात्र हित में सभी कॉलेज के छात्रों को परीक्षा में बैठने के आदेश दिए थे। हाईकोर्ट के छात्रहित के आदेश की आड़ में दोबारा फर्जीवाड़े की कोशिश की गई है।

हाथी पर सवार होकर आएंगी मां दुर्गा

शक्ति की आराधना का पर्व चैत्र नवरात्र आज से शुरू, तीन शुभ योग का संयोग

भोपाल ■ निसं

शक्ति की आराधना का पर्व चैत्र नवरात्रि रविवार से प्रारंभ हो रहा है। इस साल मां दुर्गा का आगमन हाथी पर होगा, जो एक शुभ संकेत माना जाता है। शहर और जिले के सभी देवी मंदिरों में विशेष तैयारियां की जा रही हैं। नौ दिनों तक श्रद्धालु मां की भक्ति में लीन रहेंगे। वहीं हिंदू संगठनों ने नव वर्ष के लिए विशेष कार्यक्रम तैयार किए हैं। सनातन धर्म के अनुयायियों से अपने अपने घरों में धर्म ध्वज फहराने, बंधनवार लगाने और शाम को पांच दीप जलाने का आग्रह किया गया है। साथ ही सभी मंदिरों में महा आरती का आयोजन होगा।

पंडित राजेंद्र शास्त्री के अनुसार, इस बार नवरात्रि कई शुभ योगों में प्रारंभ हो रही है। पहले दिन सर्वार्थ सिद्धि योग शाम 4ः35 से अगले दिन सुबह 6ः12 तक रहेगा। साथ ही इंद्र योग और रेवती नक्षत्र का संयोग भी है। नवरात्रि के दौरान चार दिन रवियोग और तीन दिन सर्वार्थसिद्धि योग रहेगा। इन योगों में किए गए कार्य सफल होंगे।

इस बार 9 दिन की बजाय 8 दिन रहेगा व्रतः मां शक्ति की भक्ति के पर्व चैत्र नवरात्रि में चतुर्थी और पंचमी तिथि एक ही दिन होने से इस बार नवरात्रि 9 दिन की बजाय 8 दिन की होगी। नवरात्रि के दिन मां शक्ति की उपासना के लिए बेहद खास होते हैं। इसलिए सर्वार्थ सिद्धि योग में मां दुर्गा के 9 रूपों की आराधना की जाएगी। दरअसल, सनातन धर्म में नवरात्रि पर्व का विशेष महत्व है।पं. चंदन श्यामनारायण व्यास ने बताया कि सालभर में दो गुप्त नवरात्रि, चैत्र और शारदीय नवरात्रि सहित चार नवरात्रि मनाई जाती हैं। माघ और आषाढ़ माह में गुप्त नवरात्रि आती है। इसमें मनोकामनाओं की पूर्ति के लिए 10 महाविद्याओं की पूजा की जाती है, जबकि चैत्र माह की नवरात्रि को चैत्र नवरात्रि एवं आश्विन माह में आने वाली नवरात्रि को शारदीय नवरात्रि कहा जाता है। इस दौरान मां दुर्गा के 9 अलग-अलग स्वरूपों की पूजा की जाती है।

2 अप्रैल को चतुर्थी-पंचमी

चैत्र शुक्ल प्रतिपदा 30 मार्च को घटस्थापना के साथ नवरात्रि महापर्व की शुरुआत होगी। पहले दिन मां शैलपुत्री की पूजा की जाएगी। पंचांग के अनुसार इस बार नवरात्रि 9 की बजाय 8 दिन की होगी। 2 अप्रैल को चतुर्थी और पंचमी तिथि एक ही दिन होने से ऐसा होगा। इधर, नवरात्रि पर्व को देखते हुए शहर के विभिन्न दैवीय मंदिरों में साफ-सफाई और रंगरोगन सहित अन्य तैयारियां शुरू हो गई हैं।

मंदिरों में होंगे धार्मिक अनुष्ठान

चैत्र नवरात्रि के दौरान घटस्थापना के साथ ही शहर के सभी दैवीय मंदिरों में हवन, यज्ञ के साथ विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान होंगे। मां के दर्शन के लिए भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर पहुंचेंगे। इसके अलावा उपवास रखकर मां की आराधना की जाएगी। रामनवमी पर जगह-जगह कन्याभोज के आयोजन किए जाएंगे।

अर्घ्य देकर करेंगे हिंदू नववर्ष का स्वागत

30 मार्च से ही हिंदू नववर्ष की शुरुआत होगी। सुबह सूर्य को अर्घ्य देकर शंख ध्वनि के बीच नए साल का स्वागत किया जाएगा। साथ ही महाराष्ट्रीय समाज का प्रमुख पर्व गुड़ीपड़वा भी मनाया जाएगा। इस दिन महाराष्ट्रीयन परिवारों में सुबह गुड़ी सजाकर उसकी पूजा की जाएगी और पूरनपोली, श्रीखंड-पूरी सहित अन्य व्यंजन बनाए जाएंगे।

भोपाल मेट्रो के स्टील ब्रिज की लोड टेस्टिंग

भोपाल। भोपाल के हबीबगंज रेलवे क्रॉसिंग पर बने मेट्रो के स्टील ब्रिज की लोड टेस्टिंग शुरू हो गई है। शुक्रवार रात को रेत से भरी बोरियों से लदी 2 मेट्रो ट्रेन ब्रिज के ऊपर खड़ी कर दी गई। इन बोरियों में 1800 पैसेंजर जितना वजन है। एक्सपर्ट के मुताबिक, ये ब्रिज के हेल्थ चेकअप जैसा ही है। शनिवार को दिनभर मेट्रो ब्रिज के ऊपर ही खड़ी रहेगी। इस स्ट्रील ब्रिज को 600 मीट्रिक टन भार सहने लायक बनाया गया है। बीते दिनों इसकी लोड टेस्टिंग हो गई थी, जबकि दूसरी टेस्टिंग शुक्रवार से शुरू हुई। शाम को रेत से भरी बोरियों से तीन कोच की 2 मेट्रो ट्रेन लाद दी गई। इसके बाद यह धीरे-धीरे स्टीज ब्रिज तक लाई गई। फिर इसे खड़ा कर दिया गया। शनिवार को देखा जाएगा कि 65 मीटर लंबे ब्रिज पर 24 घंटे में क्या बदलाव आए? यह ब्रिज की फाइनल टेस्टिंग है।

ऐसे ब्रिज की लोड टेस्टिंग: मेट्रो में 3 कोच है। एक कोच की कैपेसिटी 300 पैसेंजर की है। यानी, 50 पैसेंजर बैठ सकते हैं और ढाई सौ खड़े हो सकते हैं। यदि एक पैसेंजर का वजह औसत 60 किलो भी मान लें तो 600 मीट्रिक टन भार होता है। इसका भी डेढ़ गुना यानी, 900 मीट्रिक टन रेत की बोरियां कोच में रखी गई है। ताकि, 90 किमी प्रतिघंटा की स्पीड में ट्रायल रन किया जा सके। ऐसा ही दूसरी ट्रेन के लिए भी किया गया है।

इंजीनियर देखेंगे रिपोर्ट: ट्रेन को ब्रिज के ऊपर खड़ा कर दिया है। इससे ब्रिज की लोड टेस्टिंग हो रही है। इंजीनियर ब्रिज की हेल्थ रिपोर्ट देखेंगे। यानी, यह देखा जाएगा कि ब्रिज ट्रेन और पैसेंजर की वजन सहने लायक है या नहीं?

मंदार एंड नो मोर फाउंडेशन संकल्प कार्यक्रम संपन्न

अपना दुख छोड़कर दूसरो के सुख की सेवा करने वाले बिरले ही होते है

भोपाल ■ निसं

आज करियर कॉलेज में आयोजित मंदार एंड नो मोर फाउंडेशन संकल्प दिवस कार्यक्रम में गणमान्य अतिथियों और प्रतिभागियों ने डूबने की समस्या की गंभीरता को रेखांकित किया। मुख्य अतिथि लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री ने एमएएनएम टीम के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि अपने दुख को छोड़कर दूसरो के सुख की सेवा करने वाले बिरले होते हे मंदार एंड नो मोर फाउंडेशन की सराहना करते हुवे कहा कि सरकार और समाज को मिलकर डूबने से मरने इस चुनौती का समाधान खोजना होगा। विशिष्ट अतिथि प्रो. अमिताभ सक्सेना ने सुरक्षा व्यवहार को जीवन में आत्मसात करने और दूसरों की सुरक्षा का ध्यान रखने पर जोर दिया।

मेज़बान संस्था करियर कॉलेज के अध्यक्ष मनीष राजोरिया ने घोषणा की कि कॉलेज के छात्र व संकाय एम-ए-एन-एम के साथ नियमित कार्यक्रम करेंगे। साथ ही, उनके अत्याधुनिक स्टूडियो को उपलब्ध कराया जाएगा, ताकि सुरक्षा से संबंधित ऑडियो-वीडियो कंटेंट तैयार किया जा सके। पूर्व डीजीपी एस. के. राउत ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि सुरक्षा को गंभीरता से लेना सभी की जिम्मेदारी है।

फाउण्डेशन के निदेशक विश्वास घुषे ने सभी का आभार प्रकट

करते हुए कहा कि एक दशक के अथक प्रयासों के बाद अब अगला दशक युवाओं और नए संगठनों के साथ संस्था को और विस्तार देने वाला होगा। डॉ. अभिजीत देशमुख ने घोषणा की कि वे संस्था के साथ मिलकर मध्य प्रदेश में 5000 से अधिक व्यक्तियों को फर्स्ट एड और सीपीआर का प्रशिक्षण देंगे।

कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों के 250 से अधिक प्रतिभागियों, विशेषकर छात्रों ने हिस्सा लिया और डूबने की रोकथाम के लिए संकल्प लिया। इस अवसर पर रोटरी क्लब ईस्ट भोपाल के अध्यक्ष मनोज झा, बी.एम.ए. के जी. के. छिब्बर, कंपनी सेक्रेटरी पी के राय, वरिष्ठ एडवोकेट विलास बुचके सहित भोपाल की कई प्रमुख हस्तियां भी उपस्थित रहीं।

स्कूल शिक्षा विभाग के प्रमुख सचिव हाईकोर्ट तलब

भोपाल। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट की ग्वालियर खंडपीठ में अवमानना याचिका पर सुनवाई हुई। जहां स्कूल शिक्षा विभाग के प्रमुख सचिव डॉ संजय गोयल को पांच हजार रुपये के जमानती वारंट से तलब किया गया है। मामला निकायाधीन शब्द के उपयोग से जुड़ा हुआ है। याचिकाकर्ता कमलेश हायर सेकेंडरी स्कूल की ओर से कोर्ट को बताया गया कि वह शासन अधीन विद्यालय है। लेकिन स्कूल शिक्षा विभाग उन्हें निकायाधीन बताता है। निकायाधीन शब्द अस्तित्व में नहीं है, इस शब्द को डिलीट कर शासन अधीन कर दिया गया है। इसके बाद भी विभाग निकायाधीन शब्द का उपयोग कर रहा है। पूर्व में हुई सुनवाई में हाई कोर्ट ने शासन से निकायाधीन शब्द का अर्थ पूछा था। दो सुनवाई बाद भी शासन इसका अर्थ नहीं बता सकी। बल्कि शासन की ओर से याचिका को खारिज करने की मांग की गई।

मप्र में 1 अप्रैल को बारिश का अलर्ट

प्रदेश में वेस्टर्न डिस्टरबेंस से तापमान में आई गिरावट

भोपाल ■ निसं

मध्य प्रदेश में वेस्टर्न डिस्टरबेंस की वजह से आ रही तेज हवाओं से प्रदेश के तापमान में गिरावट हुई है। मौसम विभाग का अनुमान है कि रविवार को भी तापमान में कुछ गिरावट हो सकती है। इससे पहले शनिवार को थोड़ी ठंडक देखने को मिली। इससे पारा लुढक़ गया। मौसम विभाग ने एक अप्रैल को भोपाल, इंदौर, नर्मदापुरम और जबलपुर संभाग के 13 जिलों में मौसम के बदलने का अनुमान जताया है। इस दौरान हल्की बारिश हो सकती है। मौसम विभाग के अनुसार अभी अफगानिस्तान के ऊपर सिस्टम एक्टिव है, जो आगे बढ़ रहा है। पश्चिमी भारत में सिस्टम असर दिखा सकता है। हालांकि, इससे पहले प्रदेश में गर्मी का असर देखने को मिलेगा।

प्रदेश के कई शहरों में साढ़े चार डिग्री तक तापमान में गिरावट आई है। सबसे ज्यादा गिरावट ग्वालियर में देखी गई यहां का अधिकतम तापमान 35 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जबकि एक दिन पहले यहां 39. 5 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया था। इसी प्रकार गुना में अधिकतम तापमान 35.5 डिग्री दर्ज किया गया जबकि एक दिन पहले यहां का अधिकतम तापमान 40.2 डिग्री दर्ज किया गया था। राजधानी भोपाल में भी 3.8 डिग्री तापमान में गिरावट आई है, यहां का अधिकतम तापमान 34.9 डिग्री दर्ज किया गया।

अप्रैल में चलेगी लू

अप्रैल में लू का असर रह सकता है। मालवा-निमाड़ यानी, इंदौर और उज्जैन संभाग के जिलों में लू का असर रहने की संभावना ज्यादा है। जिनमें रतलाम, उज्जैन, खरगोन, खंडवा, धार आदि शामिल हैं। मौसम विभाग के अनुसार, सामान्यत-दिन का तापमान 40 डिग्री से अधिक या सामान्य से 4.6 डिग्री तक अधिक हो तो हीट वेव यानी लू की स्थिति मानी जाती है।

सिद्धार्थ लेक सिटी जिनालय में मूलनायक भगवान मुनिसुव्रतनाथ का स्वर्ण कलशों से महा मस्तकाभिषेक

भोपाल ■ निसं

मुनिसुव्रतनाथ जैन मंदिर, सिद्धार्थ लेक सिटी में श्रद्धा भक्ति के साथ भोपाल के बड़े बाबा के नाम से प्रख्यात भगवान मुनिसुव्रतनाथ का स्वर्ण कलशों से महामस्तकाभिषेक, एवं विशेष पूजा अर्चना की गई। प्रवक्ता अंशुल जैन ने बताया अविनाश भैया के निर्देशन में विधि विधान से अनुष्ठान हुए। संगीत में स्वर लहरियों के साथ बड़े बाबा के जयकारे प्रभु भक्ति में भजन गाए गए। मन्दिर समिति के अध्यक्ष पंकज जैन एवं अन्य पदाधिकारियों ने पुण्य अर्जक परिवार एवं समाज की प्रतिभाओं का सम्मान किया । जिनालय में आरती के साथ जैन दर्शन सिद्धान्त को प्रति पादित करते

हुए सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति हुई। इस अवसर पर जस्टिस अभय गोहिल, डॉ प्रशांत जैन सेज, अध्यक्ष पंकज जैन गेरतगंज, राजेंद्र सेठी, महामंत्री आदित्य जैन, कोषाध्यक्ष अनिल जैन, प्रदीप दानी, उपाध्यक्ष मनीष विजयराज, राजेश नायक, सह कोषाध्यक्ष मनोज जैन के साथ सभी कार्यकारिणी सदस्य - एसपी जैन, डीके जैन, रत्नेश जैन, वरुण जैन, अभि सिंघई, संजीव घड़ी आदि मौजूद थे।

निशुल्क स्वास्थ्य शिविर भी लगा: अपोलो सेज हॉस्पिटल के तत्वाधान में निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन भी किया जा रहा है, जिसमें स्वास्थ्य परीक्षण निशुल्क जांचे हुई।

शिविर में डॉ राहुल जैन. (एम एस) - स्पाइन एवं न्यूरोसर्जन (ब्रेन टयूमर सर्जरी के स्पेशलिस्ट) डॉ मयंक शर्मा (एम एस) - ऑर्थोपेडिक एवं ज्वाइंट रिप्लेसमेंट, डॉ प्रीति भदोरिया - गाइनेकोलॉजिस्ट डॉ ऋचा जैन - डेंटिस्ट , डॉ अर्पिता अग्रवाल / डॉ सिद्धार्थ मलैया - आइज स्पेशलिस्ट, डॉ आर.के. चौधरी - जनरल फिजिशियन ने अपनी सेवाएं दी।

कांग्रेस पार्षदों ने महापौर परिषद को पत्र लिखकर की मांग

नगर निगम बजट बैठक की अवधि दो दिन की हो

भोपाल ■ निसं

भोपाल नगर निगम की बजट बैठक 3 अप्रैल को आयोजित की जाएगी। इससे पहले कांग्रेस पार्षदों ने महापौर परिषद को पत्र लिखकर बैठक की अवधि एक दिन से बढ़ाकर दो दिन करने की मांग की है। साथ ही, जनहित से जुड़े अहम मुद्दों को भी एजेंडे में शामिल करने की अपील की गई है। कांग्रेस के वरिष्ठ पार्षद योगेंद्र सिंह गुड्डू चौहान ने कहा कि बजट पर विस्तार से चर्चा के लिए बैठक को दो दिन का किया जाना चाहिए। इससे सभी मुद्दों पर गंभीरता से विचार किया जा सकेगा और बजट में आवश्यक संशोधन किए जा सकेंगे।

परिषद में नेता प्रतिपक्ष शबिस्ता जकी ने अपने पत्र में कहा है कि एमआईसी को 31 मार्च या उससे पहले

बजट को अंतिम रूप देकर प्रस्तुत करना था, लेकिन ऐसा नहीं किया गया, जो नियमों के विरुद्ध है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब बजट नियमानुसार तैयार नहीं हुआ, तो 3 अप्रैल को बैठक किस आधार पर बुलाई जा रही है। कांग्रेस पार्षदों का कहना है कि जारी एजेंडे में केवल दो बिंदु शामिल किए गए हैं। उनमें निगम मुख्यालय भवन के निर्माण कार्य में अतिरिक्त राशि खर्च करने का प्रस्ताव और बजट पर विचार एवं अनुमोदन।

एजेंडे में इन मुद्दों को शामिल करने की मांग

कांग्रेस पार्षदों ने बैठक के एजेंडे में जिन विषय जोडऩे की मांग की है उनमें सफाई, सीवेज, बिजली और पानी जैसी बुनियादी सुविधाओं से जुड़े मुद्दे, शहर के 85 वार्डों में स्वच्छता, जल आपूर्ति, सीवेज निकासी, सार्वजनिक शौचालयों की मरम्मत और सफाई के लिए ठोस योजना, सभी वार्डों में सफाई कर्मचारियों की संख्या बढ़ाने का निर्णय के साथ ही निगम कर्मचारियों को समय पर वेतन देने के लिए एक निश्चित समय-सीमा निर्धारित करना, ताकि वे आर्थिक तंगी से बच सकें। अस्थायी, अर्द्ध कुशल, दैनिक वेतनभोगी, विनियमित और कुशल कर्मचारियों की पदोन्नति के प्रस्ताव को बैठक में शामिल करना और पूर्व में कांग्रेस पार्षदों द्वारा दिए गए सुझावों को भी बैठक में चर्चा के लिए लाया जाए।

तुलसी साहित्य अकादमी द्वारा सृजन श्रंखला 46 के अंतर्गत

मीठे मीठे बोल का लोकार्पण एवं नवगीत विधा पर साहित्यिक विमर्श हुआ

भोपाल ■ निसं

तुलसी साहित्य अकादमी द्वारा सृजन श्रंखला 46 के अंतर्गत डा.मोहन तिवारी आनंद के नवगीत संग्रह प्यार के मीठे मीठे बोल का लोकार्पण एवं नवगीत विधा पर साहित्यिक विमर्श किया हुआ।

इस गरिमामय साहित्यिक समारोह की अध्यक्षता डा.मोहन तिवारी आनंद, राष्ट्रीय अध्यक्ष, तुलसी साहित्य अकादमी भोपाल ने की । मुख्य अतिथि डा.राजेश श्रीवास्तव निदेशक रामायण केंद्र भोपाल रहे। सारस्वत अतिथि रहे वरिष्ठ साहित्यकार सुरेश पटवा तथा विशेष अतिथि वरिष्ठ व्यंग्यकार एवं समीक्षक गोकुल सोनी तथा डा.गौरी शंकर शर्मा गौरीश अध्यक्ष कला मंदिर रहे।

मंचस्थ अतिथियों ने माता सरस्वती का पूजन अर्चन एवं दीप प्रजवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। महाकवि पंडित हरिशंकर दुबे ने सरस्वती वंदना का पाठ किया। मंचस्थ अतिथियों ने डा.मोहन तिवारी आनंद के नवगीत संग्रह प्यार के मीठे मीठे बोल का लोकार्पण किया। तुलसी साहित्य अकादमी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा.मोहन तिवारी आनंद ने स्वागत उद्बोधन में कहा - तुलसी साहित्य अकादमी हिन्दी भाषा के प्रचार - प्रसार के लिए पूरे देश में अभियान चलाकर नवोदित साहित्यकारों को साहित्य की हर विधा में लेखन हेतु मार्गदर्शन हेतु साहित्यिक विमर्श के कार्यक्रम आयोजित करती है उसी के तहत आज नवगीत विधा पर विमर्श किया गया।

मप्र के सरकारी कार्यालयों में ई-ऑफिस सिस्टम और होगा मजबूत

अब ई-मेल से सरकारी दफ्तरों में पहुंचेगा संदेश

भोपाल ■ निसं

मप्र के सरकारी कार्यालयों में ई-ऑफिस सिस्टम लागू होने के बाद सरकार अब सिस्टम को और मजबूत करने में जुटी हुई है। इसके तहत अब सरकारी कार्यालयों में डाकिए का काम बंद किया जा रहा है। ऐसा इसलिए किया जा रहा है कि ई-आफिस में अब ई-मेल से डाक आएगी। यानी अब कोई भी संदेश ई-मेल से सरकारी दफ्तरों में पहुंचेगा। इससे सरकारी कार्यालयों में पारदर्शिता भी बढ़ेगी।

गौरतलब है कि मप्र सरकार ने डिजिटल इंडिया की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। ई-ऑफिस सिस्टम से सरकारी कार्यालयों में पारदर्शिता भी बढ़ेगी। ई-ऑफिस व्यवस्था से सरकारी कार्यालयों में कागज की बचत होगी। मंत्रालय और विभागाध्यक्ष कार्यालयों में शुरू की गई ई-आफिस व्यवस्था में अब जिलों से आने वाले पत्रवाहक या डाकिए का काम खत्म कर दिया गया है। अब कागज या हार्ड कापी की जगह ई-मेल पर आए पत्र ही ई-आफिस के माध्यम से स्वीकार किए जाएंगे। निराकरण भी आनलाइन ही होगा। अपरिहार्य परिस्थिति में यदि किसी पत्र में हस्ताक्षर आवश्यक हों तो भी डाक से नहीं भेजना है। ऐसे में डिजिटल हस्ताक्षर से मेल पर पत्र भेजना होगा। अब तक कई जगह प्रिंट निकाल कर हस्ताक्षर कर उसे स्कैन करके मेल किया जा रहा था, इस प्रथा को भी अब बंद कर दिया गया है। इस आनलाइन आफिस से कागज एवं प्रिंटर की बचत होगी। इससे हार्ड कापी की जरूरत भी नहीं होगी।

कई तरह की होगी बचत

डाक के जरिए होने वाले यात्रा भत्ते की भी बचत होगी। ई आफिस साफ्टवेयर में ई-डाक के लिए हर विभाग में अलग से व्यवस्था की गई है। मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव ने जनवरी 2025 को समत्व भवन मुख्यमंत्री निवास से ई-आफिस क्रियान्वयन प्रणाली का शुभारंभ किया था। मुख्यमंत्री ने आशा व्यक्त की थी कि आम जनता को इस व्यवस्था से राहत प्राप्त होगी। विभिन्न विभागों द्वारा समस्त नस्तियों को ई-आफिस के माध्यम से संचालित किए जाने का निर्णय लिया गया है। इससे विभागों के कार्य प्रवलित नस्तियों के स्थान पर ई-आफिस के माध्यम से होंगे। इसके लिए विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों को प्रशिक्षित भी किया गया।

साप्ताहिक समीक्षा: इधर, मुख्य सचिव कार्यालय में ई-आफिस के माध्यम से कार्य संचालित किया जा रहा है। इस कार्य की प्रगति की मुख्य सचिव स्तर पर साप्ताहिक समीक्षा भी की जाती है। राज्य शासन के समस्त विभागीय एवं अंतर विभागीय स्तर पर सामान्य पत्राचार अब मैल के जरिए होंगे। अवकाश आवेदन एवं अनुमोदन यदि मेल पर नहीं लिया गया तो वेतन काट लिया जाएगा। यात्रा तथा भ्रमण कार्यक्रम आवेदन तथा अनुमोदन, वेतन पत्रक, कर कटौती, फार्म 16 व संबंधित जानकारी समितियों के गठन की सूचना, बैठकों की सूचना एवं कार्रवाई विवरण के प्रारूप पर अभिमत अथवा प्रारूप का आंतरिक अनुमोदन, नागरिकों की ओर से प्राप्त आवेदन अथवा सूचना एवं शिकायतों का निराकरण, सार्वजनिक, शासकीय कार्यक्रमों की सूचना तथा आमंत्रण, निविदा प्रक्रिया के दौरान प्री बिड क्लेरिफिकेशन्स, डेट एक्सटेंशन के आवेदन प्राप्त करना और जिला, संभागों, अन्य अधीनस्थ कार्यालयों से सामान्य जानकारियां निर्धारित प्रारूपों में प्राप्त करना भी आनलाइन होगा।

ऑनलाइन क्रिकेट सट्टा रैकेट का भंडाफोड़, पुलिस ने दो आरोपियों को किया गिरफ्तार

छिंदवाड़ा ■ निसं

पूछताछ में आरोपियों ने खुलासा किया कि वे किसी अन्य व्यक्ति से 10त्न कमीशन पर यह मास्टर आईडी लेकर लोगों को ऑनलाइन सट्टा खिलवा रहे थे। अब पुलिस आरोपियों से जुड़े लोगों की तलाश कर रही है।

छिंदवाड़ा पुलिस ने क्रिकेट पर ऑनलाइन सट्टेबाजी करने वाले गिरोह के सरगना समेत उसके एक अन्य साथी को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से चार मोबाइल समेत अन्य सामान भी बरामद किया गया है। पकड़े गए आरोपियों से पूछताछ की जा रही है।

जानकारी के अनुसार, पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि श्रीवास्तव कॉलोनी निवासी सौरभ अरोरा और ग्राम खापाभाट निवासी शिवम बड़खे क्रिकेट सट्टे की मास्टर आईडी के जरिए अवैध सट्टेबाजी चला रहे हैं। दोनों आरोपी दीनदयाल रसोई के पास गांधीराज इलाके में बैठकर सट्टे का हिसाब-किताब देख रहे हैं। सूचना पर थाना कुंडीपुरा पुलिस टीम ने छापा मारकर दोनों को रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपियों के पास से चार आईफोन, जिनमें लाखों के सट्टे का डिजिटल रिकॉर्ड, 7,400 रुपये नगद जब्त किए हैं।

सट्टे के पीछे बड़ा नेटवर्क: पूछताछ में आरोपियों ने खुलासा किया कि वे किसी अन्य व्यक्ति से 10त्न कमीशन पर यह मास्टर आईडी लेकर लोगों को ऑनलाइन सट्टा खिलवा रहे थे। अब पुलिस आरोपियों से जुड़े लोगों की तलाश कर रही है। आरोपियों के खिलाफ मध्य प्रदेश पब्लिक गैंबलिंग एक्ट की धारा 4 (क) और धारा 49 बीएनएस के तहत केस दर्ज कर लिया गया है।

चैत्र नवरात्र के पूर्व देवी देवताओं के चौलना चालनी नर्मदा नदी में धोकर पवित्र किए

शनिचरी अमावस्या पर नर्मदा घाटों पर श्रद्धालुओं ने पवित्र नर्मदा में डुबकी लगाई

सिवनीमालवा ■ निसं

शनिवार के दिन क्षेत्र के नर्मदा घाटों में हजारों श्रद्धालुओं पवित्र नर्मदा नदी में श्रद्धा की डुबकी लगाई क्षेत्र के प्रसिद्ध नर्मदा तट बाबरी घाट भेला घाट भिलाडिया घाट चांदगडकुटी आदि नर्मदा घाटो पर पहुंचकर स्नान ध्यान किया। भेला धाट पर आसपास के ग्रा शुभकामना मीण जनों नर्मदा नदी में स्नान चतुर्मुख भगवान भोले शंकर के मंदिर में पहुंचकर पूजा अर्चना की वही बाबरी घाट में भी सैकड़ो की संख्या में श्रद्धालुओं के द्वारा आस्था की डुबकी लगाई गई और साथ ही अपने परिवार के देवी देवताओं के वस्त्र चलना चालनी बाना तो नर्मदा नदी में पवित्र कर पूजा पूजा अर्चना की गई। इसी प्रकार प्रसिद्ध नर्मदा तट आंवलीघाट पर भी शनिस्चरी अमावस्या पर श्रद्धालुओं का जमावड़ा लगा। चैत्र नवरात्रि से पहले आने वाली इस अमावस्या पर सुबह 4 बजे से ही स्नान का क्रम शुरू हो गया। श्रद्धालुओं का आना एक दिन पहले से ही शुरू हो गया था। सुरक्षा व्यवस्था के लिए एसएफ और पुलिस के जवान बड़ी संख्या में तैनात किए गए।

अमावस्या पर आंवलीघाट में बाहरी बाधाओं का निराकरण करने की परंपरा वर्षों से चली आ रही है। माना जाता है कि जिन लोगों के शरीर में बाहरी बाधाएं होती हैं, उन्हें यहां नर्मदा स्नान कराया जाता है। जिन लोगों को देवी-देवता का आवेश आता है, वे भी इस दिन स्नान करते हैं। अपने देवता के ठीले देव स्थान के शस्त्रों को भी नर्मदा जल में नौकर पवित्र करते हैं। आंवलीघाट का पौराणिक एवं धार्मिक महत्व भी है। यहां पर नर्मदा मंदिर शंकर मंदिर एवं धुनीबाले दादा के दरबार में पहुचकर कन्या भोज एवं भंडारा प्रसादी कराते है। यहां पर हत्याहरणी हथेड़ नदी और नर्मदा का संगम स्थल है। इस कारण इसका महत्व अधिक है। प्रशासन भी नर्मदा घाटों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करते हैं जिसमें पुलिस बल तैनात रहती है।

संक्षिप्त समाचार

गायत्री साधना स्थल पर नवरात्रि भर चलेगा पंच कुण्डीय यज्ञ

माखननगर। प्रति वर्षानुसार इस वर्ष भी नगर के गायत्री साधना स्थल परिसर में बासंती नवरात्रि पर्व के पावन अवसर पर पंच कुंडीय यज्ञ एवं संस्कार का आयोजन प्रतिदिन प्रात: 8-00 बजे से 10-00 बजे तक किया जावेगा ।साथ ही रोज शाम को दीप यज्ञ एवं सामूहिक मंत्र जाप के साथ देवी आराधना की जायेगी । साधना के लिए दिनभर गायत्री मंत्र साधना की जावेगी। 30 मार्च से 7 अप्रैल तक चलने वाले नवरात्रि पर्व की जानकारी देते हुए सुरेश अग्रवाल ने सभी धर्म प्रेमियों से इस अनुष्ठान मैं सामिल होकर धर्मलाभ अर्जित करने की अपील की । 7 अप्रैल सोमवार को पूर्णाहुति कन्या भोज व भंडारा किया जायेगा । 30 मार्च को卐विक्रमोत्सव 2025卐 पर आयोजित होगा सूर्य उपासना कार्यक्रम

कार्यक्रम में जनजातीय कार्य विभाग मंत्री डॉ. शाह होंगे शामिल

खंडवा। मध्य प्रदेश शासन संस्कृति विभाग के तत्वावधान में खंडवा जिले में विक्रमोत्सव 2025 पर सूर्य उपासना का कार्यक्रम गुड़ी पड़वा 30 मार्च को किया जा रहा है। जिला शिक्षा अधिकारी श्री पी.एस. सोलंकी ने बताया कि यह कार्यक्रम प्रात: 10 बजे से खंडवा के किशोर कुमार सभागृह में आयोजित होगा। कार्यक्रम में जनजातीय कार्य विभाग मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह, सभी विधायक, महापौर, जिला पंचायत अध्यक्ष सहित जिले के जनप्रतिनिधि और गणमान्य नागरिक, शासकीय अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहेंगे। उन्होंने बताया कि विक्रमोत्सव में ब्रह्म ध्वज का वंदन के साथ सम्राट विक्रमादित्य नाट्य का मंचन विजय सोनी नट निर्माण कला समूह द्वारा किया जाएगा।

डॉ. शाह आज जल गंगा संवर्धन अभियान में होंगे शामिल

खण्डवा। जनजातीय कार्य, लोक परिसमत्ति प्रबंधन, भोपाल गैस त्रासदी राहत एवं पुनर्वास विभाग मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह 30 मार्च को प्रात: 10 बजे किशोर कुमार सभागृह खंडवा में आयोजित 卐विक्रमोत्सव 2025卐 कार्यक्रम में शामिल होंगे। इसके बाद मंत्री डॉ. शाह दोपहर 2 बजे ग्राम संदलपुर में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत तालाब स्थल पर आयोजित कार्यक्रम में भाग लेंगे तथा सायं 4 बजे ग्राम धामा में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत आयोजित कार्यक्रम में शामिल होंगे। इसके अलावा मंत्री डॉ. शाह सायं 5-30 बजे गुलाईमाल में स्वदेशी मेले के समापन समारोह में शामिल होंगे। इसके बाद सायं 7-30 बजे गुलाईमाल से खंडवा के लिए प्रस्थान करेंगे।

उपस्वास्थ्य केंद्र नर्मदानगर को भारत सरकार से मिला गुणवत्ता प्रमाण पत्र

खंडवा। कलेक्टर ऋषव गुप्ता के मार्गदर्शन में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ बनाने व बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं देने के उद्देश्य से स्वास्थ्य संस्थाओं का केन्द्रीय स्तर पर मूल्यांकन किया जा रहा है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. ओ.पी. जुगतावत ने बताया कि विगत दिनों में खंडवा जिले के उपस्वास्थ्य केन्द्र नर्मदानगर विकासखंड पुनासा का केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की राष्ट्रीय गुणवत्ता मूल्यांकन प्रणाली की टीम द्वारा वर्चुअल रुप से मूल्यांकन किया गया था, जिसके परिणामस्वरुप स्वास्थ्य संस्था को भारत सरकार द्वारा स्वास्थ्य सेवाओं के आधार पर गुणवत्ता प्रमाण पत्र दिया गया है। डॉ. जुगतावत ने ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर डॉ. रामकृष्ण इंगला व उनकी पूरी टीम को इस सफलता के लिए बधाई देते हुए इसी प्रकार बेहतर कार्य करने के लिए प्रेरित किया।

जीआरपी जवान ने बचाई 14 साल की लड़की की जान

भोपाल। मध्य प्रदेश के अशोक नगर रेलवे स्टेशन पर जीआरपी इंदौर के जवान गोविंद सिंह चौहान ने अपनी तत्परता और साहस से एक लड़की की जान बचाई। इस अद्वितीय कार्य के लिए मध्य प्रदेश पुलिस के डीजीपी कैलाश मकवाना ने उन्हें 10 हजार रुपये का इनाम देकर उनकी बहादुरी की सराहना की। मध्य प्रदेश के अशोक नगर रेलवे स्टेशन पर एक साहसिक कार्य के तहत जीआरपी इंदौर के जवान गोविंद सिंह चौहान ने एक लड़की की जान बचाई।

राज्यपाल ने सिकलसेल एनीमिया के उन्मूलन के लिए योगदान देने की अपील की

राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने सिकलसेल एनीमिया उन्मूलन के लिए दिया संदेश

इंदौर ■ निसं

राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने सिकलसेल एनीमिया के उन्मूलन के लिए समाज के प्रत्येक व्यक्ति से योगदान देने की अपील की। राज्यपाल मंगुभाई पटेल आज महात्मा गांधी स्मृति मेडिकल कॉलेज इंदौर में राष्ट्रीय सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन मिशन के तहत आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि समाज में प्रत्येक व्यक्ति सिकलसेल उन्मूलन के लिए अपना योगदान अवश्य दे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वर्ष 2047 तक सिकलसेल एनीमिया के उन्मूलन का लक्ष्य रखा है। इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए समाज के हर वर्ग का सहयोग आवश्यक है।

मध्यप्रदेश तीसरा राज्य: मध्यप्रदेश, ओडिशा और छत्तीसगढ़ के बाद देश का तीसरा ऐसा राज्य है जहां सिकलसेल एनीमिया के सर्वाधिक प्रभावित मरीज हैं। उन्होंने कहा कि प्रभावित क्षेत्रों में जागरूकता और शिक्षा के द्वारा इस बीमारी की रोकथाम संभव है।

पटेल ने कहा कि हम सबकी जिम्मेदारी है कि हमारे परिवार, आस-पास और समुदाय में रोग उन्मूलन के लिए जनजागृति हो। इसके लिए जरुरी है कि रोग के जेनेटिक काउंसलिंग में समाज का हर व्यक्ति सहयोग करे। सिकल सेल रोग के उन्मूलन प्रयासों में योगदान करें। यह भी जरुरी है कि जेनेटिक कार्ड के मिलान के बाद ही विवाह करें, हर गर्भवती महिला, शिशु के स्वास्थ्य जांच के प्रति सोशल कॉन्शसनेस हो।

कार्यक्रम के प्रारम्भ में डीन डॉ. अरविंद घनघोरिया द्वारा स्वागत भाषण प्रस्तुत किया गया। अधीक्षक डॉ. अशोक यादव ने बताया कि एमवाय हॉस्पिटल में ब्लड बैंक से सिकल सेल एनीमिया के रोगियों को जीवन रक्षक मदद मिल रही है। मिशन की डिप्टी डायरेक्टर रूही खान ने कहा कि महामहिम राज्यपाल मंगुभाई पटेल की संवेदनशीलता के कारण मिशन मध्य प्रदेश में सफल सिद्ध हुआ है। जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट ने इस अवसर पर कहा कि मालवा के जनजातीय अंचल में सिकल सेल एनीमिया के रोगियों को एमवाय हॉस्पिटल से महत्वपूर्ण मदद मिल रही है। ये हर्ष का विषय हैं कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की दूरदर्शिता से सरकार इस अस्पताल का उन्नयन करेगी और इसके लिए साढ़े 700 करोड़ रूपये की राशि स्वीकृत की है। केंद्रीय राज्यमंत्री सावित्री ठाकुर ने इस अवसर पर कहा कि सिकलसेल के लिए अधिकतम जागरूकता और शिक्षा ज़रूरी है। उन्होंने उम्मीद जाहिर की कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का संकल्प वर्ष 2047 तक अवश्य पूरा होगा। केंद्रीय राज्यमंत्री दुर्गादास उइके ने अपने संबोधन में राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल को समाज के प्रति समर्पित और संवेदनशील राज्यपाल बताया। उन्होंने कहा कि राज्यपाल महोदय राजभवन तक कभी सीमित नहीं रहे।

42 साल पहले की कहानी से बताया एनीमिया का दर्द

सिकलसेल एनीमिया पर राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने अपने उद्बोधन में 42 साल पहले की पीड़ा और करुणा की कहानी बतायी। उन्होंने कहा कि जब वे गुजरात में कॉरपोरेटर थे, तब उन्होंने पहली बार सिकलसेल एनीमिया की त्रासदी को देखा था। पड़ोस के सिकल सेल एनीमिया से प्रभावित एक बच्चे को वे बम्बई में डॉ. ढोलकिया के पास में इलाज के लिए ले गए थे, किन्तु उस बच्चे को बचाया नहीं जा सका था। इसी तरह उन्होंने मार्मिक ढंग से बताया कि किस तरह पड़ोस की छोटी बच्ची जो उनके गोद में खेला करती थी, इसी बीमारी की वजह से महज 4 दिनों में मृत्यु को प्राप्त हो गई।

शासकीय मॉडल हायर सेकेंडरी स्कूल के छात्रों को दी कैरियर टिप्स

माखननगर ■ निसं

नगर में स्थित शासकीय मॉडल हायर सेकेंडरी स्कूल में शुक्रवार को बच्चों के लिए कैरियर सप्ताह कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें संस्था प्राचार्य श्रीमति प्रीति झा ने विद्यार्थियों का कैरियर मार्गदर्शन करते हुए कहा कि विषय का चयन विद्यार्थी स्वयं अपनी रुचि के अनुसार करें न कि किसी दबाव या मजबूरी में। साथ ही पढ़ाई पर ध्यान देते हुए अपने कैरियर विकल्प का चयन करें।

श्रीमति मोहिनी सिरसवाल ने वाणिज्य संकाय पर कैरियर विकल्पों की जानकारी दी। शिक्षक अवधेश शर्मा व रविशंकर साहू ने विज्ञान क्षेत्र में, दौलतराम मलैया ने कला संकाय ,श्रीमति ज्योति चन्द्रवंशी ने व्यवसायिक शिक्षा क्षेत्र में कैरियर टिप्स दी।

वहीं पत्रकारिता के क्षेत्र में रुचि रखने वाले छात्र छात्राओं को अमृत दर्शन के सम्वाददाता अरविन्द सिंह सोलंकी व पत्रिका के प्रवीण साहू ने अपने अनुभव सांझा करते हुए कैरियर टिप्स दिये। इस दौरान संस्था प्राचार्य सहित स्टाफजन उपस्थित थे।

होम्योपैथिक चिकित्सा एक वरदान

जबलपुर ■ निसं

डॉ सुप्रियो सरकार एक अनुभवी होम्योपैथ कोलकाता से होम्योपैथिक डिग्री प्राप्त किये एवं होम्योपैथिक रिसर्च सेंटर में 5 साल काम किये है। जबलपुर में 30 साल से प्रैक्टिस कर रहे है। Homeopathic believe that life body+mind+soul human being. इस तीनो को मिलाकर एक पूर्ण रूप से स्वस्थ इंसान बनता है। Homeopathic appreciates the dynamic concept of life. The whole aim of Homeopathy is to cure. So कोई भी बीमारी हो इसका इलाज जड़ से ठीक होता है। होमियोपैथी वर्ल्ड में सेकंड सबसे बड़ा चिकित्सा पद्धति है। होमियोपैथी का विश्वास दुनिया भर में बढ़ता जा रहा है सबसे कम खर्च में बिना कोई साइड इफ़ेक्ट कठिन से कठिन बीमारी का होम्योपैथिक में उपचार हो रहा है।

डॉ सुप्रियो सरकार होम्योपैथिक रसल चौक जबलपुर में प्रैक्टिस करते हुए देश-विदेश में बहुत सारे पुरुस्कार सर्टिफिकेट्स प्राप्त किये है। साथ में इंडिया के सारे राज्य व् विदेशों के मरीज़ो को ऑनलाइन ट्रीटमेंट देते है। डॉ सुप्रियो प्रमाणे सरकार जिस-जिस बीमारी को ठीक किये है उसका नाम और प्रणाम आप लोगो को दिखाना चाहते है। जैसे 1-महिलाओ को बच्चेदानी में गाँठ, 2-डिम्बासोए सिस्ट, 3-खा?द्यनली में कैंसर, 4-लिवर कैंसर, 5-हेपेटाइटिस, 6-पैक्रियाटाइटिस, 7-आँखों का नस सूख जाना, 8-ब्रैस्ट ट्यूमर कैंसर, 9-PCOD, 10-PCOS एवं HIV आदि, बहुत सारे कठिन से कठिन बीमारी का उपचार किये हैं। डॉ सुप्रियो सरकार चाहते है मरीज हताश न हो, कम खर्चे में विश्वास के साथ डॉ सुप्रियो सरकार इस प्रकार की सेवा में पूर्ण समर्पित है। जिससे मरीज को एक नया स्वस्थ जीवन मिलेगा।

गौवंश से भरा ट्रक पलटा, 28 की मौत, कई घायल

सागर। सागर में गौवंश से ठसाठस भरे आयशर ट्रक के पलटने से 28 मवेशियों की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि अन्य मवेशी घायल हो गए। हादसे के बाद तस्कर मौके से फरार हो, पुलिस ने केस दर्ज कर उनकी जांच शुरू कर दी है। मध्य प्रदेश के सागर जिले के अनेक ग्रामीण क्षेत्रों से अवैध रूप से गौवंश की तस्करी जारी है। यहां सड़कों पर आवारा घूम रहे और चरने गए मवेशियों को क्षेत्र में सक्रिय दलालों द्वारा चंद रुपयों के लालच में अवैध रूप से कत्लखानों में भेजा जाता है। इसी तरह कत्लखाने ले जाए जा रहे गौवंश से भरा आयशर ट्रक पलटने से 28 निरीह जानवरों की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, गौवंश से ठसाठस भरे आयशर ट्रक (क्रमांक MP-H 40 CT 4221) के पलटने से 28 मवेशियों की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि अन्य मवेशी घायल हो गए। ट्रक में करीब 35 मवेशी क्रूरता पूर्वक भरे गए थे, जिन्हें रस्सियों से बांधा गया था।

इमरान शाह ने राज्य स्तरीय युवा संसद में सहभागिता की

सिवनीमालवा ■ निसं

नगर की शासकीय कुसुम महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के स्वयंसेवक इमरान शाह ने विकसित भारत युवा संसद प्रतियोगिता के अंतर्गत पहले शासकीय गृह विज्ञान महाविद्यालय नर्मदा पुरम में एक देश एक चुनाव विकसित भारत का मार्ग प्रशस्त करने पर 3 मिनट तक अपने विचार प्रस्तुत किए द्य नर्मदा पुरम के शासकीय गृह विज्ञान महाविद्यालय में आयोजित जिला स्तरीय युवा संवाद प्रतियोगिता में 150 स्वंसेवको में से 10 स्वयंसेविकों का चयन राज्य स्तरीय युवा संसद के लिए किया गया द्य राज्य स्तरीय युवा संसद जो कि मध्य प्रदेश के विधानसभा भवन में आयोजित हुई ।हमारे संविधान के 75 वर्ष अधिकारों कर्तव्य और प्रगति यात्रा, पर अपने विचार युवा संसद में प्रस्तुत किए द्य इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ राजेश कुमार रघुवंशी, कार्यक्रम अधिकारी डॉ मोहन सिंह गुर्जर, महिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती विजय , मालवीय, प्रेम नारायण परते, डॉ अनुराग पाठक, श्रीमती गीता डोंगरे, कैलाश गढ़वाल, नवनीत सोनारे आदि समस्त स्टाफ ने स्वयं सेवक को शुभकामना दी।

परिषद बैठक में वर्ष 2025-26 के लिये अनुमानित बजट प्रस्तुत किया

नगर परिषद बुदनी को पुनः जनप्रतिनिधि एवं नागरिकों के सहयोग से नंबर 1 बनाना है

बुदनी ■ निसं

नगर परिषद,बुधनी में विशेष सम्मेलन परिषद सभागृह में आयोजित हुआ। परिषद बैठक में वर्ष 2025-26 के लिये अनुमानित बजट प्रस्तुत किया गया है जिसमें वर्ष 2025-26 में समस्त मद अन्तर्गत राजस्व कर, शासन अनुदान, विषेष निधि तथा अन्य मदों से आय 73,021,9000/- तथा व्यय 73,027,1000 इस तरह 8,000/- लाभ का बजट लेखापाल द्वारा प्रस्तुत किया गया।

नगर परिषद अध्यक्ष सुनिता अर्जुन मालवीय द्वारा बजट में नगर में नर्मदा तट पर सीडी घाट निर्माण एवं वार्ड क्रमांक 10 में शमशान घाट निर्माण समस्त 15 वार्डो में सड़क एवं नाली निर्माण एवं नाली पे स्लब निर्माण तथा प्रकाश व्यवस्था हेतु हाई मास्ट एवं स्ट्रीट लाईट एल.ई.डी व्यवस्था तथा नवीन आंगनबाडी निर्माण, सडक सुरक्षा मद हेतु कार्य एवं स्वच्छता हेतु नगर परिषद बुदनी को पुनः जनप्रतिनिधि एवं नागरिकों के सहयोग से नंबर 1 बनाना है तथा नगर परिषद बुदनी शासन के दिये निर्देश के पालन में स्वयं अपनी आय पर आत्मनिर्भर बुदनी बनने की ओर नये प्रयास कर रही है। इस दिशा में पूर्व में भी 48 दुकानों का निर्माण कार्तिकेय उद्यान वार्ड 03 के पास एवं वार्ड क्र 07 में तहसील के पास 37 दुकानों का आधुनिक शॉपिंग काम्पलेक्स का निर्माण कराया गया है जिससे अनेक लोगो को रोजगार मिलेगा तथा नगर परिषद बुदनी को विकसित करने के लिये विभिन्न योजनाए तैयार की जा रही है। नगर परिषद अध्यक्ष महोदया सुनीता अर्जुन मालवीय ने बजट को नगर हित में बताया। इसी के साथ एक देश एक चुनाव का प्रस्ताव भी परिषद बैठक में पारित किया गया प्रस्ताव अनुसार एक देश एक चुनाव की स्थिति में बार बार चुनाव होने से शासन पर जो राशि व्यय होती है उसकी बचत होगी।

परिषद बैठक में माननीय प्रधानमंत्री जी के आह्वान पर एक देश एक चुनाव पर भी सर्वसम्मति से स्वीकृति प्रदान की गई। बैठक में अध्यक्ष महोदया सुनीता अर्जन मालवीय, सत्येंद्र शर्मा,उपाध्यक्ष, प्रभात भदौरिया,पार्षद, यशवंत चौहान पार्षद, प्रवीण चौहान,पार्षद, श्रीकांत शर्मा,पार्षद, संतोष राजपूत, पार्षद, सुश्री राखी कैथवास,पार्षद, हेमलता शिवहरे,पार्षद व आरती किशन मालवीय,पार्षद व संतोष रघुवंशी, मुख्य नगर पालिका अधिकारी एवं अजीत तिवारी उपयंत्री उपस्थित थे।

आर.सी.एच पोर्टल का स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को दिया प्रशिक्षण

खंडवा ■ निसं

शासन के निर्देशानुसार नवीन अनमोल एप्लीकेशन और आर.सी.एच. पोर्टल 2.0 का स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं के लिए प्रशिक्षण शनिवार को मेडिकल कॉलेज के ए-ब्लॉक में आयोजित किया गया।इस दौरान पंधाना के सी.एच.ओ. , सुपरवाईजर तथा ए.एन.एम. को प्रशिक्षण प्रदान किया गया। मुख्य चिकित्सा एंव स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. ओ.पी. जुगतावत ने प्रशिक्षण में बताया कि गर्भवती माताओं के पंजीयन तथा शिशु के पंजीयन की निगरानी व समय पर टीकाकरण, हाईरिस्क गर्भवती महिला की जटिलता का शीघ्र पता लगाकर समय पर स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध करवाने के लिये उपयोग में लाये जा रहे अनमोल एप्लीकेशन तथा पोर्टल के नये वर्जन में पंजीयन के लिये समग्र आई.डी., आधार कार्ड तथा बैंक खाते की ईकेवायसी अनिवार्य रूप से होना चाहिये। उन्होंने कहा कि जननी सुरक्षा व प्रसूति सहायता योजना के पात्र हितग्राहियों को भुगतान के लिये समग्र से आधार लिंक करवाना तथा आधार कार्ड से बैंक खाता लिंक करवाना होगा, तभी प्रोत्साहन राशि का भुगतान सीधे खाते में जमा होगा।

अनमोल वचन

अनुभव-प्राप्ति के लिए काफ़ी मूल्य चुकाना पड़ सकता है पर उससे जो शिक्षा मिलती है वह और कहीं नहीं मिलती।
अज्ञात

अधिकतर लोग नए साल की प्रतीक्षा केवल इसलिए करते हैं कि पुरानी आदतें नए सिरे से फिर शुरू की जा सकें।
अज्ञात

सम्पादकीय

विश्वास की कमी से बढ़ते हैं तलाक के मामले

आजकल कुछ लेख पढ़ा जो बढ़ते तलाक के मामले पर था अपनी विशाल संस्कृति, पारंपरिक मूल्यों और समृद्धि की ऊंचाइयों के लिए मशहूर भारतीय समाज में तला के मामलों में बढ़ोतरी देखी जा रही है। आपको जानकर हैरानी होगी कि पिछले कुछ सालों में भारत में तलाक के मामलों की संख्या में 50 से 60त्न की बढ़ोतरी हुई है। ऐसा नहीं है कि ये सभी मामले सिर्फ बड़े शहरों से हैं। मथुरा, हापुड़ और झज्जर जैसे छोटे शहर भी इन आंकड़ों में बराबर का योगदान दे रहे हैं। लेकिन अच्छी खबर यह है कि 50 से 60त्न की पर्याप्त वृद्धि के बाद भी भारत में तलाक की दर केवल 11त्न है और यह प्रतिशत अभी भी अन्य देशों की तुलना में कम है। संयुक्त राज्य अमेरिका जैसे विकसित और प्रगतिशील देशों में तला की दर 55त्न, स्वीडन में 55त्न, रूस, यूनाइटेड किंगडम ऑफ ग्रेट ब्रिटेन और उत्तरी आयरलैंड में 43त्न और जर्मनी में 40त्न है। इससे पता चलता है कि रिश्तों को बनाए रखने के मामले में भारत का प्रदर्शन तुलनात्मक रूप से काफी बेहतर है। लेकिन सिर्फ इसलिए कि यहां तलाक कम हो रहे हैं, इसका मतलब यह नहीं है कि यहां के लोग अपने रिश्तों से खुश हैं। इसके पीछे कई अन्य कारण भी हो सकते हैं। हमारे देश में सामाजिक, सांस्कृतिक और नैतिक मूल्यों का बोलबाला है। भारतीयों के लिए अलगाव या तलाक कभी भी आसान बात नहीं रही, इसे पुरुष या महिला के चरित्र पर एक काला धब्बा माना जाता है। अन्य देशों की तरह यहां रिश्ते केवल शारीरिक आकर्षण के आधार पर नहीं बनते ।इसके अलावा हिंदू धर्म तलाक शब्द को नहीं जानता ।हिंदू धर्म में विवाह एक पवित्र और अनमोल रिश्ता है जिसे केवल एक जन्म के लिए नहीं बल्कि सात जन्मों के लिए माना जाता है ।इसके अलावा कई अन्य कारक भी हैं जिनमें आर्थिक और भावनात्मक निर्भरता, सामाजिक और पारिवारिक दबाव शामिल हैं। अगर बच्चे की जिम्मेदारी है तो अलगाव और भी मुश्किल हो जाता है ।इस विस्तृत चर्चा में तला के मामलों में वृद्धि के पीछे क्या कारण हो सकते हैं, इस पर गंभीरता से विचार किया गया जिसमें सबसे बड़ा तर्क ऐ निकला जो संस्कार है और विचार का सही तालमेल ना होना इसलिए शादी को गंभीरता से लें नहीं तो शादी ना करें यदि आप किसी अध्यात्मिक देवता को पूजते हैं तो ऐ कोई जरुरी नहीं की वो भी पूजे ,। सामाजिक परिवर्तन से आधुनिक युग में सामाज में परिवर्तन भी हो रहा है जिसका सीधा असर विवाह और तलाक पर पड़ता है। पुरानी रूढ़िवादी विचारधारा से बाहर निकलने के दबाव, महिलाओं की आत्मनिर्भरता और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की मांग में वृद्धि के साथ ही स्थिर संबंध बनाए रखना मुश्किल होता जा रहा है। आधुनिक समाज में हो रहे परिवर्तन विभिन्न क्षेत्रों में शोध और प्रक्रिया को प्रेरित कर रहे हैं। युवा पीढ़ी आत्म-स्वतंत्रता के महत्व को समझ रही है और इसलिए स्थिर संबंधों को बनाए रखने के बारे में अधिक चिंतित हो रही है। यह इच्छा अक्सर उन्हें अपने जीवनसाथी से अधिक मानवाधिकारों और अधिकारों की मांग करने के लिए प्रेरित करती है, जो तला का कारण बन सकती है।। महिलाएं स्वतंत्र हो रही हैं आज की युवा पीढ़ी व्यक्तिगत स्वतंत्रता के महत्व को समझती है और अपने जीवन को अपने रास्ते पर ले जाना चाहती है। इसलिए, व्यक्तिगत स्वतंत्रता के आदर्शों के लिए लड़ते हुए, वे अपने जीवनसाथी से अधिक मानवाधिकारों और अधिकारों की मांग कर रहे हैं। यह अक्सर रिश्ते की स्थिति को कठिन बना देता है, जिससे तलाक का खतरा होता है। पहले, पुरुष ही एकमात्र व्यक्ति था जो पूरे परिवार के लिए रोटी कमाने जाता था और महिला घर पर रहती थी, इसलिए वह बाकी दुनिया से अलग-थलग थी। इससे उनके पतियों पर उनकी आर्थिक और भावनात्मक निर्भरता भी बढ़ गई। इसके कारण, कई बार उन्हें अपने पतियों के आक्रामक व्यवहार को सहना पड़ा लेकिन आज इसके विपरीत भी सुनने को मिल रहा है यहाँ तक हत्या और आत्महत्या भी पुरुष कर रहें हैं क्योंकि उनका शारीरिक और मानसिक शोषण का भी सामना करना पड़ा। लेकिन अब स्थिति बदल गई है। महिलाएं भी पुरुषों की तरह ही बाहर जा रही हैं, व्यापार और नौकरी कर रही हैं और जब एक महिला पुरुष के स्वभाव से मेल नहीं खाती है , तो यह पुरुष पर कई नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है। साथ ही, अब महिलाएं हर मामले में स्वतंत्र जरूर हैं,लेकिन उसका ऐ भी फ़र्ज है कि लड़के के माता पिता को ध्यान देना, इसलिए वे बूढ़े बुजुर्गो के बात को बर्दाश्त नहीं करती हैं। शायद यही वजह है कि तलाक के ज्यादातर फैसले महिलाएं ही लेती हैं। व्यावसायिक दबाव भी है आधुनिक जीवनशैली में व्यावसायिक दबाव की बढ़ती गति ने भी तला की दरों में वृद्धि को बढ़ावा दिया है। रिश्तों में यह दबाब विभिन्न क्षेत्रों में काम करने वाले लोगों की जीवनशैली में बदलाव का प्रतिबिंब है, जो तला की दर को बढ़ा रहा है। व्यवसाय की दुनिया में काम करने वाले लोगों के लिए, जीवनशैली में बदलाव ने रिश्तों को निभाने में आने वाली कठिनाइयों से निपटने के लिए चुनौतियां पैदा की हैं। इसमें अक्सर समय की कमी, असमानता और पारिवारिक दबाव की बढ़ती गति शामिल होती है, जो रिश्तों में तनाव और असंतुलन पैदा कर रही है। 4। आर्थिक कठिनाइयाँ महिलाओं द्वारा सामना की जाने वाली आर्थिक कठिनाइयाँ विवाह की प्रणाली को भी प्रभावित कर रही हैं आर्थिक प्रतिस्पर्धा, असमानता और यहां तक कि रोजगार और उद्यमिता में महिलाओं की बढ़ती भूमिका ने उन्हें स्वतंत्रता की ऊंचाइयों की ओर बढ़ने के लिए अधिक अधिकार दिए हैं, लेकिन इसका दुरुपयोग तला के मामलों में भी देखा जा सकता है। नैतिक मूल्यों का अभ्यास में सुधार होना चाहिए ऐ मान कर चलना चाहिए की पैसे को बचाने को सीखें, कुछ इसी में क़ोई पति को छोड़ कर गया कुछ पत्नी को लेकिन जो रकम खर्च हुई वो साधारण परिवार के लिए 25000 रूपये से कम नहीं होगा क्योंकि आजकल ट्रेन से सफर कौन करता है और कम भी होगा तो होटल का बिल और खाने पीने में महानगर में लगभग इतना खर्चा होगा ही जब नाव वाला 1000 की जगह 20000 रूपये तक लिया है ऐ तो न्यूज़ चैनल ने आपका ब्रेनवास कर दिया और आप गए लेकिन यदि किसी बुरी स्थिति में क़ोई 5000 भी देने को तैयार नहीं होगा जो आवश्यक नहीं है उसे कम करना चाहिए पुराने लोगों से सीखना चाहिए।

चिंतन-मनन

मृत्यु का अर्थ

मृत्यु एक शात सत्य है। यह अनुभूति प्रत्यक्ष प्रमाणित है, फिर भी इसके संबंध में कोई दर्शन नहीं है। अब तक जितने ऋषि-महर्षि या संत-महंत हुए हैं, उन्होंने जीवन दर्शन की चर्चा की है। जीवन के बारे में ऐसी अनेक दृष्टियां उपलब्ध हैं जिनसे जीवन को सही रूप में समझा जा सकता है और जिया जा सकता है। किंतु मृत्युक को एक अवश्यंभावी घटना मात्र मानकर उपेक्षित कर दिया गया। मृत्यु के पीछ भी कोई दर्शन है, इस रहस्य को अधिक लोग पकड़ ही नहीं पाए। यही कारण है कि जीवन दर्शन की भांति मृत्यु दर्शन जीवन में उपयोगी नहीं बन सका। जैन दर्शन एक ऐसा दर्शन है जिसने जीवन को जितना महत्व दिया, उतना ही महत्व मृत्यु को दिया। बशत्रे कि वह कलात्मक हो। कलात्मक जीवन जीने वाला व्यक्ति जीवन की सब विसंगतियों के मध्य जीता हुआ भी उसका सार तत्व खींच लेता है। इसी प्रकार मृत्यु की कला समझने वाला व्यक्ति भी मृत्यु से भयभीत न होकर उसे चुनौती देता है। जैन दर्शन में इसका सर्वांगीण विवेचन उपलब्ध है। मृत्यु का अर्थ है- आयुष्य प्राण चुक जाने पर जीव का स्थूल शरीर से वियोग ।इसके कई प्रकार हैं। उन सबका संक्षिप्त वर्गीकरण किया जाए तो मृत्यु के दो प्रकार होते हैं- बाल मरण और पंडित मरण. असंयम और असमाधिमय मरण बाल मरण है। अकाल मृत्यु, आत्महत्या, अज्ञान मरण आदि सभी प्रकार के मरण बाल मरण में अंतर्निहित हैं। संयम और समाधिमय मृत्यु पंडित मरण है। जीवन के अंतिम क्षणों में भी संयम और समाधि का स्पर्श हो जाए तो वह मरण पंडित मरण की गणना में आ जाता है। कुछ व्यक्ति मौत के नाम से ही घबराते हैं। वे जीवन को महत्व देते हैं। अपना-अपना चिंतन है। मुझे इस संबंध में अपने विचार देने हों तो मैं मृत्यु को वरीयता दूंगा। क्योंकि जीवन की सार्थकता भी मृत्यु पर ही निर्भर करती है।

नेतृत्व संकट और राजनीतिक भविष्य की अनिश्चितताएँ

> *इन दोनों संस्थाओं का संबंध हमेशा सहयोगी तो रहा है, लेकिन अंदरूनी संघर्ष, नेतृत्व चयन और रणनीतिक दृष्टिकोण को लेकर दोनों के बीच गहरे मतभेद भी उभरते रहे हैं। अब, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के चयन को लेकर एक बार फिर इन मतभेदों ने न केवल मीडिया की सुर्खियाँ बनाई हैं, बल्कि भविष्य में इस गठजोड़ के आगे के रास्ते को लेकर भी गंभीर सवाल खड़े किए हैं।*

सत्यप्रकाश दुबे

भारतीय राजनीति के सबसे प्रभावशाली गठजोड़ों में से एक भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के रिश्ते एक जटिल और रहस्यमयी यात्रा से गुजरे हैं। एक ओर जहां भाजपा राजनीतिक पार्टी के रूप में सत्ता की राजनीति में अपनी छाप छोड़ती रही है, वहीं आरएसएस ने हमेशा इसे अपने वैचारिक और संगठनात्मक समर्थन से ताकत दी है। इन दोनों संस्थाओं का संबंध हमेशा सहयोगी तो रहा है, लेकिन अंदरूनी संघर्ष, नेतृत्व चयन और रणनीतिक दृष्टिकोण को लेकर दोनों के बीच गहरे मतभेद भी उभरते रहे हैं। अब, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के चयन को लेकर एक बार फिर इन मतभेदों ने न केवल मीडिया की सुर्खियाँ बनाई हैं, बल्कि भविष्य में इस गठजोड़ के आगे के रास्ते को लेकर भी गंभीर सवाल खड़े किए हैं ।बता दे कि आरएसएस का गठन भारतीय समाज में अपनी विशेष पहचान बनाने और उसे अपनी सांस्कृतिक दृष्टि से सजग करने के लिए हुआ था। भाजपा का जन्म भी इसी संस्था के विचारों से प्रेरित था, और आरएसएस ने हमेशा भाजपा को अपने मार्गदर्शन से लाभान्वित किया है। मगर सत्ता की राजनीति और संगठन की कार्यप्रणाली में समय-समय पर दोनों के बीच मतभेद सामने आते रहे हैं।

विशेषकर, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के चयन को लेकर इन मतभेदों ने अब गंभीर रूप ले लिया है। भाजपा और आर.एस.एस. के बीच खाई की गहराई का अंदाजा इस बात से भी लगाया जा सकता है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के बीच तनाव की खबरें सामने आ रही हैं। मोदी ने अपने राजनीतिक करियर में बार-बार यह साबित किया है कि वे केवल चुनावी जीत नहीं, बल्कि सत्ता में स्थिरता बनाए रखने के मास्टरमाइंड भी हैं। वहीं, आरएसएस की सोच और कार्यशैली का एक अलग संसार है, जो भारतीय समाज को एक संगठित सांस्कृतिक धारा में लाने की ओर केंद्रित है। यही फर्क, दोनों के बीच असहमति का मुख्य कारण बन रहा है। कहा जा रहा है कि प्रधानमंत्री मोदी भाजपा के नए अध्यक्ष के

रूप में एक ऐसा नेता चाहते हैं, जो मोदी की विचारधारा और नीतियों के प्रति निष्ठावान हो। वहीं, आरएसएस चाहती है कि नया अध्यक्ष ऐसे व्यक्ति को बनाया जाए, जो संघ की विचारधारा के प्रति सच्चा हो और पार्टी के संगठनात्मक ढांचे को मजबूत करें। अब बात करते हैं उस नेता की, जिनका नाम भाजपा के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष के तौर पर प्रमुखता से उभरकर सामने आ रहा है- संजय जोशी।

जोशी, जिनका नाम आरएसएस के पसंदीदा उम्मीदवार के रूप में लिया जा रहा है, जोशी जो भाजपा में एक समय सशक्त और प्रभावशाली नेता रहे हैं। उन्होंने संगठन में महत्वपूर्ण भूमिकाएँ निभाई हैं, और भाजपा के कार्यकर्ताओं के बीच अपनी सादगी और संगठनात्मक क्षमता के लिए जाने जाते हैं। हालांकि, उनका राजनीतिक करियर विवादों से भी अछूता नहीं रहा। 2005 में जब एक कथित अश्लील सीडी सामने आई, तो जोशी को भाजपा से इस्तीफा देना पड़ा, लेकिन जांच में यह सीडी झूठी साबित हुई। इसके बावजूद, उनका नाम हमेशा चर्चाओं में रहा। अब, जब जोशी को पार्टी का नया अध्यक्ष बनाने की चर्चा हो रही है, तो यह मोदी और संघ दोनों के बीच तनाव की एक नई लहर पैदा कर रहा है। जोशी के साथ मोदी का पुराना मतभेद रहा है, और यह सवाल उठता है कि क्या मोदी और जोशी के बीच का यह तनाव पार्टी के नेतृत्व को प्रभावित करेगा? प्रधानमंत्री मोदी और उनके करीबी सहयोगी अमित शाह के नेतृत्व में भाजपा ने सत्ता की राजनीति में अभूतपूर्व सफलता प्राप्त की है। वे किसी भी रणनीतिक कदम को काफी सोच-समझकर उठाते हैं। अब, जब भाजपा का नया अध्यक्ष चुनने का सवाल है, तो मोदी और शाह की सोच यह है कि कोई ऐसा नेता चाहिए, जो मोदी की नीतियों के प्रति पूरी निष्ठा रखे। इस कारण, संघ द्वारा पसंद किए गए जोशी के नाम पर असमंजस का माहौल पैदा हो गया है। इसके अलावा, भूपेंद्र यादव, धर्मेंद्र प्रधान और शिवराज सिंह चौहान जैसे अन्य नेताओं के नाम भी चर्चा में हैं, लेकिन उनका भविष्य संगठन की सोच और शक्ति के संतुलन पर निर्भर करेगा। अगर भाजपा और आरएसएस के बीच यह तनाव बढ़ता है, तो इसका असर पार्टी के संगठनात्मक ढांचे और उसकी चुनावी रणनीतियों पर पड़ा सकता है। संघ का महत्व पार्टी में कभी कम नहीं हुआ, और पार्टी का नेतृत्व संघ के विचारों के प्रति निष्ठावान होना चाहिए। लेकिन मोदी के नेतृत्व में भाजपा की चुनावी रणनीति ने पार्टी को नए रास्ते पर चलने का अवसर दिया है। इन दोनों के बीच संतुलन बनाए रखना कठिन हो सकता है, और यह सवाल उठता है कि क्या भाजपा संघ की विचारधारा के प्रति सच्ची निष्ठा दिखाएगी, या फिर मोदी की नई दिशा और नीतियों को स्वीकार करेगी? भाजपा और आरएसएस के बीच यह संघर्ष और मतभेद कहीं न कहीं भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के चयन के मुद्दे पर एक नई राजनीतिक दिशा की ओर इशारा कर रहे हैं। यह खाई समय के साथ बढ़ सकती है या फिर समझौते के रास्ते पर भी जा सकती है। फिलहाल, संजय जोशी, शिवराज सिंह चौहान, भूपेंद्र यादव और धर्मेंद्र प्रधान जैसे नेताओं के नाम इस राजनीतिक खेल के महत्वपूर्ण मोहरे बनकर उभरे हैं। अब देखना यह होगा कि भाजपा और आरएसएस के रिश्तों की यह शीत युद्ध कब समाप्त होगी, या फिर यह और गहरी होती जाएगी।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

शक्ति, साधना और सिद्धि का महोत्सव है नवरात्रि

योगेश कुमार गोयल

भारतीय समाज में नवरात्रि पर्व का विशेष महत्व है, जो आदि शक्ति दुर्गा की पूजा का पावन पर्व है। नवरात्रि के नौ दिन देवी दुर्गा के विभिन्न नौ स्वरूपों की उपासना के लिए निर्धारित हैं और इसीलिए नवरात्रि को नौ शक्तियों के मिलन का पर्व भी कहा जाता है। चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि से नवरात्रि की शुरुआत होती है और इस बार नवरात्रि पर्व की शुरूआत 30 मार्च से हो रही है, जिसका समापन 6 अप्रैल को होगा। प्रतिपदा से शुरू होकर नवमी तक चलने वाले नवरात्र नवशक्तियों से युक्त हैं और हर शक्ति का अपना-अपना अलग महत्व है। नवरात्र के पहले स्वरूप में मां दुर्गा पर्वतराज हिमालय की पुत्री पार्वती के रूप में विराजमान हैं। नंदी नामक वृषभ पर सवार शैलपुत्री के दाहिने हाथ में त्रिशूल और बाएं हाथ में कमल का पुष्प है। शैलराज हिमालय की कन्या होने के कारण इन्हें शैलपुत्री कहा गया। इन्हें समस्त वन्य जीव-जंतुओं की रक्षक माना जाता है। दुर्गम स्थलों पर स्थित बस्तियों में सबसे पहले शैलपुत्री के मंदिर की स्थापना इसीलिए की जाती है कि वह स्थान सुरक्षित रह सके। मां दुर्गा के दूसरे स्वरूप 'ब्रह्मचारिणी' को समस्त विद्याओं की ज्ञाता माना गया है। माना जाता है कि इनकी आराधना से अनंत फल की प्राप्ति और तप, त्याग, वैराग्य, सदाचार, संयम जैसे गुणों की वृद्धि होती है। 'ब्रह्मचारिणी' अर्थात् तप की चारिणी यानी तप का आचरण करने वाली। ब्रह्मचारिणी श्वेत वस्त्र पहने दाएं हाथ में अष्टदल की माला और बाएं हाथ में कमंडल लिए सुशोभित है। कहा जाता है कि देवी ब्रह्मचारिणी अपने पूर्व जन्म में पार्वती स्वरूप में थीं। वह भगवान शिव को पाने के लिए 1000 साल तक सिर्फ फल खाकर रहीं और 3000 साल तक शिव की तपस्या सिर्फ पेड़ों से गिरी पत्तियां खाकर की। इसी कड़ी तपस्या के कारण उन्हें ब्रह्मचारिणी कहा गया। मां दुर्गा का तीसरा स्वरूप है चंद्रघंटा। शक्ति के रूप में विराजमान मां चंद्रघंटा मस्तक पर घंटे के आकार का आधा चंद्रमा है। देवी का यह तीसरा स्वरूप भक्तों का कल्याण करता है। इन्हें ज्ञान की देवी भी माना गया है। बाघ पर सवार मां चंद्रघंटा के चारों तरफ अद्भुत तेज है। इनके शरीर का रंग स्वर्ण के समान चमकीला है। यह तीन नेत्रों और दस हाथों वाली हैं। इनके दस हाथों में कमल, धनुष-बाण, कमंडल, तलवार, त्रिशूल और गदा जैसे अस्त्र-शस्त्र हैं।

कंठ में सफेद पुष्पों की माला और शीष पर रत्नजड़ित मुकुट विराजमान हैं। यह साधकों को चिरायु, आरोग्य, सुखी और सम्पन्न होने का वरदान देती हैं। कहा जाता है कि यह हर समय दुष्टों का संहार करने के लिए तत्पर रहती हैं और युद्ध से पहले उनके घंटे की आवाज ही राक्षसों को भयभीत करने के लिए काफी होती है।

चतुर्थ स्वरूप है कुष्मांडा। देवी कुष्मांडा भक्तों को रोग, शोक और विनाश से मुक्त करके आयु, यश, बल और बुद्धि प्रदान करती हैं। यह बाघ की सवारी करती हुई अष्टभुजाधारी, मस्तक पर रत्नजड़ित स्वर्ण मुकुट पहने उज्जवल स्वरूप वाली दुर्गा हैं। इन्होंने अपने हाथों में कमंडल, कलश, कमल, सुदर्शन चक्र, गदा, धनुष, बाण और अक्षमाला धारण की हैं। अपनी मंद मुस्कान से ब्रह्मांड को उत्पन्न करने के कारण इनका नाम कुष्मांडा पड़ा। कहा जाता है कि जब दुनिया नहीं थी तो चारों तरफ सिर्फ अंधकार था। ऐसे में देवी ने अपनी हल्की-सी हंसी से ब्रह्मांड की उत्पत्ति की। वह सूरज के घेरे में रहती हैं। सिर्फ उन्हीं के अंदर इतनी शक्ति है, जो सूरज की तपिश को सहन कर सकें। मान्यता है कि वही जीवन की शक्ति प्रदान करती हैं। दुर्गा का पांचवां स्वरूप है स्कन्दमाता। भगवान स्कन्द (कार्तिकेय) की माता होने के कारण देवी के इस स्वरूप को स्कन्दमाता के नाम से जाना जाता है। यह कमल के आसन पर विराजमान हैं, इसलिए इन्हें पद्मासन देवी भी कहा जाता है। इनका वाहन भी सिंह है। इन्हें कल्याणकारी शक्ति की अधिष्ठात्री कहा जाता है। यह दोनों हाथों में कमलदल लिए हुए और एक हाथ से अपनी गोद में ब्रह्मस्वरूप सनतकुमार को थामे हुए हैं। स्कन्द माता की गोद में उन्हीं का सूक्ष्म रूप छह सिर वाली देवी का है।

दुर्गा मां का छठा स्वरूप है कात्यायनी। यह दुर्गा देवताओं और ऋषियों के कार्यों को सिद्ध करने लिए महर्षि कात्यायन के आश्रम में प्रकट हुईं। उनकी पुत्री होने के कारण ही इनका नाम कात्यायनी पड़ा। देवी कात्यायनी दानवों व पापियों का नाश करने वाली हैं। वैदिक युग में ये ऋषि-मुनियों को कष्ट देने वाले दानवों को अपने तेज से ही नष्ट कर देती थीं। यह सिंह पर सवार, चार भुजाओं वाली और सुसज्जित आभा मंडल वाली देवी हैं। इनके बाएं हाथ में कमल और तलवार व दाएं हाथ में स्वस्तिक और आशीर्वाद की मुद्रा है। दुर्गा का सातवां स्वरूप कालरात्रि है, जो देखने में भयानक है लेकिन सदैव शुभ फल देने वाला होता है। इन्हें 'शुभंकारी' भी कहा जाता है। 'कालरात्रि' केवल शत्रु एवं दुष्टों का संहार करती हैं। यह काले रंग-रूप वाली, केशों को फैलाकर रखने वाली और चार भुजाओं वाली दुर्गा हैं। यह वर्ण और वेश में अर्द्धनारीश्वर शिव की तांडव मुद्रा में नजर आती हैं। इनकी आंखों से अग्नि की वर्षा होती है। एक हाथ से शत्रुओं की गर्दन पकड़कर दूसरे हाथ में खड़ग-तलवार से उनका नाश करने वाली कालरात्रि विकट रूप में विराजमान हैं।

इनकी सवारी गधा है, जो समस्त जीव-जंतुओं में सबसे अधिक परिश्रमी माना गया है।

नवरात्र के आठवें दिन दुर्गा के आठवें रूप महागौरी की उपासना की जाती है। देवी ने कठिन तपस्या करके गौर वर्ण प्राप्त किया था। कहा जाता है कि उत्पत्ति के समय 8 वर्ष की आयु की होने के कारण नवरात्र के आठवें दिन इनकी पूजा की जाती है। भक्तों के लिए यह अन्नपूर्णा स्वरूप हैं, इसलिए अष्टमी के दिन कन्याओं के पूजन का विधान है। यह धन, वैभव और सुख-शांति की अधिष्ठात्री देवी हैं। इनका स्वरूप उज्जवल, कोमल, श्वेतवर्णा तथा श्वेत वस्त्रधारी है। यह एक हाथ में त्रिशूल और दूसरे में डमरू लिए हुए हैं। गायन और संगीत से प्रसन्न होने वाली 'महागौरी' सफेद वृषभ यानी बैल पर सवार हैं।

नवीं शक्ति 'सिद्धिदात्री' सभी सिद्धियां प्रदान करने वाली हैं, जिनकी उपासना से भक्तों की मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। कमल के आसन पर विराजमान देवी हाथों में कमल, शंख, गदा, सुदर्शन चक्र धारण किए हैं। सिद्धिदात्री देवी सरस्वती का भी स्वरूप हैं, जो श्वेत वस्त्रालंकार से युक्त महाज्ञान और मधुर स्वर से भक्तों को सम्मोहित करती हैं।

(लेखक साढ़े तीन दशक से पत्रकारिता में निरंतर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार हैं)

नव संवत्सर:भारत का नव वर्ष

सुरेश हिन्दुस्थानी

आज यह प्रामाणिक रूप से कहा जा सकता है कि अपने स्वर्णिम अतीत को विस्मृत करने वाला भारतीय समाज अब अपनी जड़ों की ओर लौट रहा है। सही मायनों में कहा जाए तो समाज प्राकृतिक होने की ओर कदम बढ़ा चुका है। विश्व की महान और शाश्वत परंपराओं का धनी भारत देश भले ही अपने अपनी पहचान बताने वाली कई बातों का भूल गया हो, लेकिन कुछ बातें ऐसी भी हैं, जिनका स्वरुप आज भी वैसा ही दिखाई देता है, जैसा दिग्विजयी भारत का था। हम भले ही अपने शुभ कार्यों में अंग्रेजी तिथियों का उल्लेख करते हों, लेकिन उन तिथियों का उन शुभ कार्यों से कोई संबंध नहीं रहता। हम जानते हैं कि भारत में जितने भी त्यौहार एवं मांगलिक कार्य किए जाते हैं, उन सभी में केवल भारतीय काल गणना को ही प्रधानता दी जाती है। इसका आशय स्पष्ट है कि भारतीय ज्योतिष उस कार्य के गुण और दोष को भली भांति प्रकट करने की क्षमता रखता है। किसी अन्य कालगणना में यह संभव ही नहीं है। वर्तमान में हम भले ही स्वतंत्र हो गए हों, लेकिन पराधीनता का काला साया एक आवरण की तरह हमारे सिर पर विद्यमान है। जिसमें चलते हम उस राह का अनुसरण करने की ओर प्रवृत्त हुए हैं, जो हमारे संस्कारों के साथ समरस नहीं है। अब नव वर्ष को ही ले लीजिए। अंग्रेजी पद्धति से एक जनवरी को मनाया जाने वाला वर्ष नया कहीं से भी नहीं लगता। इसके नाम पर किया जाने वाला मनोरंजन फूहड़ता के अलावा कुछ भी नहीं है। सोचने की बात यह है कि आधुनिकता के नाम पर समाज का अभिजात्य वर्ग वह सब कुछ कर रहा है, जो सभ्य और भारतीय समाज के लिए स्वीकार करने योग्य नहीं है। विसंगति तो यह है कि हमारे समाज के यही लोग संस्कृति बचाने के नाम पर लम्बे चौड़े व्याख्यान देते हैं। भारतीय काल गणना के अनुसार मनाए जाने वाले त्यौहारों के पीछे कोई न कोई प्रेरणा विद्यमान है। हम जानते हैं कि हिन्दी के अंतिम मास फाल्गुन में वातावरण भी वर्ष समाप्ति का संकेत देता है, साथ ही नव वर्ष के प्रथम दिन से ही वातावरण सुखद हो जाता है। हमारे ऋषि मुनि कितने श्रेष्ठ होंगे, जिन्होंने ऐसी काल गणना विकसित की, जिसमें कब क्या होना है, इस बात की पूरी जानकारी समाहित है। पिछले दो हजार वर्षों में अनेक देशी और विदेशी राजाओं ने अपनी साम्राज्यवादी आकांक्षाओं की तुष्टि करने तथा इस देश को राजनीतिक दृष्टि से पराधीन बनाने के प्रयोजन से अनेक संवतों को चलाया, किंतु भारत राष्ट्र की सांस्कृतिक पहचान केवल विक्रमी संवत के साथ ही जुड़ी रही। अंग्रेजी शिक्षा-दीक्षा और पश्चिमी संस्कृति के प्रभाव के कारण आज भले ही सर्वत्र ईसवी संवत का बोलबाला हो और भारतीय तिथि-मासों की काल गणना से लोग अनभिज्ञ होते जा रहे हों, परंतु वास्तविकता यह भी है कि देश के सांस्कृतिक पर्व-उत्सव तथा राम, कृष्ण, बुद्ध, महावीर, गुरु नानक आदि महापुरुषों की जयंतियाँ आज भी भारतीय काल गणना के हिसाब से ही मनाई जाती हैं, ईसवी संवत के अनुसार नहीं। विवाह-मुण्डन का शुभ मुहूर्त हो या श्राद्ध-तर्पण आदि सामाजिक कार्यों का अनुष्ठान, ये सब भारतीय पंचांग पद्धति के अनुसार ही किया जाता है, ईसवी सन की तिथियों के अनुसार नहीं। इसके बाद भी हमारे समाज का एक वर्ग इस सत्य को स्वीकार नहीं कर पा रहा है। इसके कारण हम सामाजिक मान मर्यादाओं का स्वयं ही मर्दन करते जा रहे हैं। जिसके चलते इसका दुष्प्रभाव हमारे सामने आ रहा है और समाज में अनेक प्रकार की विसंगतियां भी जन्म ले रही हैं, जो भारतीय जीवन दर्शन के हिसाब से स्वीकार योग्य नहीं हैं। भारतीय नव वर्ष का अध्ययन किया जाए तो चारों तरफ नई उमंग की धारा प्रवाहित होती हुई दिखाई देती है। जहां प्रकृति अपने पुराने आवरण को उतारकर नए परिवेश में आने को आतुर दिखाई देती है, वहीं भारत माता अपने पुत्रों को धन धान्य से परिपूर्ण करती हुई दिखाई देती है।

खास बात

थरूर का भाजपा से नहीं बना रिश्ता

कांग्रेस नेता शशि थरूर भाजपा के प्रति अपना प्यार दर्शा रहे थे। भाजपा ने भी उन्हें प्रोत्साहित किया। शशि थरूर केरल की कमान थामना चाहते हैं ।भाजपा को यह मंजूर नहीं हुआ और भाजपा ने उनसे दूरी बना ली। इसी तरह से ढाई साल बाद थरूर की कांग्रेस नेता राहुल गांधी से मुलाकात हुई ।कांग्रेस ने भी स्पष्ट कर दिया है। कांग्रेस थरूर को मुख्यमंत्री का चेहरा केरल में नहीं बनाएगी। भाजपा ने केरल में भाजपा का प्रादेशिक अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर को बना दिया है। वह बड़े कारोबारी हैं। पिछली चुनाव में 16000 से कम वोटो से वह थरूर से चुनाव हारे थे। केरल में उनकी लोकप्रियता भी है। ऐसी स्थिति में शशि थरूर को समझ नहीं आ रहा है, वह क्या करें ।फिलहाल शांत रहना ही उन्होंने बेहतर समझा।

सुप्रीम कोर्ट की कोई नहीं सुन रहा

सुप्रीम कोर्ट के जजों के निर्णय को ना तो केंद्र सरकार मान रही है ।नाही राज्य सरकारी मान रही हैं। उत्तर प्रदेश सरकार ने बुलडोजर का न्याय शुरू किया था। योगी बाबा के बुलडोजर न्याय पर सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगाई थी। लेकिन किसी भी राज्य सरकार ने सुप्रीम कोर्ट की बात नहीं मानी। हाल ही में महाराष्ट्र की सरकार ने नागपुर दंगे के आरोपी के घर को तोड़ दिया। एक धर्म विशेष के लोगों के घरों से जो बुलडोजर न्याय उत्तर प्रदेश से शुरू हुआ था। वह राजस्थान, उत्तराखंड, मध्य प्रदेश और अब महाराष्ट्र पहुंच गया है। हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट ने आंख में पट्टी बांध के रखी है। सुप्रीम कोर्ट के जज कई बार कई याचिकाओं में राज्य सरकारों को फटकार लगा चुके हैं ।कई बार सुप्रीम कोर्ट निर्देश जारी कर चुका है। संज्ञान लेने और न्यायालय की अवमानना करने का मुकदमा चलाने की हिम्मत न्यायपालिका में नहीं है।

भूकंप की तबाही देख इंसानियत जागी

म्यांमार और थाईलैंड में भूकंप ने भारी तबाही मचाई है। इस तबाही को देखते हुए भारत ने जहां ऑपरेशन ब्रह्मा चलाकर मदद शुरु कर दी है तो वहीं पूरी दुनिया ने मदद के लिए हाथ बढ़ाया है। इस बीच एक्स के मालिक एलन मस्क की भी इंसानियत जागी और उन्होंने भी मदद की पेशकश कर दी। यह अलग बात है कि सभी की मदद अपने-अपने लिहाज से अलग-अलग हैं। भारत ने खाने-पीने और रहने से लेकर आवश्यक दबाओं संबंधी मदद पहुंचाई है तो वहीं मस्क ने कहा कि आपदा की घड़ी में वह कम्युनिकेशन में मदद करेंगे। मस्क ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि थाईलैंड और म्यांमार में भूकंप से हुए नुकसान से वह बहुत दुखी हैं। स्पेसएक्स की टीम संचार आवश्यकताओं और राहत प्रयासों में सहायता के लिए स्टारलिंक किट प्रदान करने के लिए तैयार है।

नेपाल में हिंदु राष्ट्र की मांग के मायने

नेपाल में एक बार फिर हिंदू राष्ट्र की मांग जोर पकड़ रही है। इसके चलते काठमांडू समेत कई क्षेत्रों में प्रदर्शनकारियों और सुरक्षाबलों में झड़प होने की भी खबरें हैं। हालात बिगड़ते जा रहे हैं, जिस कारण कई जगहों पर आगजनी भी हुई और कम से कम दो लोगों की मौत हो गई। हालात बेकाबू होते देख नेपाल सरकार ने सेना को सड़क पर मोर्चा संभालने उतारा है और कई इलाकों में कर्फ्यू लगा दिया गया है। गौरतलब है कि साल 2008 में नेपाल की जनता ने राजशाही को खत्म करके लोकतंत्र पर भरोसा जताया था। अब आरोप लग रहे हैं कि लोकतंत्र के नाम पर कम्युनिस्ट सरकार ने केवल चीन की हिमायती बनने का काम किया है।

राशिफल

शुभ संवत 2082, शाके 1947, सौम्य गोष्ठ, चैत्र शुक्ल पक्ष, बसंत ऋतु, गुरु उदय पूर्वे शुक्रोदय पूर्वे तिथि प्रतिपदा रेवती नक्षत्रे, ऐग योगे, वव करणे, मीन की चंद्रमा, संवतसर प्रारंभ, बसंत ऋतु, नवरात्रि प्रारंभ, कलश स्थापना, तथापि उत्तर दिशा की यात्रा शुभ व उत्तम होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल: आज जन्म लिया बालक योग्य, बुद्धिमान, कुशल वक्ता, शासक-प्रशासक, उत्तम कर्मचारी, जिद्दी-हठी, शिक्षक, लेक्चरार, प्रोफेसर, प्रिंसपल, पंडित, विद्वान तथा शिक्षाविद्, शिक्षाशास्त्री होगा।

मेष राशि- आशानुकूल सफलता से हर्ष, व्यवसायिक क्षमता अवश्य ही बन जायेंगी।

वृष राशि- मानसिक खिन्नता, स्वभाव में बेचैनी, इष्ट मित्रों से लाभ अवश्य ही होगा।

मिथुन राशि- स्वभाव में बेचैनी, इष्ट मित्रों से क्लेश हो तथा मनमाफिक कार्य बनेंगा।

कर्क राशि- धन लाभ, किसी तनाव से बचें, व्यवसायिक क्षमता की गति धीमी होगी।

सिंह राशि- लेनदेन के मामले स्थिगित रखें, किसी के चंगुल में फंसने से अवश्य बचिये।

कन्या राशि- बड़े लोगों के सम्पर्क से कार्य में सफलता में वृद्धि के योग अवश्य ही बनेंगे।

तुला राशि- दूसरों की समस्याओं में उलझने से बचें, लाभांवित योजना अवश्य ही बनेगी।

वृश्चिक राशि- कार्य-व्यवसाय में समृद्धि, योजना फलीभूत होने के योग अवश्य ही बनेंगे।

धनु राशि- विरोधियों से तनाव-क्लेश, धन का व्यय, मानसिक उद्विघ्नता बनी रहेगी।

मकर राशि- धन लाभ होकर हाथ से जाता रहे, विघटनकारी तत्व परेशान अवश्य करेंगे।

कुंभ राशि- अनावश्यक विवाद कष्टप्रद हो, भाग्य का सितारा प्रबल होगा, ध्यान रखें।

मीन राशि- स्थति नियंत्रण से विवाद हो, स्वास्थ्य नरम रहे, परिश्रम विफल होगा।

पीएल गौतमाचार्य

दैनिक पंचांग

30 मार्च 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मीन में	मेष	06.43 बजे से
चंद्र	मीन में	वृष	08.23 बजे से
मंगल	मिथुन में	मिथुन	10.21 बजे से
बुध	मीन में	कर्क	12.34 बजे से
गुरु	वृष में	सिंह	14.50 बजे से
शुक्र	मीन में	कन्या	17.02 बजे से
शनि	मीन में	तुला	19.13 बजे से
राहु	मीन में	वृश्चिक	21.28 ब.से
केतु	कन्या में	धनु	23.44 बजे से
		मकर	01.49 बजे से
		कुंभ	03.35 बजे से
		मीन	05.08 बजे से

राहुकाल 4.30 से 6.00 बजे तक

रविवार 2025 वर्ष का 89 वा दिन **दिशाशूल** पश्चिम **ऋतु** बसंत। **विक्रम संवत्** 2081 **शक संवत्** 1946 **मास** चैत्र (दक्षिण भारत में फाल्गुन) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** प्रतिपदा 12.50 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** रेवती 16.35 बजे को समाप्त। **योग** इन्द्र 17.54 बजे को समाप्त। **करण** बव 12.50 बजे तदनन्तर बालव 23.00 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 0.6 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 03° 47' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872299 **जूलियन दिन** 2460764.5 **कलियुग संवत्** 5125 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2551 **हिजरी सन्** 1446 **महीना** रमजान **तारीख** 29 **विशेष** चंद्र दर्शन, चैत्र नवरात्रि, गुडी पडवा, उगादी।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
उद्वेग	05.56 से	07.23 बजे तक	शुभ	05.36 से	07.09 बजे तक
चर	07.23 से	08.51 बजे तक	अमृत	07.09 से	08.41 बजे तक
लाभ	08.51 से	10.18 बजे तक	चर	08.41 से	10.14 बजे तक
अमृत	10.18 से	11.46 बजे तक	रोग	10.14 से	11.46 बजे तक
काल	11.46 से	01.14 बजे तक	काल	11.46 से	01.19 बजे तक
शुभ	01.14 से	02.41 बजे तक	लाभ	01.19 से	02.51 बजे तक
रोग	02.41 से	04.09 बजे तक	उद्वेग	02.51 से	04.24 बजे तक
उद्वेग	04.09 से	05.36 बजे तक	शुभ	04.24 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

मूंगफली की उन्नत खेती

निराई गुड़ाई एवं खरपतवार नियंत्रण

मूंगफली भारत की मुखय महत्त्वपूर्ण तिलहनी फसल है। यह गुजरात, आन्ध्र प्रदेश, तमिलनाडू तथा कर्नाटक राज्यों में सबसे अधिक उगाई जाती है। अन्य राज्य जैसे मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, राजस्थान तथा पंजाब में भी यह काफी महत्त्वपूर्ण फसल मानी जाने लगी है।

भूमि एवं उसकी तैयारी

मूंगफली की खेती के लिये अच्छे जल निकास वाली, भुरभुरी दोमट व बलुई दोमट भूमि सर्वोत्तम रहती है। मिट्टी पलटने वाले हल तथा बाद में कल्टीवेटर से दो जुताई करके खेत को पाटा लगाकर समतल कर लेना चाहिए।जमीन में दीमक व विभिन्न प्रकार के कीड़ों से फसल के बचाव हेतु क्विनलफोस 1.5 प्रतिशत 25 कि.ग्रा. प्रति हेक्टर की दर से अंतिम जुताई के साथ जमीन में मिला देना चाहिए।

बीज एवं बुवाई

मूंगफली की बुवाई प्रायः मानसून शुरू होने के साथ ही हो जाती है। उत्तर भारत में यह समय सामान्य रूप से 15 जून से 15 जुलाई के मध्य का होता है। कम फैलने वाली किस्मों के लिये बीज की मात्रा 75-80 कि.ग्राम. प्रति हेक्टर एवं फैलने वाली किस्मों के लिये 60-70 कि.ग्रा. प्रति हेक्टर उपयोग में लेना चाहिए बुवाई के बीज निकालने के लिये स्वस्थ फलियों का चयन करना चाहिए या उनका प्रमाणित बीज ही बोना चाहिए। बोने से 10-15 दिन पहले गिरी को फलियों से अलग कर लेना चाहिए।

बीज को बोने से पहले 3 ग्राम थाइरम या 2 ग्राम मेन्कोजेब या कार्बेण्डिजिम दवा प्रति किलो बीज के हिसाब से उपचारित कर लेना चाहिए। इससे बीजों का अंकुरण अच्छा होता है तथा प्रारम्भिक अवस्था में लगने वाले विभिन्न प्रकार के रोगों से बचाया जा सकता है। दीमक और सफेद लट से बचाव के लिये क्लोरोपायरिफास (20 ई.सी.) का 12.50 मि.ली. प्रति किलो बीज का उपचार बुवाई से पहले कर लेना चाहिए। मूंगफली को कतार में बोना चाहिए। गुच्छे वाली/कम फैलने वाली किस्मों के लिये कतार से कतार की दूरी 30 से.मी. तथा फैलने वाली किस्मों के लिये 45 से.मी.रखें। पौधों से पौधों की दूरी 15 से. मी. रखनी चाहिए। बुवाई हल के पीछे, हाथ से या सीडड्रिल द्वारा की जा सकती है। भूमि की किस्म एवं नमी की मात्रा के अनुसार बीज जमीन में 5-6 से.मी. की गहराई पर बोना चाहिए।

खाद एवं उर्वरक

उर्वरकों का प्रयोग भूमि की किस्म, उसकी उर्वराशक्ति, मूंगफली की किस्म, सिंचाई की सुविधा आदि के अनुसार होता है। मूंगफली दलहन परिवार की तिलहनी फसल होने के नाते इसको सामान्य रूप से नाइट्रोजनधारी उर्वरक की आवश्यकता नहीं होती, फिर भी हल्की मिट्टी में शुरूआत की बढ़वार के लिये 15-20 किग्रा नाइट्रोजन तथा 50-60 कि.ग्रा. फास्फोरस प्रति हैक्टर के हिसाब से देना लाभप्रद होता है। उर्वरकों की पूरी मात्रा खेत की तैयारी के समय ही भूमि में मिला देना चाहिए। यदि कम्पोस्ट या गोबर की खाद उपलब्ध हो तो उसे बुवाई के 20-25 दिन पहले 5 से 10 टन प्रति हैक्टर खेत मे बिखेर कर अच्छी तरह मिला देनी चाहिए। अधिक उत्पादन के लिए अंतिम जुताई से पूर्व भूमि में 250 कि.ग्रा.जिप्सम प्रति हैक्टर के हिसाब से मिला देना चाहिए।

नीम की खल का प्रयोग

नीम की खल के प्रयोग का मूंगफली के उत्पादन में अच्छा प्रभाव पड़ता है। अंतिम जुताई के समय 400 कि.ग्रा. नीम खल प्रति हैक्टर के हिसाब से देना चाहिए। नीम की खल से दीमक का नियंत्रण हो जाता है तथा पौधों को नत्रजन तत्वों की पूर्ति हो जाती है। नीम की खल के प्रयोग से 16 से 18 प्रतिशत तक की उपज में वृद्धि, तथा दाना मोटा होने के कारण तेल प्रतिशत में भी वृद्धि हो जाती है। दक्षिण भारत के कुछ स्थानों में

अधिक उत्पादन के लिए जिप्सम भी प्रयोग में लेते हैं।

सिंचाई

मूंगफली खरीफ फसल होने के कारण इसमें सिंचाई की प्रायः आवश्यकता नहीं पड़ती। सिंचाई देना सामान्य रूप से वर्षा के वितरण पर निर्भर करता हैं फसल की बुवाई यदि जल्दी करनी हो तो एक पलेवा की आवश्यकता पड़ती है। यदि पौधों में फूल आते समय सूखे की स्थिति हो तो उस समय सिंचाई करना आवश्यक होता है। फलियों के विकास एवं गिरी बनने के समय भी भूमि में पर्याप्त नमी की आवश्यकता होती है। जिससे फलियाँ बड़ी तथा खूब भरी हुई बनें। अतः वर्षा की मात्रा के अनुरूप सिंचाई की जरूरत पड़ सकती है।

मूंगफली की फलियों का विकास जमीन के अन्दर होता है। अतः खेत में बहुत समय तक पानी भराव रहने पर फलियों के विकास तथा उपज पर बुरा असर पड़ सकता है। अतः बुवाई के समय यदि खेत समतल न हो तो बीच-बीच में कुछ मीटर की दूरी पर हल्की नालियाँ बना देना चाहिए। जिससे वर्षा का पानी खेत में बीच में नहीं रूक पाये और अनावश्यक अतिरिक्त जल वर्षा होते ही बाहर निकल जाए।

निराई गुड़ाई एवं खरपतवार नियंत्रण

निराई गुड़ाई एवं खरपतवार नियंत्रण का इस फसल के उत्पादन में बड़ा ही महत्त्व है। मूंगफली के पौधे छोटे होते हैं। अतः वर्षा के मौसम में सामान्य रूप से खरपतवार से ढक जाते हैं। ये खरपतवार पौधों को बढ़ने नहीं देते। खरपतवारों से बचने के लिये कम से कम दो बार निराई गुड़ाई की आवश्यकता पड़ती है। पहली बार फूल आने के समय दूसरी बार 2-3 सप्ताह बाद जबकि पेग (नस्से) जमीन में जाने लगते हैं। इसके बाद निराई गुड़ाई नहीं करनी चाहिए। जिन खेतों में खरपतवारों की ज्यादा समस्या हो तो बुवाई के 2 दिन बाद तक पेन्डीमेथालिन नामक खरपतवारनाशी की 3 लीटर मात्रा को 500 लीटर पानी में घोल बनाकर प्रति हैक्टर छिड़काव कर देना चाहिए।

फसल चक्र

असिंचित क्षेत्रों में सामान्य रूप से फैलने वाली किस्में ही उगाई जाती हैं जो प्रायः देर से तैयार होती है। ऐसी दशा में सामान्य रूप से एक फसल ली जाती है। परन्तु गुच्छेदार तथा शीघ्र पकने वाली किस्मों के उपयोग करने पर अब साथ में दो फसलों का उगाया जाना ज्यादा संभव हो रहा है। सिंचित क्षेत्रों में सिंचाई करके जल्दी बोई गई फसल के बाद गेहूँ की खासकर देरी से बोई जाने वाली किस्में उगाई जा सकती हैं।

रोग नियंत्रण

उगते हुए बीज का सड़न रोगः कुछ रोग उत्पन्न करने वाले कवक (एर्स्पर्जिलस नाइजर, एर्स्पर्जिलस फ्लेवस आदि) जब बीज उगने लगता है उस समय इस पर आक्रमण करते हैं। इससे बीज पत्रों, बीज पत्राधरों एवं तनों पर गोल हल्के भूरे रंग के धब्बे पड़ जाते हैं। बाद में ये धब्बे मुलायम हो जाते हैं तथा पौधे सड़ने लगते हैं और फिर सड़कर गिर जाते हैं। फलस्वरूप खेत में पौधों की संखया बहुत कम हो जाती है और जगह-जगह खेत खाली हो जाता है। खेत में पौधों की भरपूर संखया के लिए सामान्य रूप से मूंगफली के प्रमाणित बीजों को बोना चाहिए। अपने बीजों को बोने से पहले 2.5 ग्राम थाइरम प्रति किलोग्राम बीज के हिसाब से उपचारित कर लेना चाहि।

रोजेट रोग

रोजेट (गुच्छरोग) मूंगफली का एक विषाणु (वाइरस) जनित रोग है इसके प्रभाव से पौधे अति बौने रह जाते हैं साथ पत्तियों में ऊतकों का रंग पीला पड़ना प्रारम्भ हो जाता है। यह रोग सामान्य रूप से विषाणु फैलाने वाली माहूँ से फैलता है अतः इस रोग को फैलने से रोकने के लिए पौधों को जैसे ही खेत में दिखाई दें, उखाड़कर फेंक देना चाहिए। इस रोग को फैलने से रोकने के लिए इमिडाक्लोरपिड 1 मि.ली. को 3 लीटर पानी में घोल कर छिड़काव कर देना चाहिए।

टिक्का रोग

यह इस फसल का बड़ा भयंकर रोग है। आरम्भ में पौधे के नीचे वाली पत्तियों के ऊपरी सतह पर गहरे भूरे रंग के छोटे-छोटे गोलाकार धब्बे दिखाई पड़ते हैं ये धब्बे बाद में ऊपर की पत्तियों तथा तनों पर भी फैल जाते हैं। संक्रमण की उग्र अवस्था में पत्तियाँ सूखकर झड़ जाती हैं तथा केवल तने ही शेष रह जाते हैं।

इससे फसल की पैदावार काफी हद तक घट जाती है। यह बीमारी सर्कोस्पोरा परसोनेटा या सर्कोस्पोरा अरैडिकोला नामक कवक द्वारा उत्पन्न होती है। भूमि में जो रोगग्रसित पौधों के अवशेष रह जाते हैं उनसे यह अगले साल भी फैल जाती है इसकी रोकथाम के लिए डाइथेन एम-45 को 2 किलोग्राम एक हजार लीटर पानी में घोलकर प्रति हैक्टर की दर से दस दिनों के अन्तर पर दो-तीन छिड़काव करने चाहिए।

कीट नियंत्रण

रोमिल इल्ली

रोमिन इल्ली पत्तियों को खाकर पौधों को अंगविहीन कर देता है। पूर्ण विकसित इल्लियों पर घने भूरे बाल होते हैं। यदि इसका आक्रमण शुरू होते ही इनकी रोकथाम न की जाय तो इनसे फसल की बहुत बड़ी क्षति हो सकती है। इसकी रोकथाम के लिए आवश्यक है कि खेत में इस कीड़े के दिखते ही जगह-जगह पर बन रहे इसके अण्डों या छोटे-छोटे इल्लियों से लद रहे पौधों या पत्तियों को काटकर या तो जमीन में दबा दिया जाय या फिर उन्हें घास-फूँस के साथ जला दिया जाय। इसकी रोकथाम के लिए क्विनलफास 1 लीटर कीटनाशी दवा को 700-800 लीटर पानी में घोल बना प्रति हैक्टर छिड़काव करना चाहिए।

मूंगफली की माहु

सामान्य रूप से छोटे-छोटे भूरे रंग के कीड़े होते हैं। तथा बहुत बड़ी संखया में एकत्र होकर पौधों के रस को चूसते हैं। साथ ही वाइरस जनित रोग के फैलाने में सहायक भी होती है। इसके नियंत्रण के लिए इस रोग को फैलने से रोकने के लिए इमिडाक्लोरपिड 1 मि.ली. को 1 लीटर पानी में घोल कर छिड़काव कर देना चाहिए

लीफ माइनर

लीफ माइनर के प्रकोप होने पर पत्तियों पर पीले रंग के धब्बे दिखाई पड़ने लगते हैं। इसके गिडार पत्तियों में अन्दर ही अन्दर हरे भाग को खाते रहते हैं और पत्तियों पर सफेद धारियाँ सी बन जाती हैं। इसका प्यूपा भूरे लाल रंग का होता है इससे फसल की काफी हानि हो सकती हैं। मादा कीट छोटे तथा चमकीले रंग के होते हैं मुलायम तनों पर अण्डा देती है। इसकी रोकथाम के लिए इमिडाक्लोरपिड 1 मि.ली. को 1 लीटर पानी में घोल छिड़काव कर देना चाहिए।

सफेद लट

मूंगफली को बहुत ही क्षति पहुँचाने वाला कीट है। यह बहुभोजी कीट है इस कीट की ग्रव अवस्था ही फसल को काफी नुकसान पहुँचाती है। लट मुखय रूप से जड़ों एवं पत्तियों को खाते हैं जिसके फलस्वरूप पौधे सूख जाते हैं। मादा कीट मई-जून के महीनें में जमीन के अन्दर अण्डे देती है। इनमें से 8-10 दिनों के बाद लट निकल आते हैं। और इस अवस्था में जुलाई से सितम्बर-अक्टूबर तक बने रहते हैं। शीतकाल में लट जमीन में नीचे चले जाते हैं और प्यूपा फिर गर्मी व बरसात के साथ ऊपर आने लगते हैं। क्लोरोपायरिफास से बीजोपचार प्रारंभिक अवस्था में पौधों को सफेद लट से बचाता है। अधिक प्रकोप होने पर खेत में क्लोरोपायरिफास का प्रयोग करें । इसकी रोकथाम फोरेट की 25 किलोग्राम मात्रा को प्रति हैक्टर खेत में बुवाई से पहले भुरका कर की जा सकती है।

बीज उत्पादन

मूंगफली का बीज उत्पादन हेतु खेत का चयन महत्त्वपूर्ण होता है। मूंगफली के लिये ऐसे खेत चुनना चाहिए जिसमें लगातार 2-3 वर्षो से मूगंफली की खेती नहीं की गई हो भूमि में जल का अच्छा प्रबंध होना चाहिए। मूंगफली के बीज उत्पादन हेतु चुने गये खेत के चारों तरफ 15-20 मीटर तक की दूरी पर मूंगफली की फसल नहीं होनी चाहिए। बीज उत्पादन के लिये सभी आवश्यक कृषि क्रियायें जैसे खेत की तैयारी, बुवाई के लिये अच्छा बीज, उन्नत विधि द्वारा बुवाई, खाद एवं उर्वरकों का उचित प्रयोग, खरपतवारों एवं कीड़े एवं बीमारियों का उचित नियंत्रण आवश्यक है। अवांछनीय पौधों की फूल बनने से पहले एवं फसल की कटाई के पहले निकालना आवश्यक है। फसल जब अच्छी तरह पक जाय तो खेत के चारों ओर का लगभग 10 मीटर स्थान छोड़कर फसल काट लेनी चाहिए तथा सुखा लेनी चाहिए। दानों में 8-10 प्रतिशत से अधिक नमी नहीं होनी चाहिए। मूंगफली को ग्रेडिंग करने के बाद उसे कीट एवं कवक नाशी रसायनों से उपचारित करके बोरों में भर लेना चाहिए। इस प्रकार उत्पादित बीज को अगले वर्ष की बुवाई के लिये उपयोग में लिया जा सकता है।

कटाई एवं गहाई

सामान्य रूप से जब पौधे पीले रंग के हो जायें तथा अधिकांश नीचे की पत्तियाँ गिरने लगे तो तुरंत कटाई कर लेनी चाहिए। फलियों को पौधों से अलग करने के पूर्व उन्हें लगभग एक सप्ताह तक अच्छी प्रकार सुखा लेना चाहिए। फलियों को तब तक सुखाना चाहिए जब तक उनमें नमी की मात्रा 10 प्रतिशत तक न हो जायें क्योंकि अधिक नमी वाली फलियों को भंडारित करने पर उस पर बीमारियों का खासकर सफेद फंफूदी का प्रकोप हो सकता है।

उपज एवं आर्थिक लाभ

उन्नत विधियों के उपयोग करने पर मूंगफली की सिंचित क्षेत्रों में औसत उपज 20-25 क्विण्टल प्रति हेक्टर प्राप्त की जा सकती है। इसकी खेती में लगभग 25-30 हजार रुपये प्रति हेक्टर का खर्चा आता हैं। मूंगफली का भाव 30 रुपये प्रतिकिलो रहने पर 35 से 40 हजार रुपये प्रति हेक्टर का शुद्ध लाभ प्राप्त किया जा सकता है।

ग्वार की उन्नतशील खेती

भूमिका

ग्वार की खेती देश के पश्चिमी भाग के शुष्क और अर्ध-शुष्क क्षेत्रों में किसानों की आय बढ़ाने के लिए ग्वार एक अति महत्वपूर्ण फसल है। यह सूखा सहन करने के अतिरिक्त अधिक तापक्रम को भी सह लेती है। भारत में ग्वार की खेती प्रमुख रूप से राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, गुजरात व उत्तर प्रदेश में की जाती है। सब्जी वाली ग्वार की फसल से बुवाई के 55-60 दिनों बाद कच्ची फलियां तुड़ाई पर आ जाती हैं। अतः ग्वार के दानों और ग्वार चूरी को पशुओं के खाने और प्रोटीन की आपूर्ति के लिए भी प्रयोग किया जाता है। ग्वार की फसल वायुमंडलीय नाइट्रोजन का भूमि में स्थिरीकरण करती है। अतः ग्वार जमीन की ताकत बढ़ाने में भी उपयोगी है।

फसल चक्र में ग्वार के बाद ली जाने वाली फसल की उपज हमेशा बेहतर मिलती है। ग्वार खरीफ ऋतु में उगायी जाने वाली एक बहु-उपयोगी फसल है। ग्वार कम वर्षा और विपरीत परिस्थितियों वाली जलवायु में भी आसानी से उगायी जा सकती है। ग्वार की एक प्रमुख विशेषता यह भी है कि यह उन मृदाओं में आसानी से उगायी जा सकती है जहां दूसरी फसलें उगाना अत्यधिक कठिन है। अतः कम सिंचाई वाली परिस्थितियों में भी इसकी खेती सफलतापूर्वक की जा सकती है। भारत विश्व में सबसे अधिक ग्वार की फसल उगाने वाला देश है। दलहनी फसलों में ग्वार का भी विशेष योगदान है। यह फसल राजस्थान, उत्तर प्रदेश, गुजरात,हरियाणा प्रदेशो में ली जाती हैं।

उन्नतशील प्रजातियॉ

बुन्देल ग्वार-1, बुन्देल ग्वार-2, बुन्देल ग्वार-3, आर.जी.सी.-986, आर.जी.सी.-1002 एवं आर.जी. सी.-1003

बुआई का समय

जुलाई के पहले पखवाड़े/या मानसून प्रारम्भ के बाद।

भूमि का चुनाव

अच्छे जलनिकास व उच्च उर्वरता वाली दोमट भूमि सर्वोत्तम रहती है। खेत में पानी का ठहराव
फसल को भारी हानि पहुँचाता है।

खेत की तैयारी

से 2-3 जुताई अथवा हैरो से करना उचित रहता है।
उर्वरक
प्रति हैक्टर 20 किग्रा नाइटरोजन, 40-60 किग्रा फास्फोरस की आवश्यकता होती है।

बीजशोधन

मृदाजनित रोगों से बचाव के लिए बीजों को 2 ग्राम थीरम व 1 ग्राम कार्वेन्डाजिम प्रति कि0ग्राम अथवा 3 ग्राम थीरम प्रति कि0ग्राम की दर से शोधित करके बुआई करें। बीजशोधन बीजोपचार से 2-3 दिन पूर्व करें।

बीजोपचार

राइजोबियम कल्चर से बीजोपचार करना फायदेमन्द रहता है।

दूरी

पंक्ति से पंक्ति - 45 सेमी (सामान्य) 30 से.मी. (देर से बुआई करने पर
पौध से पौध - 15-20 सेमी

बीजदर

15-20 किग्रा प्रति हे.।
सिंचाई एवं जल निकास
लम्बी अवधि तक वर्षा न होने पर 1-2 सिंचाई आवश्यकतानुसार।

खरपतवार नियंत्रण

खुरपी से 2-3 बार निकाई करनी चाहिए। प्रथम निकाई बोआई के 20-30 दिन के बाद एवं दूसरी 35-45 दिन के बाद करनी चाहिए। खरपतवारों की गम्भीर समस्या होने पर वैसलिन की एक कि.ग्रा. सक्रिय मात्रा को बोआई से पूर्व उपरी 10 से.मी. मृदा में अच्छी तरह मिलाने से उनका प्रभावी नियन्त्रण किया जा सकता है।

ग्वार की फसल को खरपतवारों से पूर्णतया मुक्त रखना चाहिए। सामान्यतः फसल बुवाई के 10-12 दिन बाद कई तरह के खरपतवार निकल आते हैं जिनमें मौथा, जंगली जूट, जंगली चरी (बरू) व दूब-घास प्रमुख हैं। ये खरपतवार पोषक तत्वों, नमी, सूर्य का प्रकाश व स्थान के लिए फसल से प्रतिस्पर्धा करते हैं। परिणामस्वरूप पौधे का विकास व वृद्धि ठीक से नहीं हो पाती है। अतः ग्वार की फसल में समय-समय पर निराई-गडाई कर खरपतवारों को निकालते रहना चाहिए।

इससे पौधें की जड़ों का विकास भी अच्छा होता है तथा जड़ों में वायु संचार भी बढ़ता है। दाने वाली फसल में बेसालिन 1.0 किग्रा प्रति हेक्टेयर की दर से खेत में बुवाई से पूर्व मृदा की ऊपरी 8 से 10 सेंमी सतह में छिड़काव कर खरपतवारों पर नियंत्रण पाया जा सकता है। इसके अलावा पेंडिमिथेलीन का 3 लीटर प्रति हेक्टेयर की दर से बुवाई के दो दिन बाद छिड़काव करना चाहिए। इसके लिए 700 से 800 लीटर पानी में बना घोल एक हेक्टेयर के लिए पर्याप्त होता है।

फसल सुरक्षा

कीट नियन्त्रण

जैसिड एवं बिहार हेयरी कैटरपिलर यह मुख्य शत्रु हैं। इसके अतिरिक्त मोयला, सफेद मक्खी,

हरातैला द्वारा भी फसल को नुकसान हो सकता है।

मोनोक्रोटोफास 36 डब्ल्यूएससी (0.06 प्रतिशत) का छिड़काव एक या दो बार करें।

ब्याधि नियन्त्रण

खरीफ के मौसम में बैक्टीरियल ब्लाइट सर्वाधिक नुकसान पहुँचाने वाली बीमारी है। एल्टरनेरिया

लीफ स्पाट एवं एन्थ्रैकनोज अन्य नुकसान पहुँचाने वाली बीमारियाँ हैं। एकीकृत ब्याधि नियन्त्रण हेतु निम्न उपाय अपनाने चाहिए।

रोग प्रतिरोधी प्रजातियों का प्रयोग।

बैक्टीरियल ब्लाइट के प्रभावी नियन्त्रण हेतु 56 डिग्री से0 पर गरम पानी में 10 मिनट तक बीजोपचार करना चाहिए।

एन्थ्रैकनोज एवं एल्टरनेरिया लीफ स्पाट पर नियन्त्रण हेतु डायथेन एम-45 (0.2प्रतिशत) का 15 दिन के अन्तराल पर एक हजार लीटर पानी में 2 कि.ग्रा. सक्रिय अवयव/है. के हिसाब से छिड़काव करना चाहिए।

उपज

उन्नत विधि से खेती करने पर 10-15 कुन्तल प्रति हे0 प्राप्त होती है।

संक्षिप्त समाचार

2025 क्लब वर्ल्ड कप फुटबॉल टूर्नामेंट 14 जून से

सेन डियागो। 2025 क्लब वर्ल्ड कप फुटबॉल टूर्नामेंट ये 14 जून से 13 जुलाई, 2025 तक संयुक्त राज्य अमेरिका में होगा। इस टूर्नामेंट में कुल 32 टीमें भाग लेंगी। इसमें सात मैचों का ग्रुप स्टेज और प्लेऑफ फॉर्मेट होगा। विश्व फुटबॉल की शीर्ष संस्था फीफा ने इसके लिए इनामी राशि घोषित कर दी है। इसमें कुल इनामी राशि 1 बिलियन डॉलर 32 प्रतिभागी क्लबों में वितरित की जाएगी। इसमें विजेता टीम को 125 मिलियन डॉलर तक जीतने का निर्धारित अवसर मिलेगा। इसके अलावा वैश्विक क्लब फुटबॉल को समर्थन देने के लिए 250 मिलियन डॉलर अलग रखे गए हैं। वहीं इसमें शामिल टीमों को 525 मिलियन डॉलर मिलेंगे। इसके अलावा यूईएफए क्लब 12.81 मिलियन डॉलर से 38.19 मिलियन डॉलर तक की राशि हासिल करेंगे, जो उनकी रैंकिंग और राजस्व पर निर्भर करेगा।

मुंबई इंडियंस और गुजरात टाइटंस का अब तक नहीं खुला खाता

मुंबई। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू ने आईपीएल 2025 में चेन्नई सुपरकिंग्स को तगड़ा झटका दिया है। आरसीबी ने शुक्रवार को चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) को 50 रन से पटखनी दी। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू इस जीत से जहां पॉइंट टेबल में 4 अंक हासिल करने वाली पहली टीम बन गई, वहीं सीएसके 5 स्थान फिसलकर सातवें नंबर पर आ गई। विराट की टीम ने सीएसके को उसके घर चेन्नई में 16 साल बाद हराया है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू मैच से पहले ही आईपीएल 2025 पॉइंट टेबल में पहले स्थान पर थी। लेकिन तब उसके सीएसके सहित 6 टीमों के बराबर 2 अंक ही थी।

आईपीएल में सबसे अधिक डॉट गेंदें फेंकने वालों में अधिकतर भारतीय

मुम्बई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में डॉट गेंद फेंकने के मामले में शीर्ष पांच खिलाड़ियों में से चार भारतीय गेंदबाज हैं। केवल एक गेंदबाज सुनील नरेन वेस्टइंडीज के हैं। आईपीएल में आमतौर पर बल्लेबाज हावी रहे हैं पर इसमें सबसे अधिक डॉट गेंद फैंककर भारतीय गेंदबाजों बल्लेबाजों पर अंकुश लगाये रखा है। आरसीबी में शामिल भुवनेश्वर कुमार ने 1729 डॉट गेंदें फेंकी हैं और वह सूची में पहले नंबर पर हैं। भुवनेशवर ने टूर्नामेंट में कुल 3910 गेंदें डाली है, जिसमें 44 फीसदी डॉट गेंदें हैं। सबसे ज्यादा किफायती गेंदबाज की बात करें तो भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह 1292 गेंदों के साथ छठे स्थान पर हैं।

आईपीएल में आज मुकाबले के हाई स्कोरिंग मुकाबला होने की उम्मीद है

दिल्ली और हैदराबाद के बीच रोमांचक मुकाबला

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में आज रविवार को दो मुकाबले खेले जाने हैं, पहला मुकाबला दिल्ली कैपिटल्स और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच खेला जाना हैं। इस मुकाबले के हाई स्कोरिंग मुकाबला होने की उम्मीद है। यह मैच विशाखापट्टनम के एसीए वीडीसीए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा, जहां बल्लेबाजों को मदद मिलने की संभावना है। दिल्ली ने अपने पहले मुकाबले में लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ शानदार जीत दर्ज की थी और अब उसका लक्ष्य अपनी इस लय को बरकरार रखना होगा।

दिल्ली की टीम को केएल राहुल की वापसी से मजबूती मिली है। वहीं, सनराइजर्स हैदराबाद को पहले मैच में धमाकेदार जीत के बाद लखनऊ के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। पिछले मैच में दिल्ली की टीम 211 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 65 रन पर पांच विकेट गंवा चुकी थी, लेकिन आशुतोष शर्मा (31 गेंद में नाबाद 66 रन) और विपराज निगम (39) की शानदार पारियों ने उसे एक विकेट से रोमांचक जीत दिलाई। ट्रिस्टन स्टब्स ने भी छठे नंबर पर 34 रन बनाए थे।

विशाखापट्टनम की पिच बल्लेबाजों के लिए स्वर्ग मानी जा रही है। इस मैदान पर सबसे बड़ा स्कोर 272 रन है, जो केकेआर ने पिछले सीजन में दिल्ली के खिलाफ बनाया था। दोपहर के इस मुकाबले में पिच से एक बार फिर बड़े स्कोर की उम्मीद की जा रही है। मौसम की बात करें तो मैच के दौरान आसमान साफ रहेगा, हवा की गति 17-21 किमी/घंटा हो सकती है और तापमान 26 से 33 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा। दिल्ली कैपिटल्स की गेंदबाजी मजबूत नजर आ रही है। टीम के पास मिचेल स्टार्क जैसे अनुभवी तेज गेंदबाज हैं, जो ट्रेविस हेड और अभिषेक शर्मा की आक्रामक सलामी जोड़ी को रोकने की कोशिश करेंगे। इसके अलावा कुलदीप यादव और अक्षर पटेल की स्पिन जोड़ी भी दिल्ली के लिए अहम भूमिका निभा सकती है।

सनराइजर्स की टीम इस सीजन में अब तक विस्फोटक बल्लेबाजी कर चुकी है। पहले ही मैच में उसने छह विकेट पर 286 रन बनाकर अपने इरादे स्पष्ट कर दिए थे। उस मुकाबले में ईशान किशन ने 47 गेंद में 106 रन और ट्रेविस हेड ने 31 गेंद में 67 रन बनाए थे। हालांकि, दूसरे मैच में सनराइजर्स की बल्लेबाजी थोड़ा फीकी रही और टीम 190 रन ही बना सकी। तेज गेंदबाजी आक्रमण में मोहम्मद शमी, पैट कमिंस और हर्षल पटेल जैसे दिग्गज हैं,

दोनों टीमों के खिलाड़ी -

सनराइजर्स हैदराबाद : पैट कमिंस (कप्तान), ट्रेविस हेड, ईशान किशन, हेनरिक क्लासेन, अभिषेक शर्मा, सचिन बेबी, मोहम्मद शमी, एडम जाम्पा, अनिकेत वर्मा, अभिनव मनोहर, राहुल चाहर, ईशान मलिंगा, हर्षल पटेल, कामिंदु मेंडिस, वियान मुल्डर, नितीश कुमार रेड्डी, अथर्व तायडे, ब्रायडन कार्से, सिमरजीत सिंह, जयदेव उनादकट और जीशान अंसारी

दिल्ली कैपिटल्स : अक्षर पटेल (कप्तान), केएल राहुल , जेक फ्रेजर-मैकगर्क, करुण नायर, फाफ डु प्लेसिस, डोनोवन फरेरा, अभिषेक पोरेल , ट्रिस्टन स्टब्स , समीर रिजवी, आशुतोष शर्मा, दर्शन नालकंडे, विप्रज निगम, अजय मंडल, मनवंत कुमार, त्रिपुराना विजय, माधव तिवारी, मिशेल स्टार्क, टी नटराजन, मोहित शर्मा, मुकेश कुमार, दुष्मंथा चमीरा और कुलदीप यादव

लेकिन लखनऊ के खिलाफ वे कुछ खास प्रदर्शन नहीं कर सके। दिल्ली और सनराइजर्स के बीच यह मुकाबला बेहद रोमांचक होने की उम्मीद है। दोनों टीमें जीत के साथ अपनी स्थिति मजबूत करना चाहेंगी और क्रिकेट फैंस को एक हाई स्कोरिंग मैच देखने को मिल सकता है।

राजस्थान रॉयल्स ने संजू की जगह रियान पराग को टीम की कमान सौंपी

मुंबई, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 की शुरुआत 22 मार्च से हुई है। लेकिन राजस्थान रॉयल्स के फैंस के लिए एक बड़ा झटका सामने आया था। टीम के नियमित कप्तान संजू सैमसन शुरुआती तीन मैचों में टीम की अगुवाई नहीं कर रहे है। राजस्थान रॉयल्स ने घोषणा की है कि सैमसन की गैरमौजूदगी में रियान पराग टीम की कप्तानी दी गई है। हालांकि, संजू टीम का हिस्सा बने रहने वाले हैं, और एक बल्लेबाज के रूप में खेलते नजर आ रहे है। राजस्थान रॉयल्स 5 अप्रैल को पंजाब के खिलाफ अपना चौथा मैच खेलेगी। राजस्थान के फैंस को उम्मीद है कि उनके स्टार खिलाड़ी जल्द ही पूरी तरह फिट होकर टीम की बागडोर संभालें। सैमसन अभी भी अपनी चोट से पूरी तरह नहीं उबरे हैं। इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज के दौरान बल्लेबाजी करते समय उनकी उंगली में चोट लग गई थी, इससे उन्हें सर्जरी करानी पड़ी। हालांकि, वह बल्लेबाजी करने के लिए फिट हैं, लेकिन सेंटर ऑफ एक्सीलेंस ने उन्हें अभी विकेटकीपिंग की मंजूरी नहीं दी है। इसकारण टीम को विकेटकीपर के रूप में किसी और खिलाड़ी को मौका देना होगा। सैमसन टीम के सबसे अनुभवी खिलाड़ियों में से एक हैं। उनकी गैरमौजूदगी में टीम के लिए शुरुआती मैचों में चुनौती हो रही है। हालांकि, रियान पराग के पास कप्तानी का यह बड़ा मौका होगा।

28वीं यूपी स्टेट सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप, खिलाड़ियों का हुआ चयन

10 व 11 अप्रैल को बरेली में होगा आयोजन

अलीगढ़, एजेंसी। 28वीं यूपी स्टेट सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप बरेली में होगी। इसके लिए अलीगढ़ से खिलाड़ियों का चयन किया गया। दौड़, ऊंची कूंद, लंबी कूद, भाला फेंक, हर्डल रेस, हैमर-थ्रो में खिलाड़ियों को चयनित किया गया है।

रुहेलखंड विश्वविद्यालय बरेली के स्टेडियम में 28वीं यूपी स्टेट सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप 10 व 11 अप्रैल को होगी। इसके लिए खिलाड़ियों का चयन 28 मार्च को तालानगरी स्थित खेल मैदान पर हुआ। इनमें से प्रथम व द्वितीय स्थान पर आए खिलाड़ियों को चैंपियनशिप के लिए चुना गया है।

जिला एथलेटिक संघ के सचिव विवेक कुमार ने बताया पुरुष वर्ग 100 मीटर दौड़ में मनीष कुमार प्रथम, प्रवीण कुमार द्वितीय रहे। 200 मीटर दौड़ में मनीष कुमार प्रथम व प्रिंस चौधरी द्वितीय रहे। 400 मीटर दौड़ में आकाश कुमार प्रथम, गौरव कुमार द्वितीय, 800 मीटर दौड़ में दीपेंद्र प्रथम, आयुष भारद्वाज द्वितीय, 1500 मीटर दौड़ में अवनीश भारद्वाज प्रथम व दीपेंद्र कुमार द्वितीय चुने गए। इसी क्रम में 5000 मीटर दौड़ में धर्मेंद्र सिंह प्रथम व अरुण कुमार द्वितीय स्थान पर रहे।

इसी तरह से लंबी कूद में प्रवीण कुमार प्रथम व आकाश कुमार द्वितीय रहे। ऊंची कूद में अश्वनी कुमार प्रथम, कुंदन सिंह द्वितीय स्थान पर चुने गए। गोला फेंक में अमन कुमार प्रथम, माधवेंद्र द्वितीय रहे। भाला फेंक में यशस्वी राज बघेल प्रथम, हरेंद्र कुमार द्वितीय, डिस्कस-थ्रो में अमन कुमार प्रथम, ललित प्रताप सिंह द्वितीय रहे। हैमर-थ्रो में हर्षित चौधरी, 110 मीटर हर्डल रेस में गगन शर्मा, 400 मीटर हर्डल रेस में निशांत का चयन हुआ। इसी क्रम में महिला वर्ग की 100 मीटर दौड़ में महक यादव प्रथम, नेहा द्वितीय स्थान पर रहीं। 200 मीटर दौड़ में दीक्षा प्रथम, महक यादव ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। 800 मीटर दौड़ में शिवानी चौधरी, 5000 मीटर दौड़ में नेहा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। मुख्य अतिथि एसकेडी इंटर कॉलेज पखोदना टप्पल के प्रधानाचार्य भूपेंद्र शर्मा ने खिलाड़ियों से हाथ मिलाकर परिचय प्राप्त किया।

गुवाहाटी में आमने-सामने होंगी सीएसके और आरआर

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में दो मुकाबले खेले जाने हैं। पहला मुकाबला दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) और सनराईज हैदराबाद (एसआरएच) के बीच विशाखापट्टनम में दोपहर 3.30 बजे से खेला जाएगा। वहीं दूसरा मुकाबला चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) और राजस्थान रॉयल्स (आरआर) के बीच शाम 7.30 बजे से खेला जाएगा। रविवार को दोनो टीमें गुवाहाटी में आमने-सामने होंगी। जहां चेन्नई की कोशिश पिछले मैच की हार से उबरकर जीत की राह पर लौटने की होगी, जबकि राजस्थान रॉयल्स अपनी पहली जीत दर्ज करने के लिए मैदान में उतरेगी।

चेन्नई सुपरकिंग्स को अपने पिछले मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) के खिलाफ 50 रन से हार का सामना करना पड़ा था। रजत पाटीदार की कप्तानी में खेल रही आरसीबी ने चेन्नई की कमजोर फील्डिंग और खराब बल्लेबाजी का पूरा फायदा उठाया और 17 साल बाद चेपॉक के मैदान पर जीत दर्ज की। इस हार के बाद सीएसके की टीम पर दबाव बढ़ गया है। इस सीजन में सीएसके के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी का बैटिंग ऑर्डर भी चर्चा का विषय बना हुआ है। धोनी को नौवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए भेजा गया, जिससे फैंस काफी निराश नजर आए। हालांकि, उन्होंने 16 गेंदों में नाबाद 30 रन बनाकर टीम को संभालने की कोशिश की, लेकिन तब तक मैच सीएसके के हाथ से निकल चुका था।

गुवाहाटी की पिच चेन्नई के चेपॉक जैसी नहीं है, जहां स्पिनर्स को फायदा मिलता है। राजस्थान रॉयल्स के पास इस पिच पर अपनी मजबूत बल्लेबाजी का पूरा फायदा उठाने का मौका रहेगा। हालांकि, टीम की कप्तानी कर रहे रियान पराग के पास उतना अनुभव नहीं है, जो बड़े मुकाबलों में जरूरी होता है। वहीं, सीएसके की गेंदबाजी इस सीजन में उतनी प्रभावी नहीं रही है। मथीषा पथिराना और नूर अहमद ने जरूर अच्छा प्रदर्शन किया है, लेकिन अन्य भारतीय गेंदबाज अभी तक संघर्ष कर रहे हैं।

टीमें

चेन्नई सुपर किंग्स : रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान), एमएस धोनी , डेवोन कॉनवे, राहुल त्रिपाठी, शेख रशीद, वंश बेदी (विकेटकीपर), सी आंद्रे सिद्धार्थ, रचिन रवींद्र, रविचंद्रन अश्विन, विजय शंकर, सैम कुरेन, अंशुल कंबोज, दीपक हुडा, जेमी ओवरटन, कमलेश नागरकोटी, रामकृष्ण घोष, रवींद्र जडेजा, शिवम दुबे, खलील अहमद, नूर अहमद, मुकेश चौधरी, गुरजपनीत सिंह, नाथन एलिस, श्रेयस गोपाल, मथीषा पथिराना.

राजस्थान रॉयल्स : रियान पराग (कप्तान), संजू सैमसन, शुभम दुबे, शिम्रोन हेटमायर, यशस्वी जयसवाल, ध्रुव जुरेल, नितीश राणा, कुणाल सिंह राठौड़, वैभव सूर्यवंशी, वानिंदु हसरंगा, जोफा आर्चर, अशोक शर्मा, तुषार देशपांडे, फजलहक फारूकी, कुमार कार्तिकेय, आकाश मधवाल, क्रेंगा मफाका, संदीप शर्मा, महेश थीक्षाना, युद्धवीर सिंह.

खलील अहमद नई गेंद से प्रभावी साबित नहीं हो रहे हैं, जबकि रविचंद्रन अश्विन और रविंद्र जडेजा जैसे अनुभवी स्पिनर पहले की तरह खतरनाक नजर नहीं आ रहे। दूसरी ओर, राजस्थान के पास जोस बटलर जैसा धाकड़ बल्लेबाज नहीं है, जिससे उनकी बैटिंग कमजोर लग रही है। दोनों टीमों की मौजूदा फॉर्म को देखते हुए मुकाबला कड़ा हो सकता है।

व्यापार समाचार

खादी और ग्रामोद्योग आयोग

सूक्ष्म, लघु व मध्यम उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार

मुंबई, एजेंसी। केवीआईसी ने मुख्यालय मुंबई में आयोजित किया 'मेगा वितरण' कार्यक्रम, वर्चुअल माध्यम से देशभर में 16377 उपकरण, मशीन व टूलकिट का वितरण। ग्रामोद्योग विकास योजना और खादी विकास योजना के अंतर्गत 5 लाख से अधिक खादी कारीगर और लाभार्थी हुए लाभान्वित। केवीआईसी अध्यक्ष मनोज कुमार द्वारा पीएमईजीपी योजना के अंतर्गत 14456 नई इकाइयों को 469 करोड़ रुपये की मार्जिन मनी सब्सिडी का संवितरण, 159016 नए रोजगार का हुआ सृजन।

ऑनलाइन माध्यम से 5000 नई पीएमईजीपी इकाइयों और देश भर में 44 नवीनीकृत खादी भवनों के साथ ही 750 खादी वर्कशेड का भी उद्घाटन। इस वर्कशेड से 1440 कारीगर लाभान्वित होंगे । खादी विकास योजना के अंतर्गत इस वित्तीय वर्ष में अबतक 215 करोड़ रुपये एमएमडीए तथा 40 करोड़ रुपये आईसेक अनुदान राशि का वितरण। अध्यक्ष केवीआईसी ने कहा, मेगा वितरण कार्यक्रम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'विकसित भारत अभियान' से प्रेरित। कारीगरों का कल्याण 'आत्मनिर्भर भारत' का मूलमंत्र।

खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी), सूक्ष्म, लघु व मध्यम उद्यम मंत्रालय (एमएसएमई), भारत सरकार द्वारा अपने केंद्रीय कार्यालय, मुंबई में वर्चुअल माध्यम से अबतक का सबसे बड़ा और व्यापक 'मेगा वितरण' कार्यक्रम आयोजित किया गया। ग्रामोद्योग विकास योजना, खादी विकास योजना और प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी) के अंतर्गत 5 लाख से अधिक खादी कारीगर, उद्यमी और लाभार्थी लाभान्वित हुए। इस अवसर पर मुख्य अतिथि केवीआईसी अध्यक्ष मनोज कुमार ने वर्चुअल माध्यम से देशभर के लाखों कारीगरों को संबोधित किया और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'विकसित भारत' और 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान से जुड़ने की अपील की। कार्यक्रम में ऑनलाइन माध्यम से खादी और ग्रामोद्योग आयोग के उत्तर जोन के सदस्य नागेंद्र रघुवंशी, पूर्वी जोन के सदस्य मनोज कुमार सिंह, एमएसएमई मंत्रालय से संयुक्त सचिव (एआरआई) विपुल गोयल, आर्थिक सलहकार (एमएसएमई) सुसिमी चौधरी और केंद्रीय कार्यालय , केवीआईसी के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ साथ आयोग के देश भर के क्षेत्रीय कार्यालय से अधिकारी व कर्मचारी गण उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दृष्टिकोण के अनुरूप खादी और ग्रामोद्योग क्षेत्र में आत्मनिर्भरता और उद्यमिता को प्रोत्साहन देने की दिशा में ऐतिहासिक पहल करते हुए विले पार्ले स्थिति मुख्यालय में 'मेगा वितरण' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में ग्रामोद्योग विकास योजना के अंतर्गत देशभर के सभी 6 जोन (पूर्वी जोन, पश्चिमी जोन, उत्तर जोन, दक्षिण जोन, मध्य जोन और पूर्वोत्तर जोन) के राज्य और मंडलीय कार्यालयों से संबद्ध लाभार्थियों को 16377 उपकरण, मशीन व टूलकिट का वितरण किया गया। साथ ही, खादी विकास योजना के अंतर्गत 44 नवीनीकृत खादी भवनों और 750 खादी वर्कशेड का उद्घाटन भी किया गया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के तहत वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से देश भर में 14456 पीएमईजीपी इकाइयों को 1399.13 करोड़ रुपये के स्वीकृत ऋण पर 469 करोड़ रुपये मार्जिन मनी सब्सिडी का संवितरण किया गया, जिससे 159016 रोजगार के अवसर सृजित होंगे। इसके साथ ही अध्यक्ष केवीआईसी ने 5000 नई पीएमईजीपी इकाइयों का भी ऑनलाइन उद्घाटन किया। वित्तीय वर्ष 2024-25 में कुल 58850 लाभार्थियों को 2175 करोड़ रुपये की मार्जिन का संवितरण किया गया जिससे 64,73,50 रोजगार सृजित हुए ।

नहीं मिलेगा योजनाओं का फायदा

भंडारण सीमा का उल्लंघन करने वाली चीनी मिलों पर होगी कड़ी कार्रवाई

नई दिल्ली, एजेंसी। खाद्य एवं उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय ने मिलों के लिए निर्देश जारी किए हैं। इनमें कहा गया है कि भंडारण सीमा का उल्लंघन करने वाली चीनी मिलों पर होगी कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

सरकार मासिक भंडारण सीमा से जुड़े आदेशों का उल्लंघन करने वाली चीनी मिलों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करेगी। खाद्य एवं उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय ने जमाखोरी रोकने और मूल्य वृद्धि को नियंत्रित करने के लिए सफेद/रिफाइंड चीनी के लिए मासिक भंडारण सीमा निर्धारित की है। अप्रैल के लिए यह 23.5 लाख टन है।

मंत्रालय ने शुक्रवार को मिलों को जारी निर्देश में कहा, कुछ समूह और व्यक्तिगत चीनी मिलें पूर्व में दी गई चेतावनियों के बावजूद बार-बार भंडारण नियमों का उल्लंघन कर रही हैं। इस कारण नए और सख्त निर्देश जारी किए जा रहे हैं, जो एक अप्रैल, 2025 से प्रभावी होंगे। नए निर्देशों के तहत, चीनी सत्र में कई बार उल्लंघन करने पर मिलों को अतिरिक्त चीनी जारी करने और सरकारी योजनाओं के लाभ से वंचित कर दिया जाएगा। डीएफपीडी और डीएसवीओ की योजना का भी लाभ नहीं मिलेगा।

नियमों के पहली बार उल्लंघन करने पर बेची गई अतिरिक्त चीनी का 100 फीसदी अगले माह जारी होने वाली खेप से दंड स्वरूप काट लिया जाएगा।

दूसरी बार उल्लंघन करने पर 115 फीसदी, तीसरे बार में 130 फीसदी और चौथी बार में 150 फीसदी की कटौती की जाएगी।

बिना सूचना के कुल भंडार के 90 फीसदी से कम चीनी भेजने वाली मिलों को भविष्य में आवंटन पर प्रतिबंध लगा दिया जाएगा।

बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर फरवरी में घटकर पांच महीने के निचले स्तर पर

नई दिल्ली। भारत के आठ प्रमुख बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर फरवरी में गिरावट देखी गई है। इस दौरान ये घटकर पांच महीने के निचले स्तर 2.9 प्रतिशत पर आ गई। यह जानकारी हाल ही में जारी किए गए आधिकारिक आंकड़ों से मिली। पिछले साल इसी महीने में बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर 7.1 प्रतिशत रही थी। मासिक आधार पर इन उद्योगों की वृद्धि दर जनवरी में दर्ज 5.1 प्रतिशत की वृद्धि से कम रही। इससे पहले सितंबर में 2.4 प्रतिशत की न्यूनतम वृद्धि दर्ज की गई थी। फरवरी में कच्चा तेल तथा प्राकृतिक गैस उत्पादन की वृद्धि में गिरावट आई। कोयला, रिफाइनरी उत्पाद, इस्पात और बिजली की उत्पादन वृद्धि क्रमश : 1.7 प्रतिशत, 0.8 प्रतिशत, 5.6 प्रतिशत और 2.8 प्रतिशत रही। फरवरी 2024 में यह 11.6 प्रतिशत, 2.6 प्रतिशत, 9.4 प्रतिशत और 7.6 प्रतिशत थी।

गूगल पर लगाए गए जुर्माने को घटाकर किया 216 करोड़

नई दिल्ली। राष्ट्रीय कंपनी कानून अपील न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) ने गूगल के खिलाफ जारी दबदबे के मामले में सीसीआई के फैसले को आंशिक रूप से बरकरार रखा है। गूगल पर लगाए गए जुर्माने को 216 करोड़ रुपये में कम करके एनसीएलएटी ने इसे दोबारा विचार करने के लिए तारीख तय की है। एनसीएलएटी के आदेश में गूगल को व्यावसायिक पोलीसी में सुधार करने का निर्देश दिया गया है, साथ ही ऐप डेवलपर्स को और अधिक स्वायत्तता प्रदान करने की अनुमति दी गई है। एनसीएलएटी ने कहा है कि गूगल को अपने प्लेटफॉर्म पर आए डेटा का सही उपयोग करने के लिए पारदर्शी नीतियों का अधिक विकल्प प्रदान करना चाहिए।

2025 में टाटा मोटर्स की तीन प्रमुख गाड़ियां करेगी लॉन्च

नईदिल्ली। साल 2025 में टाटा मोटर्स तीन प्रमुख गाड़ियां लॉन्च करने की योजना बना रही है, जिनमें टाटा अल्ट्रोज़ फेसलिफ्ट, टाटा हैरियर ईवी और टाटा सिएरा शामिल हैं। टेस्टिंग के दौरान देखी गई 2025 टाटा अल्ट्रोज़ फेसलिफ्ट में बाहरी और आंतरिक डिज़ाइन में मामूली बदलाव किए गए हैं। नई अल्ट्रोज़ में बड़ा इंफोटेनमेंट सिस्टम, नई सीट अपहोल्स्ट्री और वेंटिलेटेड फ्रंट सीट्स जैसे फीचर्स मिलने की संभावना है। मैकेनिकल स्तर पर कोई बदलाव नहीं होगा और यह मौजूदा 1.2एल पेट्रोल व 1.5एल टर्बो डीजल इंजन के साथ ही आएगी। अनुमानित कीमत 7-11.50 लाख रुपये होगी। टाटा हैरियर ईवी को भी जल्द लॉन्च किया जाएगा।

एसबीआई की दो स्पेशल एफडी के लिए सिर्फ 2 दिन बाकी

दोनों स्कीम में निवेश की आखिरी तारीख 31 मार्च

नई दिल्ली, एजेंसी। देश का प्रमुख बैंक भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) फिलहाल एसबीआई 2 ऐसी स्पेशल एफडी स्कीम- अमृत वृष्टि और अमृत कलश ऑपरेट कर रही हैं, जिसमें जोरदार रिटर्न मिल रहा है। इन दोनों स्कीम में निवेश की आखिरी तारीख 31 मार्च है। एसबीआई की 'अमृत वृष्टि' एफडी स्कीम 16 जुलाई 2024 को शुरू की गई थी और इसमें निवेश करने की आखिरी 31 मार्च 2025 है। इस स्कीम में आप 444 दिन के लिए निवेश कर सकते हैं। आम ग्राहकों के लिए 7.25 फीसदी सालाना और वरिष्ठ नागरिकों के लिए 7.75 फीसदी सालाना की ब्याज दर दी जाती है। अगर आप इस स्कीम में 2 लाख रुपये निवेश करते हैं तो 444 दिन बाद यानी मैच्योरिटी पर यह रकम बढ़कर 218532 रुपये हो जाएगी यानी आपको 18532 रुपये ब्याज के तौर पर मिलेंगे। वहीं वरिष्ठ नागरिकों को 109936 रुपये मिलेंगे। एसबीआई की 'अमृत कलश' एफडी स्कीम में 400 दिनों के लिए निवेश कर सकते हैं। यह योजना 12 अप्रैल 2023 को शुरू की गई थी और 31 मार्च 2025 तक उपलब्ध है। इसमें आम ग्राहकों के लिए 7.10 फीसदी और वरिष्ठ नागरिकों के लिए 7.60 फीसदी ब्याज दरें दी जाती हैं। अगर आप इस स्कीम में 2 लाख रुपये निवेश करते हैं तो 400 दिन बाद यानी मैच्योरिटी पर यह रकम बढ़कर 215562 रुपये हो जाएगी यानी आपको 15562 रुपये ब्याज के मिलेंगे। वहीं वरिष्ठ नागरिकों को मैच्योरिटी पर 216658 रुपये मिलेंगे।

इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण को बढ़ावा देने 22,919 करोड़ की योजना मंजूर

योजना से 59,350 करोड़ र के निवेश के साथ 4.56 लाख करोड़ का उत्पादन होगा

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने देश में इलेक्ट्रॉनिक्स कंपोनेंट डिस्प्ले और कैमरा मॉड्यूल, नॉन-सरफेस माउंट डिवाइस, मल्टी-लेयर पीसीबी, डिजिटल ऐप्लिकेशन के लिए लीथियम-आयन सेल आदि के विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए 22,919 करोड़ रुपये की योजना को मंजूरी दी। उम्मीद है कि इस योजना से 59,350 करोड़ रुपये के निवेश के साथ 4.56 लाख करोड़ रुपये का उत्पादन होगा। सरकार इस योजना के तहत बैटरी पैक, मोबाइल फोन, लैपटॉप, टैबलेट और अन्य उपकरणों में उपयोग होने वाले आवश्यक घटकों जैसे रेसिस्टर, कैपेसिटर, इंडक्टर, ट्रांसफॉर्मर, फ्यूज, थर्मिस्टर और पोटेंशियोमीटर के देश में विनिर्माण के लिए भी प्रोत्साहन प्रदान करेगी। केंद्रीय मंत्रिमंडल के फैसले की जानकारी देते हुए इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि इस योजना से 91,600 लोगों के लिए प्रत्यक्ष रोजगार पैदा होंगे और लगभग 59,350 करोड़ रुपये का निवेश आने का अनुमान है। वैष्णव ने कहा ?कि हम भारत सेमीकंडक्टर मिशन के तहत सेमीकंडक्टर विनिर्माण को बढ़ावा दे रहे हैं और पीएलआई (उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन) योजना के जरिये तैयार उत्पादों के विनिर्माण को सहायता दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि सिर्फ उत्पादन में वृद्धि के आधार पर कंपनियों को प्रोत्साहन देने के बजाय सरकार नई योजना के तहत प्रोत्साहन वितरित करने के लिए त्रिआयामी नजरिया अपनाएगी। वैष्णव ने कहा ?कि इलेक्ट्रॉनिक्स पहले से ही भारत से निर्यात की जाने वाली शीर्ष तीन वस्तुओं में है। इस कार्यक्रम के साथ निर्यात 2.5 लाख करोड़ रुपये और बढ़ेगा तथा आने वाले वर्षों में इसके दोगुना होने की संभावना है। उन्होंने कहा कि प्रत्यक्ष रोजगार की संख्या पर प्रोत्साहन के असर का का पता लगाने के लिए सरकार आवेदकों से यह पूछेगी कि वे अपनी विनिर्माण इकाइयों में कितने लोगों को रोजगार देने वाले हैं तथा उस संख्या के आधार पर उनका मूल्यांकन करेगी।

संक्षिप्त समाचार

चैत्र रामनवमी पर रामचरित मानस के अखंड पाठ से गुंजायमान हो पूरा प्रदेश : योगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने चैत्र रामनवमी के मंगल और पावन उपलक्ष्य में प्रदेश के सभी जनपदों में 24 घंटे का श्रीरामचरिमानस का अखंड पाठ कराने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा है कि यह अखण्ड मानस पाठ 05 अप्रैल दोपहर से प्रारंभ होकर इसकी पूर्णाहुति 06 अप्रैल को श्रीरामनवमी के दिन दोपहर 12 बजे श्रीरामजन्मभूमि मंदिर में श्रीरामलला के सूर्य तिलक के साथ होना चाहिए। मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद सभी जनपदों में देवालयों, मन्दिरों में इसके लिए आवश्यक व्यवस्थाएं प्रारम्भ कर दी गई हैं। शनिवार को वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बासंतिक-चैत्र नवरात्र और श्रीरामनवमी से संबंधित तैयारियों की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि देवीपाटन मंदिर, बलरामपुर, शाकुम्भरी देवी मंदिर सहारनपुर, विंध्यवासिनी देवी धाम, मीरजापुर आदि प्रमुख देवी मंदिरों व शक्तिपीठों में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं का आगमन होगा। सूर्य तिलक का दर्शन करने अयोध्या में पूरे देश से लोगों के आगमन की संभावना है। ऐसे में श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा से जुड़े सभी आवश्यक प्रबन्ध किये जाने चाहिए।

विवादित बयान मामले में कॉमेडियन कुणाल कामरा के खिलाफ तीन और मुकदमे

मुंबई। विवादित बयान मामले में स्टैंडअप कॉमेडियन कुणाल कामरा के खिलाफ मुंबई के खार पुलिस स्टेशन में शनिवार को तीन और मामले दर्ज किए गए हैं। इनमें से एक मामला जलगांव शहर के मेयर ने दर्ज कराया है। जबकि नासिक के एक होटल व्यवसायी और एक उद्योगपति ने दो अन्य मामले दर्ज कराए हैं। इन सभी मामलों की छानबीन खार पुलिस स्टेशन की टीम कर रही है। खार के एक होटल में कुछ दिनों पहले आयोजित कॉमेडी शो के दौरान कुणाल कामरा ने महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर विवादित टिप्पणी की थी। इसके बाद शिंदे समर्थकों ने होटल में तोड़फोड़ की थी। इसे लेकर कुणाल कामरा के खिलाफ विधायक मुरजी पटेल ने खार पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कराया था। इस मामले में पुलिस ने कुणाल कामरा को 31 मार्च को खार पुलिस स्टेशन में पूछताछ के लिए उपस्थित होने को कहा है। हालांकि इस मामले में कुणाल कामरा को मद्रास हाई कोर्ट ने 7 अप्रैल तक गिरफ्तारी से राहत दी है। बताया जा रहा है कि कुणाल कामरा 31 मार्च को खार पुलिस स्टेशन में पूछताछ के लिए उपस्थित रहने वाले हैं। लगातार बढ़ रहे विरोध के बाद कुणाल कामरा ने कहा है कि संविधान सत्ता में बैठे लोगों का मजाक उड़ाने का अधिकार देता है।

वडनगर में मिला हजार साल पुराना कंकाल, डीएनए से खुलासा

मेहसाणा। मेहसाणा जिले की ऐतिहासिक नगरी वडनगर में वर्ष 2019 में मिले कंकाल के संबंध में बड़ा खुलासा हुआ है। योग मुद्रा में मिले कंकाल को एक हजार साल पुराना बताया गया है। कंकाल की डीएनए रिपोर्ट में इसका खुलासा हुआ है। निकट भविष्य में इस कंकाल के संबंध में और भी चौंकाने वाले तथ्य सामने आ सकते हैं। जानकारी के अनुसार वडनगर में भारतीय पुरातात्विक सर्वेक्षण (एएसआई) के उत्खनन के दौरान वर्ष 2019 में एक योग मुद्रा में कंकाल मिला था। प्राथमिक अनुमान में इसे 1000 साल पुराना बताया गया था। बाद में लखनऊ के बीरबल साहनी इंस्टिट्यूट ऑफ ऑर्किलॉजी में डॉक्टर नीरज राय गुप्ता ने इसका डीएनए जांच की थी। डीएनए टेस्ट के लिए कंकाल के दांत, कान की हड्डी के सैम्पल लिए गए थे। इस टेस्ट में इस कंकाल के 1000 साल पुराना होने की पुष्टि हुई है। अब कंकाल के संबंध में अन्य वैज्ञानिक परीक्षण भी शुरू किया गया है, इसकी रिपोर्ट में प्राचीन नगरी वडनगर के संबंध में और भी महत्व के खुलासे हो सकते हैं। एएसआई के अनुसार प्राथमिक अनुमान में इस कंकाल वाले जगह पर पहले बौद्ध योग साधना केन्द्र हो सकता है।

मणिपुर के नोनी में महसूस किए गए भूकंप के झटके, रिक्टर स्केल पर 3.8 रही तीव्रता

इंफाल। मणिपुर के नोनी में शनिवार दोपहर को भूकंप के झटके महसूस किये गये हैं। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 3.8 मापी गई है। फिलहाल भूकंप से किसी तरह के जानमाल के नुकसान की खबर नहीं है। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार शनिवार को मणिपुर के नोनी में दोपहर 02 बजकर 31 मिनट 39 सेकेंड पर 3.8 तीव्रता का भूकंप आया। भूकंप का केंद्र जमीन में 10 किलोमीटर नीचे स्थित था। भूकंप का एपीक सेंटर 24.90 उत्तरी अक्षांश तथा 93.59 पूर्वी देशांत्तर पर स्थित था। उल्लेखनीय है कि पिछले 24 घंटों के दौरान मणिपुर में तीन और मेघालय में एक बार भूकंप के झटके महसूस किये गये हैं। पड़ोसी देश म्यांमार में 7.7 तीव्रता का बेहद शक्तिशाली भूकंप शुक्रवार को आया था। इसके चलते म्यांमार में भारी तबाही हुई है।

द्वारकाधीश के दर्शन के लिए पदयात्रा पर निकले अनंत अंबानी

जामनगर। रिलायंस परिवार के अनंत अंबानी 10 अप्रैल को अपना जन्मदिन द्वारकाधीश धाम द्वारका में मनाएंगे। इसके लिए वे जामनगर से द्वारका के लिए पदयात्रा पर अभी ही निकल चुके हैं। शनिवार को यात्रा का दूसरा दिन है और अब तक उन्होंने 24 किलोमीटर पैदल यात्रा पूरी की है। जामनगर से द्वारका की दूरी करीब 150 किलोमीटर है।

नेपाल में राजशाही समर्थकों के हिंसक प्रदर्शन में पत्रकार की मौत, पत्रकार संगठनों ने किया विरोध

काठमांडू ■ एजेंसी

नेपाल की राजधानी काठमांडू में राजशाही बहाली की मांग को लेकर शुक्रवार को किए गए हिंसक प्रदर्शन में मारे गए मीडियाकर्मी सुरेश रजक और कुछ मीडिया हाउस पर हुए हमले के विरोध में शनिवार को नेपाल पत्रकार महासंघ ने प्रदर्शन किया।

नेपाल पत्रकार महासंघ के नेतृत्व में आज सुबह मैतीघर में विरोध प्रदर्शन किया गया। इस दौरान पत्रकार रजक की दुर्भाग्यपूर्ण मौत पर दुख जताते हुए उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। साथ ही इस घटना की सच्चाई जानने के लिए उच्चस्तरीय जांच की मांग की गई।

पत्रकारों ने इस घटना के दोषी को सख्त सजा दिए जाने की मांग की है। सरेश रजक एवेन्यूज टेलीविजन के कैमरामैन थे। उनको काठमांडू के तेनकुने में एक इमारत के अंदर जला दिया गया था। नेपाल पत्रकार महासंघ के कार्यवाहक अध्यक्ष दीपक आचार्य ने कहा कि महासंघ दिवंगत पत्रकार रजक को न्याय दिलाने का काम करेगा। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि सभी पत्रकारों को पत्रकारों के जीवन और संपत्ति की रक्षा के लिए एकजुट होना चाहिए।

राष्ट्रपति ने 'पर्यावरण-2025' पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन किया

आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ पर्यावरण की विरासत देना हमारी जिम्मेदारी: मुर्मु

नई दिल्ली ■ एजेंसी

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने शनिवार को कहा कि यह हमारा नैतिक दायित्व है कि आने वाली पीढ़ियों के लिए हम स्वच्छ पर्यावरण की विरासत प्रदान करें। इसके लिए हमें पर्यावरण के प्रति सचेत और संवेदनशील जीवनशैली अपनानी होगी ताकि पर्यावरण न केवल संरक्षित हो बल्कि उसका संवर्धन भी हो और पर्यावरण अधिक जीवंत बन सके।

राष्ट्रपति मुर्मु आज नई दिल्ली के विज्ञान भवन में 'पर्यावरण-2025' पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन करने के बाद संबोधित कर रही थीं। उन्होंने कहा कि पर्यावरण से जुड़े सभी दिवस यह संदेश देते हैं कि हमें इनके उद्देश्यों और कार्यक्रमों को प्रतिदिन ध्यान में रखना चाहिए और जहां तक संभव हो इन्हें अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाना चाहिए। जागरूकता और सभी की भागीदारी पर आधारित सतत सक्रियता से ही पर्यावरण संरक्षण और संवर्धन संभव होगा।

राष्ट्रपति ने कहा कि हमारे बच्चों और युवा पीढ़ी को बहुत बड़े पैमाने पर पर्यावरण परिवर्तन का सामना करना होगा और उसमें योगदान देना होगा। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि हर परिवार में बड़े-बुजुर्गों को इस बात की चिंता होती है कि उनके बच्चे किस स्कूल या कॉलेज में पढ़ेंगे और कौन-सा करियर चुनेंगे। यह चिंता जायज है लेकिन हम सभी को यह भी सोचना होगा कि हमारे बच्चे किस तरह की हवा में सांस लेंगे, उन्हें किस तरह का पानी पीने को मिलेगा, वे पक्षियों की मधुर आवाज सुन पाएंगे या नहीं, वे हरे-भरे जंगलों की खूबसूरती का अनुभव कर पाएंगे या नहीं।

राष्ट्रपति ने चैत्र शुक्लादि, उगादी, गुडी पड़वा, चेती चांद, नवरेह और साजिबु चेरोबा की शुभकामनाएं दी

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने शनिवार को चैत्र शुक्लादि, उगादी, गुडी पड़वा, चेती चांद, नवरेह और साजिबू चेरोबा की पूर्व संध्या पर सभी देशवासियों को बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। राष्ट्रपति मुर्मु ने अपने शुभकामना संदेश में कहा, चैत्र शुक्लादि, उगादी, गुडी पड़वा, चेती चांद, नवरेह और साजिबू चेरोबा के शुभ अवसर पर मैं सभी देशवासियों को बधाई और शुभकामनाएं देती हूं। उन्होंने कहा कि वसंत ऋतु के आगमन पर मनाए जाने वाले ये त्योहार भारतीय नववर्ष की शुरुआत का प्रतीक हैं। ये त्योहार भारत की सांस्कृतिक विविधता को दर्शाते हैं। ये उत्सव सामाजिक एकता और आपसी संबंधों को नया आयाम देते हैं। इन त्योहारों पर नई फसल की खुशी में हम उत्सव मनाते हैं और प्रकृति के प्रति अपना आभार व्यक्त करते हैं।

इन विषयों के आर्थिक, सामाजिक और वैज्ञानिक पहलू हैं लेकिन सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इन सभी विषयों से जुड़ी चुनौतियों का एक नैतिक पहलू भी है। आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ पर्यावरण की विरासत देना हमारी नैतिक जिम्मेदारी है। इसके लिए हमें पर्यावरण के प्रति सचेत और संवेदनशील जीवनशैली अपनानी होगी ताकि पर्यावरण न केवल संरक्षित हो बल्कि उसका संवर्धन भी हो और पर्यावरण अधिक जीवंत बन सके। स्वच्छ पर्यावरण और आधुनिक विकास के बीच संतुलन बनाना एक अवसर भी है और चुनौती भी।

उन्होंने कहा कि प्रकृति एक मां की तरह हमारा पोषण करती है और हमें प्रकृति का सम्मान और संरक्षण करना चाहिए। विकास की भारतीय विरासत का आधार पोषण है, शोषण नहीं; संरक्षण है, उन्मूलन नहीं। इसी परंपरा का पालन करते हुए हम विकसित भारत की ओर आगे बढ़ना चाहते हैं। उन्हें यह जानकर खुशी हुई कि पिछले दशक में भारत ने अंतरराष्ट्रीय समझौतों के अनुसार अपने राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान को समय से पहले पूरा करने के कई उदाहरण हासिल किए हैं।

राष्ट्रपति ने कहा कि राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने हमारे देश के पर्यावरण शासन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इसने पर्यावरण न्याय या जलवायु न्याय के क्षेत्र में निर्णायक भूमिका निभाई है। एनजीटी द्वारा दिए गए ऐतिहासिक निर्णयों का हमारे जीवन, हमारे स्वास्थ्य और हमारी धरती के भविष्य पर व्यापक प्रभाव पड़ता है। उन्होंने पर्यावरण प्रबंधन पारिस्थितिकी तंत्र से जुड़ी संस्थाओं और नागरिकों से पर्यावरण संरक्षण और संवर्धन के लिए निरंतर प्रयास करने का आग्रह किया।

उन्होंने कहा कि हमारे देश और पूरे विश्व समुदाय को पर्यावरण के अनुकूल मार्ग पर चलना होगा, तभी मानवता वास्तविक प्रगति कर सकेगी। उन्होंने कहा कि भारत ने अपनी हरित पहलों के माध्यम से विश्व समुदाय के समक्ष कई अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किए हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सभी हितधारकों की भागीदारी से भारत वैश्विक स्तर पर हरित नेतृत्व की भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि हम सभी को वर्ष 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाना है, जहां हवा, पानी, हरियाली और समृद्धि पूरे विश्व समुदाय को आकर्षित करे।

किरेन रिजिजू ने किया पीएम विकास योजना के तहत सिख समुदाय के लिए परियोजना का शुभारंभ

नई दिल्ली ■ एजेंसी

केंद्रीय अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू ने आज यहां गुरुद्वारा रकाबगंज साहिब में प्रधानमंत्री विरासत का संवर्धन (पीएम विकास) योजना के तहत एक परियोजना का शुभारंभ किया। इसका उद्देश्य कौशल विकास, रोजगार सृजन और वित्तीय सहायता के माध्यम से सिख समुदाय को सशक्त बनाना है।

इस अवसर पर पत्रकारों से बातचीत में किरेन रिजिजू ने कहा कि आज यहां गण्यमान्य व्यक्तियों के साथ गुरुद्वारा रकाब गंज साहिब में पीएम विकास योजना के तहत एक परिवर्तनकारी परियोजना का शुभारंभ किया। इसे दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक समिति द्वारा कार्यान्वित किया जाएगा। इसमें 31,600 युवा शामिल होंगे। उनमें से 29,600 कौशल प्रशिक्षण के लिए और 2,000 शैक्षिक सहायता के लिए शामिल हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के माध्यम से हमने एक बहुत बड़ा कार्यक्रम शुरू करने के लिए एमओयू पर हस्ताक्षर किए हैं। इस पहल के लिए दिल्ली सरकार के साथ समन्वय की आवश्यकता होगी और इससे न केवल प्रशिक्षण बल्कि लाभार्थियों को वजीफा और वित्तीय सहायता भी मिलने की उम्मीद है।

केंद्रीय अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री ने कहा कि एआई और 5जी टेलीकॉम से लेकर एआर-वीआर, ग्राफिक डिज़ाइन और सोलर तकनीक तक, यह पहल युवाओं को भविष्य के लिए तैयार कौशल से लैस करती है। सुनिश्चित रोजगार और मासिक वजीफे के साथ हम प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सबका साथ सबका विकास के मंत्र का पालन करते हुए दिल्ली शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के माध्यम से समुदायों को मजबूत कर रहे हैं।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सिख समुदाय के लिए यह एक विशेष कार्यक्रम शुरू किया गया है। इसमें पहले हम सिख समुदाय के बेरोजगार युवाओं और महिलाओं को लक्षित कर रहे हैं। इससे बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर उत्पन्न होंगे। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि पंजाब और देश में जहां-जहां सिख समुदाय की बहुलता है, वहां हम इस तरह का कार्यक्रम शुरू करेंगे।

भारत ने भूकंप प्रभावित म्यांमार को समुद्री मार्ग से 40 टन मानवीय सहायता की अगली खेप भेजी

नई दिल्ली ■ एजेंसी

भारतीय नौसेना के जहाज आईएनएस सतपुड़ा और आईएनएस सावित्री ऑपरेशन ब्रह्मा के तहत मानवीय सहायता लेकर भूकंप प्रभावित म्यांमार के यांगून बंदरगाह की ओर बढ़ रहे हैं। यह जानकारी विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने आज यहां दी।

विदेश मंत्री ने एक्स पर एक पोस्ट में यह जानकारी साझा करते हुए कहा, ऑपरेशन ब्रह्मा- भारतीय नौसेना के जहाज आईएनएस सतपुड़ा और आईएनएस सावित्री 40 टन मानवीय सहायता लेकर यांगून बंदरगाह की ओर बढ़ रहे हैं।

एक अन्य पोस्ट में उन्होंने कहा, एनडीआरएफ का 80 सदस्यीय खोज एवं बचाव दल नेय पी ताव के लिए रवाना हुआ। वे म्यांमार में बचाव कार्यों में सहायता करेंगे।

इससे पहले आज सुबह भारतीय वायुसेना के सी-130 जे विमान से भेजी गई 15 टन मानवीय राहत सामग्री की पहली खेप म्यांमार पहुंची। यांगून में राजदूत अभय ठाकुर ने राहत सामग्री की यह पहली खेप औपचारिक रूप से यांगून के मुख्यमंत्री यू सोई थीन को सौंपी। इसमें कंबल, तिरपाल, स्वच्छता किट, स्लीपिंग बैग, सोलर लैंप, भोजन के पैकेट और रसोई सेट हैं। इस उड़ान के साथ एक खोज एवं बचाव दल और चिकित्सा दल भी है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को एक्स पर लिखा कि म्यांमार के वरिष्ठ जनरल मिन आंग ह्लाइंग से बात की। विनाशकारी भूकंप में हुई मौतों पर अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की। एक करीबी दोस्त और पड़ोसी के रूप में भारत इस कठिन समय में म्यांमार के लोगों के साथ एकजुटता से खड़ा है। ऑपरेशन ब्रह्मा के तहत आपदा राहत सामग्री, मानवीय सहायता, खोज और बचाव दल को प्रभावित क्षेत्रों में तेजी से भेजा जा रहा है।

इस बीच, नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी के अनुसार म्यामार के भूकंप प्रभावित इलाके में रिक्टर स्केल पर 4.7 तीव्रता का एक आफ्टरशॉक आया है।

आत्मनिर्भर भारत के निर्माण की शुरुआत आत्म-जागरूकता से होती है: बीके शिवानी

आधुनिक शिक्षा में आध्यात्मिकता के एकीकरण पर व्याख्यान

नई दिल्ली ■ एजेंसी

अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद् (एआईसीटीई) ने ब्रह्मा कुमारीज के सहयोग से एआईसीटीई मुख्यालय में शनिवार को क्षआधुनिक शिक्षा में आध्यात्मिकता का एकीकरण: वर्तमान समय की आवश्यकता विषय पर व्याख्यान आयोजित किया। इसमें प्रसिद्ध आध्यात्मिक वक्ता बीके शिवानी ने शिक्षा प्रणाली में आध्यात्मिकता के महत्व और इसके समग्र विकास पर प्रभाव को उजागर किया। कार्यक्रम में छात्र, एआईसीटीई के कर्मचारी और शिक्षा क्षेत्र के प्रमुख व्यक्ति उपस्थित रहे।

मुख्य अतिथि बीके शिवानी ने अपने संबोधन में अच्छे आचार-व्यवहार को अपनाने और ध्यान जैसी आध्यात्मिक प्रथाओं के माध्यम से तनाव और अवसाद से निपटने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर भारत के निर्माण की शुरुआत आत्म-जागरूकता से होती है, जिसे ध्यान के माध्यम से प्राप्त किया जा सकता है। विद्यालय स्तर पर ही ध्यान को शामिल किया जाना चाहिए और इन्हें शिक्षकों एवं बच्चों को सक्रिय रूप से अपनाने के लिए प्रेरित किया जाना चाहिए ताकि स्थायी परिवर्तन लाया जा सके। सभी संस्थानों में एक काउंसलर होना चाहिए जो मानसिक स्वास्थ्य और अवसाद मामलों में छात्रों और शिक्षकों का मार्गदर्शन कर सके। इसके साथ ही संस्थानों को डिजिटल वेलनेस प्रोग्राम भी अपनाने चाहिए।

उन्होंने शिक्षा में भारतीय ज्ञान परंपरा के महत्व पर भी प्रकाश डाला। एक सफल और संतुष्ट जीवन जीने के लिए उन्होंने आवश्यक चार प्रमुख सिद्धांत साझा करते हुए कहा कि संस्कार दुनिया को आकार देते हैं, विचार सृष्टि को आकार देते हैं, इच्छाशक्ति सफलता की कुंजी है और कर्म ही भाग्य को निर्धारित करता है। इन सिद्धांतों को अपनाकर व्यक्ति एक स्वस्थ, सुखी और सामंजस्यपूर्ण जीवन जी सकता है।

इससे पहले एआईसीटीई के अध्यक्ष प्रो. टी.जी. सीताराम ने छात्रों और शिक्षकों के समग्र विकास के प्रति परिषद् की प्रतिबद्धता पर जोर दिया।

पूर्व राजा के खिलाफ मुकदमा चलाने की सरकार ने की तैयारी

नेपाल में पूर्व राजा ज्ञानेन्द्र शाह नजरबंद, राजा समर्थक बड़े नेताओं की गिरफ्तारी

काठमांडू ■ एजेंसी

नेपाल में पूर्व राजा समर्थक प्रदर्शनकारियों, बड़े नेताओं की गिरफ्तारी हो रही है। राजा समर्थक मानी जाने वाली राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष तथा महामंत्री को भी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पूर्व राजा को भी नजरबंद कर दिया गया है। इसके साथ ही पूर्व राजा ज्ञानेन्द्र वीर विक्रम शाह को उनके निर्मल निवास में ही नजरबंद कर लिया गया है।

पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच हिंसक झड़प, आगजनी की दर्जनों घटनाएं, पत्रकार को जिंदा जलाए जाने की वारदात के बाद पहले गृह मंत्रालय और फिर बाद में प्रधानमंत्री ने शुक्रवार की देर रात को कैबिनेट की आपात बैठक बुलाई। शुक्रवार की देर रात को प्रधानमंत्री केपी ओली की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में चारों सुरक्षा अंग नेपाली सेना, नेपाल पुलिस, सशस्त्र प्रहरी बल और खुफिया विभाग के प्रमुखों को भी बुलाया गया। इस दौरान मौजूदा परिस्थितियों और उनसे निपटने के बारे में विचार किया गया। बैठक के बाद सरकार के प्रवक्ता पृथ्वी सुब्बा गुरूंग ने कहा कि तोड़फोड़, आगजनी, लूटपाट और पत्रकार को जिंदा जलाने की घटना अमानवीय है। इसको किसी भी कीमत पर सहन नहीं किया जा सकता। आयोजकों को इसका मुख्य जिम्मेदार मानते हुए उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई को आगे बढ़ाने का निर्देश दिया गया है।

गृह मंत्रालय के प्रवक्ता छवि रिजाल ने कहा है कि इस संपूर्ण घटना के लिए आयोजक जिम्मेदार हैं। आंदोलन का नेतृत्व कर रहे सभी बड़े नेताओं की गिरफ्तारी का वारंट जारी किया गया। इसके बाद राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी के महामंत्री और सांसद धवल शमशेर राणा, पार्टी के उपाध्यक्ष रवीन्द्र मिश्र, संयुक्त संघर्ष समिति के संयोजक नवराज सुवेदी और प्रवक्ता स्वागत नेपाल सहित 50 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। पूरे काठमांडू में पुलिस द्वारा सर्च ऑपरेशन चला कर आंदोलन में शामिल नेताओं और कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया जा रहा है। काठमांडू पुलिस प्रमुख एसएसपी विश्व अधिकारी ने बताया कि राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी के बड़े नेताओं और तोड़फोड़ आगजनी में जिन लोगों की पहचान हुई है, उनकी गिरफ्तारी की गई है। राजशाही की वापसी के लिए गठित संयुक्त जनसंघर्ष समिति के कमांडर बनाए गए दुर्गा प्रसाई की गिरफ्तारी का वारंट जारी हो गया है, लेकिन कई स्थानों पर छापा मारने के बाद भी उन्हें गिरफ्तार नहीं किया जा सका है।

लखनऊ। पटना से दिल्ली जा रहे इंडिगो विमान में शनिवार को एक यात्री की मौत हो गई। इसके बाद विमान की इमरजेंसी लैंडिंग लखनऊ के अमौसी हवाई अड्डे पर करायी गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर की कार्रवाई शुरू कर दी है। सरोजनी नगर के थाना प्रभारी राजदेव प्रजापति ने आज बताया कि इंडिगो विमान संख्या (छह-ई-2163) पटना से दिल्ली जा रही थी। इस विमान में असम के नलबारी निवासी सतीश चंद्र वर्मन पत्नी कंचन, दमाद केशव के साथ यात्रा कर रहे थे। इस दौरान अचानक उनकी तबीयत बिगड़ गई। थाना प्रभारी ने बताया कि यह जानकारी उन्हें हवाई अड्डा प्रशासन ने दी।

माखननगर। देश के कद्दावर नेता रहे पूर्व केन्द्रीय मंत्री शरद यादव के बड़े भाई जिला शिक्षा अधिकारी रहे सत्येन्द्र प्रसन्न सिंह यादव के दिवंगत होने पर ग्राम आँखमऊ में परिजनों द्वारा आयोजित श्रद्धांजलि सभा में अनेक विभिन्न दलों के नेता सामिल हुए और दिवंगत यादव के चित्र पर अपने श्रद्धासुमन अर्पित कर उन्हें नमन किया । श्रद्धांजलि देने वालों में पूर्व केंद्रीय मंत्री सुरेश पचौरी, विधायक विजयपाल सिंह, जिला कांग्रेस अध्यक्ष शिवकांत पांडे, प्रदेश महासचिव राजकुमार उपाध्याय, कांग्रेस नेता पुष्पराज पटेल, मधुसूदन यादव, कुलदीप मिश्रा, रमेश तिवारी, शैलेन्द्र गोयल, अरविन्द सिंह सोलंकी,मोहन सोनी सहित अनेक लोग शामिल थे ।

भूतड़ी अमावस्या पर श्रद्धालुओं ने किया मां नर्मदा में स्नान और मदिरों में किया पूजन- पाठ और दान

नर्मदापुरम ■ अमृत दर्शन

चैत्र माह की शनिश्चरी अमावस्या और नवरात्रि के आरंभ होने के चलते श्रद्धालु डुबकी लगाने घाटों पर पहुंच रहे हैं। मध्यप्रदेश नर्मदापुरम जिला के सभी घाटों पर देर रात से ही श्रद्धालुओं की भीड़ लगी हुई है। स्नान का सिलसिला शनिवार दोपहर तक चलेगा।

सेठानी घाट पर शुक्रवार रात 12 बजे से ही लोग नर्मदा तट पर पहुंचने लगे थे। स्नान के बाद श्रद्धालु शनि देव और नवग्रह का पूजन कर रहे हैं। दावा है कि करीब एक लाख श्रद्धालुओं सुरक्षा के खास इंतजाम किए हैं।

नर्मदापुरम में सुबह 5 बजे से ब्रह्म मुहूर्त में स्नान शुरू हुआ। शहर के सेठानी घाट, विवेकानंद घाट, गोंदरी घाट, पोस्ट ऑफिस घाट, पर्यटन घाट, कोरी घाट, बांद्राभान घाट पर हजारों की संख्या में श्रद्धालु मौजूद हैं। श्रद्धालु घाट पर पूजन, पाठ और दान भी कर रहे हैं। इसे भूतड़ी अमावस्या भी कहा जाता है। जिसके चलते तंत्र साधक भी घाटों पर पूजन करने आए हैं।

चैत्र अमावस्या को कुछ क्षेत्रों में भूतड़ी अमावस्या भी कहा जाता है। शनिवार को अमावस्या होने से स्नान का महत्व और बढ़ गया। तंत्र साधक भी पूजन करने आए हैं। इटारसी, हरदा, बैतूल, भोपाल, विदिशा, बीना और आसपास के शहरों से लोग स्नान के लिए नर्मदापुरम आए हैं। 30 मार्च, रविवार से हिंदू नववर्ष, नए विक्रम संवत, नवरात्रि की शुरुआत होगी।

अनाज, बर्तन, कपड़े दान करने का महत्व

चैत्र अमावस्या के दिन स्नान और दान-पुण्य का विशेष महत्व होता है। ब्राह्मण और गरीबों को अनाज, बर्तन, कपड़े दान कर भोजन कराया जाता है। नववर्ष, नवरात्रि और घट स्थापना से पहले श्रद्धालु स्नान करने आते हैं।

संक्षिप्त समाचार

1187 बूथों पर कार्यकर्ता सुनेंगे मन की बात

नर्मदापुरम। भारतीय जनता पार्टी जिला नर्मदापुरम के 1187 बूथों पर पार्टी कार्यकर्ता प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के रेडियो प्रसारण मन की बात कार्यक्रम को सुनेगें। भारतीय जनता पार्टी के जिला कार्यालय मंत्री एवं मन की बात कार्यक्रम के प्रभारी प्रशांत दीक्षित ने बताया कि माह के आखिरी रविवार को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के रेडियो प्रसारण मन की बात कार्यक्रम को 11 बजे पार्टी कार्यकर्ता, पदाधिकारी एवं जनप्रतिनिधि अपने अपने बूथों पर उपस्थित रहकर मन की बात कार्यक्रम को सुनेंगे।

पुस्तक एवं गणवेश मेले का आयोजन 30 एवं 31 मार्च को

नर्मदापुरम। नर्मदापुरम जिला मुख्यालय पर 30 और 31 मार्च 2025 को पुस्तक एवं गणवेश मेले का आयोजन किया जाएगा। यह मेला शासकीय नर्मदा महाविद्यालय स्थित खेल प्रशाल (डोम) में आयोजित होगा। जिला शिक्षा अधिकारी श्री एसपीएस बिसेन ने जानकारी देते हुए बताया कि मेले में अशासकीय / प्रायवेट विद्यालयों में संचालित पुस्तकों एवं गणवेश की उपलब्धता कराई जाएगी। इसके अलावा, मेले में विद्यार्थियों के लिए केरियर काउंसलिंग सेशन का भी आयोजन किया जाएगा। इस सेशन के माध्यम से विद्यार्थियों की शंकाओं का समाधान किया जाएगा तथा उन्हें उच्च शिक्षा और करियर से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियाँ प्रदान की जाएंगी। जिला शिक्षा अधिकारी ने अशासकीय स्कूलों में अध्ययनरत विद्यार्थियों के अभिभावकों को आमंत्रित करते हुए अपील की है कि वे इस मेले में अवश्य शामिल हों और इसका लाभ उठाएँ।

ऑर्डिनेंस फैक्ट्री इटारसी में तेंदुए की मृत्यु की घटना पर वन विभाग की कार्रवाई

नर्मदापुरम। वन मण्डल अधिकारी नर्मदापुरम ने बताया कि गत दिवस ऑर्डिनेंस फैक्ट्री इटारसी में सुरक्षा अधिकारी द्वारा ऑर्डनेंस फैक्ट्री में मैगजीन क्षेत्र में एक तेंदुए की मृत्यु की सूचना 12:00 बजे दोपहर को दी गई। सूचना प्राप्त होने पर मुख्य वन संरक्षक नर्मदापुरम एवं वनमंडल अधिकारी नर्मदापुरम के दिशा निर्देशन में उपवन मंडल अधिकारी नर्मदापुरम वन परीक्षेत्र अधिकारी इटारसी एव वन अमला तत्काल ऑर्डिनेंस फैक्ट्री के मैगजीन क्षेत्र घटनास्थल पर पहुंचे। तत्पशचात अमले द्वारा घटनास्थल पर पहुंचकर मौका मुआयना किया गया। एस ओ पी का पालन करते हुए रस्सी से घेरा बनाकर सुरक्षित किया गया। मृत तेंदुआ की उम्र लगभग ढाई से 3 वर्ष पाई गई सतपुड़ा टाइगर रिजर्व से डाग स्क्वायड लाकर सर्च कराया गया। शाम होने के कारण पुन : 29.03.2025 को डॉग स्क्वाड द्वारा सर्चिंग कराया गया। अपराध के साक्ष्य प्राप्त नहीं हुए। प्रथम दृष्टया कुछ जगह करंट से जलने के साक्ष पाए गए हैं पोस्टमार्टम रिपोर्ट प्राप्त होने पर मृत्यु की स्थिति स्पष्ट होगी। प्रारंभिक विवेचना जारी है। मृत्यु के कारण पता चलते ही कार्रवाई की जावेगी।

भाजपा ने काव्यांजलि एवं वरिष्ठ नेताओं का किया सम्मान

अटल जी की तुलना सिर्फ अटल जी से ही की जा सकती है - पंकज जोशी

नर्मदापुरम ■ अमृत दर्शन

भारतीय जनता पार्टी द्वारा भारत रत्न, पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी की जन्मशताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में शनिवार को जिला भाजपा कार्यालय में काव्यांजलि एवं वरिष्ठ भाजपा नेताओं के सम्मान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं संभागीय प्रभारी पंकज जोशी ने कहा, अटल जी जैसी शख्सियत की तुलना सिर्फ अटल जी से ही की जा सकती है। वे विचारधारा, नेतृत्व और व्यक्तित्व में अद्वितीय थे। उनके आदर्श आज भी हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत हैं।

अटल गैलरी का शुभारंभ: कार्यक्रम में अटल गैलरी का भी शुभारंभ किया गया, जिसमें अटल जी के जीवन, विचार और नर्मदापुरम प्रवास की स्मृतियों को संजोया गया है। भाजपा जिला अध्यक्ष प्रीति शुक्ला ने स्वागत भाषण में कहा, अटल जी का व्यक्तित्व भारतीय राजनीति में आदर्शवाद और राष्ट्रभक्ति का प्रतीक था। उनके विचारों में दृढ़ता और भाषा में मधुरता थी। उनका जीवन हम सभी के लिए प्रेरणादायक है। पूर्व केंद्रीय मंत्री सुरेश पचौरी ने अपने संबोधन में कहा, अटल जी के साथ मेरा पारिवारिक रिश्ता रहा है। राज्यसभा में जब वे बोलते थे, पूरा सदन एकाग्रता से सुनता था। उनका अविश्वास प्रस्ताव पर दिया गया ऐतिहासिक भाषण और एक वोट वाला प्रसंग आज भी स्मरणीय है। वे एक नक्षत्र थे, जिनका व्यक्तित्व सदैव प्रेरणा देता रहेगा।

इस अवसर पर भाजपा जिला महामंत्री प्रसन्न हर्णे ने कार्यक्रम का संचालन किया एवं सहप्रभारी राजेश शुक्ला ने आभार व्यक्त किया। भाजपा जिला मीडिया प्रभारी ने बताया कि कार्यक्रम में पूर्व विधायक सविता दीवान शर्मा, नपा अध्यक्ष नीतू यादव, नीना नागपाल, राघवेंद्र पटैल, संध्या सिंगारे, राजेश तिवारी, योति चौरे, लोकेश तिवारी, विवेक गौर, महेन्द्र यादव, प्रशांत दीक्षित, चरणजीत सिंह, अमित माहाला, गजेन्द्र चौहान, राहुल ठाकुर, राहुल पटवा, अर्चना पुरोहित, दीपक महालहा, योगेन्द्र राजपूत, राजू सिंकदर, केशव उर्मिल, वंदना दुबे सहित बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

वरिष्ठ नेताओं का किया सम्मान

कार्यक्रम में अटल जी के साथ काम कर चुके वरिष्ठ भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं को सम्मानित किया गया। सम्मानित होने वालों में सोहागपुर विधायक ठा. विजयपाल सिंह, पूर्व जिलाध्यक्ष हरिशंकर जायसवाल, संपत मूंदड़ा, श्रीनारायण खंडेलवाल, रमेश पटेल, हंस राय, अजय श्रीवास्तव, सुनील तिवारी, मदनलाल डोंगरे, कपिल ठाकुर, राघवेन्द्र वर्मा, राजेश पुर्विया, जितेन्द्र मिश्रा, ओम उपाध्याय, जगदीश अग्रवाल, दिनेश नामदेव, रूपराम यादव, सुधीर तिवारी, इंदर सिंह मीना, सुरेन्द्र परमार, नानकराम कदम सहित कई वरिष्ठ कार्यकर्ता शामिल थे।

काव्यांजलि में कवियों ने दी प्रस्तुति

कार्यक्रम में कवियों ने अटल जी के व्यक्तित्व, राष्ट्रवाद और राष्ट्रभक्ति पर आधारित कविताओं का पाठ किया। कवियों में नित्यगोपाल कटारे, कीर्ति वर्मा, मानस दुबे, सौरभ यादव (सूर्य), अमित बिल्लौरे और संप्रभु सोनकिया शामिल रहे।

डिप्टी कलेक्टर सस्पेंड, महिलाओं से अभद्रता का आरोप

हाईकोर्ट से स्टे लाए थे पहले महिला से जूते की लेस बंधवाने पर चर्चा में आए थे

नर्मदापुरम ■ अमृत दर्शन

डिप्टी कलेक्टर पर महिला कर्मचारियों से अभद्र भाषा में बात करने और गलत मैसेज भेजने के आरोप हैं। शिकायत मिलने के बाद उन्हें सस्पेंड कर दिया गया। कमिश्नर केजी तिवारी ने शुक्रवार देर शाम डिप्टी कलेक्टर असवान राम चिरामन के सस्पेंशन के आदेश जारी किए। इधर, असवान राम चिरामन ने सभी आरोपों को झूठा बताया है। उनका कहना है कि कुछ अधिकारी और कर्मचारी उनके खिलाफ साजिश रच रहे हैं। चिरावन पहले सिंगरौली में एसडीएम रहते महिला से जूते की लेस बंधवाकर चर्चा में आए थे। तब सीएम ने उन्हें हटा दिया था।

बता दें कि असवान राम चिरामन सोहागपुर में एसडीएम के पद पर पदस्थ थे। शिकायतें मिलने पर 21 मार्च को उन्हें पद से हटा दिया गया था। उन्हें नर्मदापुरम कलेक्ट्रेट में डिप्टी कलेक्टर पद पर पदस्थ किया गया था। उन्होंने इस फैसले को हाईकोर्ट में चुनौती दी और 25 मार्च को स्टे ले आए थे। हालांकि, इस दौरान प्रशासन ने जांच जारी रखी थी।

कलेक्टर ने जांच रिपोर्ट कमिश्नर को सौंपी थी

कलेक्टर सोनिया मीणा ने महिला कर्मचारियों और पटवारियों के बयान लिए थे। इसकी रिपोर्ट कमिश्नर केजी तिवारी को सौंपी थी। जिसके बाद डिप्टी कलेक्टर के खिलाफ कार्रवाई की गई है।

नर्मदापुरम शहर में कानून व्यवस्था चौपट

सैलून संचालक को दुकान से खींचकर पीटा अर्धनग्न कर लात घूसों से पीटते रहे बदमाश, थाने में झूमाझटकी क्रॉस केस दर्ज

नर्मदापुरम ■ अमृत दर्शन

शहर के नर्मदा सिटी मॉल सेंट्रल बैंक के सामने शुक्रवार देर रात एक सैलून संचालक को बदमाशों ने बेहरमी से पीटा। दुकान से खींचकर संचालक को अर्धनग्न से लात घुसों से पीटा गया। बदमाशों ने बीच सड़क पर करीब 15 मिनट तक मारपीट कर गदर की। आसपास लोग ने तमाशा देखते रहे। लेकिन बदमाशों के डर से कोई भी बचाव करने नहीं पहुंचा। कोतवाली पुलिस के पहुंचने पर मामला शांत हुआ। दुकान से बाहर निकालकर और अर्धनग्न कर मारपीट करने के वीडियो भी सोशल मीडिया पर सामने आए। देर रात करीब 1 बजे पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायत पर काउंटर केस दर्ज किया।

पहले एक पक्ष ने मारा, फिर दूसरा पक्ष हुआ हावी पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायत पर काउंटर केस दर्ज किया। एक पक्ष के बीटीआई निवासी शिवम शर्मा के मुताबिक

शुक्रवार रात करीब 9.30 बजे वो नर्मदा सिटी मॉल के पास स्थित सैलून दुकान के पास खड़े होकर मोबाइल पर बातें कर रहा था, जो मोबाइल पर परिचित से बातचीत में गाली गलौज कर रहा था।क्र

सैलून संचालक विजय सराठे ने कहा कि तुम यहां अपशब्द मत बोलो। मेरी दुकान पर ग्राहक बैठे हैं। शिवम ने कहा कि मैं तुम्हे गाली नहीं दे रहा, अपने परिचित को मोबाइल पर दे रहा। बस इतनी सी बात पर विजय सराठे, बिक्कू सराठे और उसके दोस्तों ने मिलकर शिवम की थप्पड़ मुक्के लात घूसों से मारपीट करने लगे। मारपीट के दौरान उसके कपड़े तक फाड़ दिए गए। फिर मामला शांत हो गए।

कुछ देर बाद शिवम शर्मा और उसके भाई अंकित, सचिन, हेमंत शर्मा और सुनील पंडित आया। विजय सराठे को दुकान से बाल खींचकर बाहर निकाला और लात-घूसों से पीटने लगे। बिक्कू सराठे और सत्यम तिवारी ने बचाव किया तो आरोपियों ने सत्यम से भी मारपीट की। थाने में लगी भीड़, झूमा-झटकी की बनी स्थिति मारपीट की घटना के बाद दोनों पक्ष शिकायत करने थाने पहुंचे। मारपीट के दौरान बचाव करने आए एनएसयूआई के सत्यम तिवारी को भी आरोपियों ने मारा। जिससे मामला हाई-प्रोफाइल हो गया। बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ थाना परिसर और थाने के बाहर रास्ते पर लग गई। थाना परिसर में भी दोनों पक्षों के कुछ लोगों के बीच झूमाझटकी मारपीट की स्थिति बनी। हालांकि पुलिस ने मामला शांत कराया।

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत अधिकारियों का प्रशिक्षण सम्पन्न

नर्मदापुरम। शनिवार को मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सौजान सिंह रावत की अध्यक्षता में जल गंगा संवर्धन अभियान के सफल क्रियान्वयन हेतु समीक्षा बैठक एवं प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। इस बैठक में समस्त जनपद सीईओ, सहायक यंत्री, उपयंत्री तथा जनपद के अन्य संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया। बैठक के दौरान प्रशिक्षण में उपस्थित जनपद सीईओ तथा स्टाफ को जल गंगा संवर्धन अभियान की महत्वपूर्ण जानकारियों से अवगत कराया गया। इस प्रशिक्षण के अंतर्गत पीपीटी (प्रेजेंटेशन) के माध्यम से अभियान की आवश्यकताओं, लक्ष्यों एवं क्रियान्वयन की प्रक्रिया को विस्तार से समझाया गया। समीक्षा बैठक में अभियान की सफलता सुनिश्चित करने के लिए की जा रही तैयारियों की विस्तार से चर्चा की गई।

नर्मदापुरम में दो पक्षों ने की पत्थरबाजी

एक-दूसरे को डंडे से पीटा; सिकलीगर इलाके में ओवरब्रिज पर लोगों की भीड़ लगी

नर्मदापुरम ■ अमृत दर्शन

शहर में दो पक्षों के बीच विवाद में पत्थरबाजी हुई। लोगों ने एक-दूसरे पर डंडे चलाए और मारपीट की। झगड़े में महिलाएं भी शामिल रहीं। विवाद देखने के लिए ओवरब्रिज पर लोगों की भीड़ लग गई। सूचना पर पुलिस पहुंची और दोनों पक्षों के करीब 6 लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेजा। ओवरब्रिज के नीचे सिकलीगर इलाके में शनिवार को हुई पत्थरबाजी और झगड़े के वीडियो रात को सामने आए।

सड़क पर जगह-जगह बिखरे पत्थर

झगड़े के बाद जगह-जगह पत्थर सड़क पर बिखरे पड़े मिले। एसडीओपी पराग सैनी ने बताया कि दोनों पक्ष एक ही समाज के है। पुरानी रंजिश के चलते शनिवार को विवाद हुआ। जिसमें दोनों पक्षों की तरफ से पत्थर फेंके गए। झगड़ा देखने रूकने की वजह से ब्रिज पर अधिक गाड़ियां खड़ी होने से जाम की स्थिति भी बनी। कई लोगों ने घटना के बाद के वीडियो बनाएं।

त्यौहारों के दौरान कानून और शांति व्यवस्था बनाए रखने हेतु

मजिस्ट्रेट एवं अधिकारियों की लगाई गई ड्यूटी

नर्मदापुरम ■ अमृत दर्शन

अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी नर्मदापुरम डी.के. सिंह ने चैत्र श्राद्ध अमावस्या (स्नान पर्व), चैत्र नवरात्र प्रारंभ, गुड़ी पड़वा, ईद-उल-फितर, चैती चांद, रामनवमी/ दुर्गो नवमी, महावीर जयंती, हनुमान जयंती/ स्नान दान पूर्णिमा, अम्बेडकर जयंती, गुड फ्राईडे, स्नान दान अमावस्या, अक्ष्य तृतीया / परशुराम जयंती जैसे महत्वपूर्ण त्यौहारों के दौरान कानून और शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए अपने अपने अनुभाग स्तर अंतर्गत मजिस्ट्रेट/अधिकारियों की ड्यूटी लगाई है।

जारी आदेशानुसार सिंह ने श्रीमती नीता कोरी अनुविभागीय दण्डाधिकारी नर्मदापुरम एवं बृजेन्द्र रावत सिटी मजिस्ट्रेट नर्मदापुरम, टी. प्रतीक राव अनुविभागीय दण्डाधिकारी इटारसी, अनिल जैन अनुविभागीय दण्डाधिकारी सोहागपुर, सुश्री अनिशा वास्तव अनुविभागीय दण्डाधिकारी पिपरिया एवं श्रीमती सरोज परिहार अनुविभागीय दण्डाधिकारी सिवनीमालवा की ड्यूटी लगाकर उन्हें अपने-अपने संपूर्ण अनुविभाग एवं घाट स्थलों पर कार्यपालिक अधिकारियों की ड्यूटी लगाने एवं कानून व्यवस्था बनाये रखने के लिए प्रभारी अधिकारी का दायित्व सौंपा है।

रवीन्द्र भवन में आयोजित संगीत सभा में सुप्रियो और आकाश तिवारी ने दी प्रस्तुति

गुरु शिष्य जुगलबंदी में कलाकारों ने सुनाया डागर वाणी की प्रसिद्ध रचना शिव-शिव शंकर आदि देव

भोपाल ■ निसं

ध्रुपद गायिकी की यही विशेषता होती है कि वह हमेशा जुगलबंदी में गायी जाती है। डागर बंधुओं से लेकर गुंदेचा बंधुओं तक देश को ऐसे कई मूर्धन्य संगीत साधक मिले जिन्होंने ध्रुपद गायकी को राष्ट्रीय अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर एक विशेष पहचान दिलवाई। ध्रुपद शैली में गुरु शिष्य परंपरा के अंतर्गत जुगलबंदी की एक ऐसी ही अविस्मरणीय प्रस्तुति के साक्षी बने भोपाल के कला रसिक। मौका था शनिवार को रवीन्द्र भवन में आयोजित विशेष संगीत सभा 'गुरु शिष्य जुगल' का।

जहां सुप्रियो मैत्रो और उनके शिष्य आकाश तिवारी ने ध्रुपद गायन की यादगार प्रस्तुति दी। देवांश फाउंडेशन की ओर से आयोजित इस संगीत सभा में दोनों ही कलाकारों ने राग भीम में परंपरागत षडज की प्रस्तुति के साथ सभा को आरंभ किया। इसके उपरांत पारंपरिक आलाप जोड़ झाला, विलंबित और मध्य लय के साथ सभा को गति प्रदान की। इस दौरान सुप्रियों ने मंच के सामने बैठे दर्शकों से संवाद करते हुए इस जुगलबंदी की परिकल्पना पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि आकाश मेरे साथ पिछले चार वर्षों से लगातार सहयोगी के रूप में मंचीय प्रस्तुतियां देते रहे हैं। लेकिन यह पहली बार अवसर है जब मैं और आकाश एक साथ जुगलबंदी प्रस्तुत कर रहे हैं। इस अवसर पर करुणाधाम के पीठाधीश्वर सुदेश शांडिल्य, समाज सेवी साधना सिंह चौहान, नगर निगम भोपाल के अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी सहित बड़ी संख्या में संगीत रसिक उपस्थित हुए।

प्रचीन पद की दी प्रस्तुति

सुर, लय और ताल से सजी इस संगीत सभा में कलाकारों ने प्रस्तुति के क्रम को आगे बढ़ाने के लिए चौताल में निबद्ध प्राचीन पद भरी-भरी धरी-धरी आवत... को सुनाया। इस प्रस्तुति में दोनों ही कलाकारों ने लय और सुरों का बेहतर तालमेल प्रस्तुत किया। कलाकारों की इस प्रस्तुति को प्रभावी बनाने में पखावज और तानपुरे ने भी महती भूमिका निभाई। सभा को आगे बढ़ाते हुए कलाकार सुप्रियों ने राग बसंत का चयन किया जिसे उन्होंने सूरफाक ताल में निबद्ध तुलसीदास के पद खेल बसंत राजाधी राज... सुनाया। गीतावली रामायण से लिये गये इस पद की विशेषता है कि अधिकतर गायन के दौरान जब भी होली का जिक्र आता है तो उसमें ब्रज की होली का उल्लेख मिलता है। लेकिन कलाकारों ने इस प्रस्तुति में अवध की होली को बेहद ही सुंदर ढंग से ध्रुपद गायन में प्रस्तुत किया। लगभग एक घंटे से अधिक समय तक चली संगीत की इस सभा में कलाकारों ने राग अढ़ाना में शिव स्तुति पेश की। इस स्तुति में उन्होंने डागर वाणी के प्रसिद्ध रचना शिव-शिव शंकर आदि देव... को सुनाते हुए भगवान शिव का आह्वान किया। इस प्रस्तुति में पखावज पर जॉय दलाल और तानपुरे पर शिवम जायसवाल और हर्षित तिवारी ने संगत दी।

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी डी.पी.गोयल द्वारा प्रभा काम्पलेक्स के पास, मीनाक्षी चौक, आई.टी.आई. रोड, होशंगाबाद से प्रकाशित तथा श्री बालाजी प्रिन्टर्स, 21-एच, इंडस्ट्रीयल एरिया, गोविन्दपुरा, भोपाल- 462023 (म.प्र.) से मुद्रित। संपादक- डी.पी.गोयल। मो.9827054436 भोपाल कार्यालय : 4240007. डाक पंजीयन - MP/HSD04/2023-2025 व्यवस्थापक- डी.सी. पारे, मो. 8878623331 Email: amritdarshan@yahoo.com (सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र भोपाल रहेगा।)।